शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 305 | गुवाहाटी | रविवार, 4 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

एसएसबी ने भारी मात्रा में जब्त किया इमारती लकड़ी पेज 3

पूरी दुनिया का लोकहित भारतीय लोकतंत्र से जुड़ा है, इसमें बिखराव का असर... पेज 4

सुगम और सुरक्षित यात्रा हर नागरिक का अधिकार : योगी पेज 5

राजस्थान वर्ष 2030 तक बनेगा देश का नंबर वन राज्य : मुख्यमंत्री पेज 8

मुख्य मार्ग के बजाय लूप लाइन पर चली गई थी ट्रेन

बचाव कार्य पूरा मृतकों की संख्या बढ़कर 288 हुई

कोलकाता (हि.स.)। ओडिशा के बहनागा बाजार स्टेशन के पास भीषणतम रेल दुर्घटना में अब तक 288 लोगों की मौत हो चुकी है। रेलवे की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य पूरा हो गया है। रेलवे की ओर से शनिवार शाम जारी बयान में बताया गया है कि शनिवार दोपहर तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई है। इसके अलावा 56 लोगों की हालत गंभीर है और 747 अन्य लोग घायल अवस्था में अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। घायलों को गोपालपुर, खंतापाड़ा, बालासोर, भद्रक और सोरो के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है। शनिवार दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लिया। उनके साथ केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार और मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद हैं। रेलमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

नई दिल्ली। ओडिशा में हुए भीषण रेल हादसे की प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि दुर्घटनाग्रस्त हुई कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन बाहानगा बाजार स्टेशन से ठीक पहले मुख्य मार्ग के बजाय *लूप लाइन* पर चली गई और वहां खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई। समझा जाता है कि बगल की पटरी पर क्षतिग्रस्त हालत में मौजूद कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बों से टकराने के बाद बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के डिब्बे भी पलट गए। सूत्रों ने बताया कि कोरोमंडल एक्सप्रेस की रफ्तार 128 किलोमीटर प्रति घंटा, जबकि बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस की गति 116 किमी प्रति घंटा थी। रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल की लूप लाइन एक स्टेशन क्षेत्र में निर्मित की जाती है और इस मामले में यह बाहानगा बाजार स्टेशन है। इसका (लूप लाइन का) उद्देश्य परिचालन को सुगम करने के लिए अधिक ट्रेनों को समायोजित करना होता है। लूप लाइन आमतौर पर 750 मीटर लंबी होती है ताकि कई इंजन वाली लंबी मालगाड़ी का पूरा हिस्सा उस पर आ जाए। दोनों ट्रेनों में करीब 2,000 यात्री सवार थे। हादसे में कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 1,000 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी रहे अनुभव दास ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों और रेल अधिकारियों ने शुरूआत में कहा था कि कोरोमंडल एक्सप्रेस ने मालगाड़ी को टक्कर मार दी। दास इसी ट्रेन -शेष पृष्ठ दो पर

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : पीएम

भुवनेश्वर(हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के बालेश्वर जिले के बाहनगा रेलवे स्टेशन के पास हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना स्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना के लिए दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कल शाम को एक भयंकर हादसा हुआ, असहनीय वेदना मैं अनुभव कर रहा हूं। इस यात्रा में अनेक राज्यों के नागरिकों ने कुछ न कुछ गंवाया है। कई लोगों ने अपना जीवन खोया है। यह बहुत दर्दनाक, मन को विचलित करने वाला है। जिन परिवारजनों को क्षति हुई है, सरकार उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

सोनिया गांधी ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ओडिशा में हुए भीषण ट्रेन हादसे पर अपना दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा वह दुखी और व्यथित हैं और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा कि ओडिशा में भयानक ट्रेन दुर्घटना से मुझे सबसे ज्यादा दुख और पीड़ा हुई है। मैं सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और संवेदना व्यक्त करती हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट करते हुए भयानक ट्रेन दुर्घटना पर दुख जताया। -शेष पृष्ठ दो पर

हादसे में साजिश की आशंका : ममता

कोलकाता। ओडिशा के बालासोर के पास शुक्रवार को हुए रेल हादसे के बाद शनिवार को करीब दौ सौ लोगों के एक विशेष ट्रेन से बंगाल के यात्रियों को हावड़ा लाया गया है। यह विशेष ट्रेन दोपहर को यहां पहुंची। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। रेलवे की ओर से इन्हें भोजन और पानी उपलब्ध करवाया गया है। हावड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेट फॉर्म नंबर आठ पर एक मेडिकल बूथ, एंबुलेंस और फर्स्ट एड की व्यवस्था की गई है। लोगों ने बताया कि किस तरह से सैकड़ों लोग दुर्घटना की चपेट में आकर -शेष पृष्ठ दो पर

बालासोर से घायल यात्रियों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त

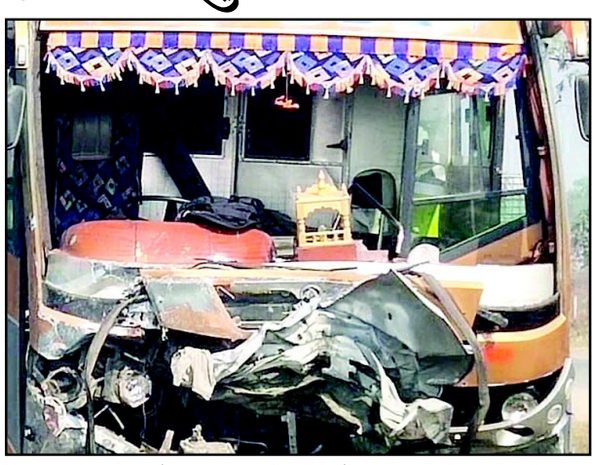

कोलकाता। ओडिशा के बालासोर से घायल यात्रियों को ले जा रही एक बस शनिवार, 3 जून को बंगाल के मेदिनीपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेनों की दुर्घटना में यात्रियों को बस ले जा रही थी। दुर्घटना के बाद मेदिनीपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया। इलाके में बस की पिकअप वैन से आमने-सामने टक्कर हो गई। घायल यात्रियों को इलाज के लिए बंगाल के विभिन्न जिलों में भेजा जा रहा है। बस में सवार कई लोगों के मामूली रूप से घायल होने की आशंका है। पुलिस ने घायलों को बाहर निकालना शुरू कर दिया है और उन्हें पश्चिम बंगाल के विभिन्न चिकित्सा केंद्रों में भेजा जा रहा है। तीन ट्रेनें - कोलकाता-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी, शुक्रवार रात बालासोर में एक भीषण दुर्घटना का शिकार हुईं। अब तक, कम से कम 280 लोगों की जान चली गई है, और 1000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसा कोलकाता से करीब 250 किलोमीटर दक्षिण और भुवनेश्वर से 170 किलोमीटर उत्तर में बालासोर जिले के बहनागा बाजार स्टेशन के पास शाम करीब सात बजे हुआ।

सुप्रभात

पृथ्वी सत्य पे टिकी हुई है। ये सत्य की ही ताकत है, जिससे सूर्य चमकता है और हवा बहती है। वास्तव में सभी चीजें सत्य पे टिकी हुई हैं।

- आचार्य चाणक्य

पूर्वांञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

कामरूप मेट्रो में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया

गुवाहाटी। बढ़ते तापमान के मद्देनजर, कामरूप मेट्रो के उपायुक्त ने एक आदेश जारी किया है और सभी शैक्षणिक संस्थानों की कक्षाओं के समय को तत्काल प्रभाव से सुबह 7.30 बजे से पुनर्निर्धारित किया है, शनिवार को जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है। अधिसूचना के अनुसार, पारा के स्तर में लगातार वृद्धि और चिलचिलाती गर्मी के कारण सार्वजनिक भलाई के हित में समय में बदलाव किया गया है। निजी और सरकारी दोनों स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है और यह 5 जून से -शेष पृष्ठ दो पर

कुकी उग्रवादियों की फायरिंग में 15 ग्रामीण घायल

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में कुकी समुदाय के उग्रवादियों की फायरिंग में कम से कम 15 ग्रामीण घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। घायलों को इंफाल के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले कांगचुप फाएंग और चिंगखोंग गांवों पर शनिवार की भोर में करीब 2.20 बजे अत्याधुनिक हथियारों से हमला किया गया। राज्य पुलिस के शीर्ष सूत्रों के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 4 वर्षीय डिग्री कार्यक्रम की शुरुआत की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को सभी राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 की शुरुआत की। एनईपी 2020 को लागू करने वाला असम देश भर के पहले राज्यों में से एक है। एनईपी के लॉन्च के साथ, राज्य भर के सभी उच्च शिक्षा संस्थान 4 साल के यूजी प्रोग्राम की पेशकश करेंगे। मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि माननीय पीएम श्री @narendramodi जी ने एक विकसित भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिकल्पना की थी। उन्होंने कहा कि उस लक्ष्य को प्राप्त करने और सीखने के लिए कई रास्ते बनाने के लिए, असम ने आज कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है। पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम हर जगह सम्मान के हकदार, कांग्रेस को उन पर गर्व : पित्रोदा

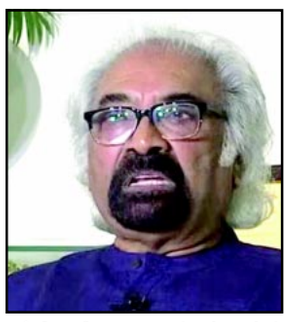

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कहा है कि दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश के प्रधानमंत्री हर जगह सम्मान के हकदार हैं और उन्हें इस पर गर्व है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा फिलहाल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अमेरिका दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने भारत के बारे में अपने वैकल्पिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की है। हालांकि, यूक्रेन और चीन से टकराव जैसे मुद्दों पर सत्तारूढ़ पार्टी की विदेश नीति के रुख का उन्होंने समर्थन किया है। पित्रोदा ने कहा कि वे (गांधी) जानते हैं कि हम (भारत) कहां सही कर रहे हैं, हम सभी इसके पक्ष में हैं। और आप देखिए, किसी ने मुझे बताया कि भारतीय प्रधानमंत्री का बहुत स्वागत किया जा रहा है। मैंने कहा कि मैं इसके बारे में खुश हूं क्योंकि तमाम -शेष पृष्ठ दो पर

कॉलेज चुनाव भविष्य की राजनीति का आधार नहीं : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने छात्रों से यह समझने की अपील की कि शिक्षण संस्थानों में चुनाव विधानसभा या लोकसभा चुनाव के लिए अभ्यास का मैदान नहीं है। कॉलेज चुनाव छात्रों के नेतृत्व कौशल को उन्नत करने और संस्थान की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए आयोजित किए जाते हैं, लेकिन कुछ छात्र इसे भविष्य की राजनीति का आधार मानते हैं, और यह गलत है, यह बातें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहीं। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ये चुनाव छात्रों के नेतृत्व गुणों को उन्नत करने और संस्थान की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। लेकिन कुछ छात्र इसे भविष्य की राजनीति का आधार मानते हैं और यह गलत है। उन्होंने छात्रों से यह समझने की अपील की कि शिक्षण संस्थानों में चुनाव विधानसभा या लोकसभा चुनाव के लिए अभ्यास का मैदान नहीं है। आजकल छात्र जो तरीके अपना रहे हैं, वे अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे विधानसभा या आम चुनावों में, चुनाव के बाद की हिंसा शिक्षा संस्थानों के चुनावों की तुलना में बहुत कम है। मेरी राय में, चुनाव से पहले शिक्षकों की -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी : मुख्य पैरोकार जितेंद्र सिंह ने मुकदमे से अपने को किया अलग

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी के मुख्य पैरोकार जितेंद्र सिंह बिसेन ने मुकदमे की पैरवी से हटने की बात कही है। उन्होंने शनिवार को पत्र जारी कर कहा है कि मैं देश व समाज को सूचित कर रहा हूं कि मैं और मेरा परिवार उन सभी मुकदमों से अपने आप को हटा रहा है, जो मुकदमे देश और धर्म के हित में हमारे परिवार द्वारा विभिन्न न्यायालयों में दायर किए गए थे। इन सभी मुकदमों को डालने के बाद मैं और मेरा परिवार हर तरह से विधर्मियों और हिंदू गद्दारों के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। मैं क्षमा चाहता हूं, अब और नहीं सहा जाता। उल्लेखनीय है कि ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने की तैयारी शुरू : फडणवीस

मुंबई (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में लव जिहाद के खिलाफ राज्य सरकार लव कानून बनाने पर विचार कर रही है। इस मुद्दे पर राज्य सरकार अन्य राज्यों में लव जिहाद के विरुद्ध बने कानूनों का अध्ययन कर रही है। फडणवीस ने पुणे में पत्रकारों को बताया कि राज्य में महिलाओं के गायब होने की बहुत सी शिकायतें आ रही है। लापता महिलाओं की शिकायतों के प्रति हम बेहद संवेदनशील हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो गुमशुदा महिलाओं के मामले में बरगलाकर दूसरे धर्म की महिलाओं के साथ शादी करने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है। फडणवीस ने कहा कि दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए लेकिन शादी सुदा व्यक्ति अपनी पहचान छिपाकर दूसरे धर्म की महिलाओं से शादी कर रहे हैं और बाद में महिला की जिंदगी नरक से भी बदतर हो जाती है। इसी वजह से सरकार इस मामले को लेकर संवेदनशील है।

अरिहा की वापसी के लिए 59 सांसदों ने जर्मनी के राजदूत को लिखा पत्र

नई दिल्ली। सितंबर 2021 में जर्मन अधिकारियों द्वारा अपने माता-पिता से छीन ली गई एक भारतीय बच्ची की वापसी के लिए 19 दलों के उनतालीस सांसदों ने भारत में जर्मन राजदूत को पत्र लिखा है। जर्मन बाल कल्याण एजेंसी जुगेंडमट ने अरिहा शाह को हिरासत में ले लिया, जब वह 7 महीने की थी, यह आरोप लगाते हुए कि उसके माता-पिता ने उसे परेशान किया है। सांसदों ने अपने पत्र में लिखा कि हम आपके देश में किसी भी एजेंसी पर आक्षेप नहीं लगाते हैं और मानते हैं कि जो कुछ भी किया गया था वह बच्चे के सर्वोत्तम हित में था। हम आपके देश में कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन यह देखते हुए कि किसी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। बच्चे को वापस घर भेजने का समय आ गया है। इनमें हेमा मालिनी (भाजपा), अधीर रंजन चौधरी (कांग्रेस), सुप्रिया सुले (एनसीपी), कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके), महुआ मोइत्रा (टीएमसी), अगाथा संगमा (एनपीपी), हरसिमरत कौर बादल (एसएडी), मेनका गांधी (भाजपा), प्रणीत कौर (कांग्रेस), शशि थरूर (कांग्रेस) और फारूक अब्दुल्ला (नेकां) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अरिहा के माता-पिता धारा और भावेश शाह बर्लिन में थे क्योंकि बच्ची के पिता वहां एक कंपनी में कार्यरत थे। परिवार को अब तक भारत वापस आ जाना चाहिए था, लेकिन कुछ दुखद घटनाओं के लिए अरिहा को उसके माता-पिता से दूर ले जाया गया था, क्योंकि बच्चे को पेरिनेम में दुर्घटनावश चोट लग गई थी, जिसके लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाल यौन शोषण के लिए उसके माता-पिता के खिलाफ एक जांच शुरू की गई थी। फरवरी 2022 में, माता-पिता के खिलाफ बिना किसी आरोप के पुलिस मामला बंद कर दिया गया था। पत्र में कहा गया है कि अस्पताल ने भी यौन शोषण से इनकार करते हुए एक रिपोर्ट जारी की है। इसके बावजूद बच्चे को उसके माता-पिता को नहीं लौटाया गया और जर्मन अदालतों में जुगेंडमट ने बच्चे की स्थायी हिरासत के लिए दबाव डाला। जुजेंडमट ने माना है कि भारतीय माता-पिता अपने बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ हैं जो जर्मन फोस्टर केयर में बेहतर होगा।

गांवों में 86 फीसदी घरों में हो चुका है पानी के नल कनेक्शन : तवनलुइया

एजल। मिजोरम के उपमुख्यमंत्री तवनलुइया ने कहा है कि केंद्र के जल जीवन मिशन के तहत मिजोरम ग्रामीण गांवों में कुल 86 फीसदी घरों में पानी के नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की योजना के तहत कुल 728 में से 316 गांवों और बस्तियों को भी कवर किया गया है। कुल मिलाकर, मिजोरम में 1.33 लाख ग्रामीण परिवार हैं और इनमें से 1.14 लाख से अधिक परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि 728 ग्रामीण गांवों और बस्तियों में से 316 को योजना के तहत कवर किया गया है। उन्होंने कहा इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के 2,168 स्कूलों में से 2,013 और 1,583 आंगनवाड़ी केंद्रों में से 1,526 को भी नल कनेक्शन दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने चालू वर्ष में 22,485 ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है और इसमें से अब तक 4,318 परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। तावनलुइया ने कहा कि त्रिपुरा और बांग्लादेश की सीमा से लगे राज्य के पश्चिमी हिस्से में ममित को हाल ही में एक राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। जेजेएम के कार्यान्वयन के लिए सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले आकांक्षी जिले में उपलब्धि हासिल करने वालों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के एकमात्र आकांक्षी जिले को आकांक्षी जिलों की श्रेणी में प्रदर्शन के लिए एचीवर का दूसरा पुरस्कार भी मिला है।

हमें धर्म और संस्कृति को आचरण में लाना जरूरी है : भागवत

ऋषिकेश (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि 142 करोड़ लोग भारत की रीढ़ की हड्डी के मनके हैं। हमें धर्म और संस्कृति को आचरण में लाना जरूरी है। हमें अपने धर्म को प्रत्यक्ष रूप से आचरण में उतारना होगा। यह बात सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती के 72वें जन्म उत्सव के अवसर पर शनिवार को आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में कही। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि हमारी संस्कृति श्रेष्ठ संस्कृति है, परंतु भारतीय संस्कृति को उत्थान के लिए प्रयत्न करना होगा। सनातन धर्म पर हमारी सृष्टि है, धर्म नहीं तो सृष्टि नहीं, इसलिए उसे पहचान कर उस पर चलने वाले सुखी रहेंगे। उनका कहना था कि आज विश्व भर में पर्यावरण पर चर्चा हो रही है। हमें उसके लिए कार्य करना पड़ रहा है। हमारी भूमि में सब कुछ है। 6 हजार वर्षों से हम खेती कर रहे हैं और आज भी कर रहे हैं। जो बातें विज्ञान के लिए उपयोगी हैं, वह हमारे वेदों में उपलब्ध हैं। हमारे पास पहले से ही ज्ञान भी है और विज्ञान भी है। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि इसके बावजूद सनातन धर्म अपना काम करता है। सनातन धर्म अपने विधि-विधान के अनुसार अपना कार्य करेगा। उसे पहचानकर हमें उन संस्कारों को स्वीकार कर चलना होगा तो हम सुखी रहेंगे। धर्म को हमारी जरूरत नहीं है, लेकिन हमें धर्म की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वामी चिदानंद मुनि के जन्मदिन पर कहा कि उनको अपना जन्मदिन मनाने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन यह हमारी जरूरत है कि वह जो कार्य कर रहे हैं, उसे अपने जीवन में हम लेकर आयें। उन्होंने कहा कि संतों के आचरण में धर्म रहता है, धर्म सर्वत्र कार्य करता है। इस अवसर पर उन्होंने तुकाराम महाराज के संदेशों को सुनाया। संत एकांत में आत्मसाधना और समाज में लोकसाधना करते हैं। जन्मदिवस के अवसर पर हमारे लिए एक संदेश हैं कि हम अपने स्थान पर रहकर ही कुछ करें। हम दीपक की तरह हैं, जब तक तेल और बाती है तब तक तो कम से कम जलते रहें। हमने जीवन चलाने वालों की चिंता करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धर्मो रक्षति रक्षितः हमें अंतिम लक्ष्य तक पहुंचना है।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्य मार्ग के...

से सफर कर रहे थे। हालांकि, रेलवे ने इस तरह के किसी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना की गहन जांच जारी रहने के बीच, किसी भी अधिकारी ने षड्यंत्र की आशंका के बारे में अब तक बात नहीं की है। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ने ओडिशा के बालासोर में हुए इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है, जिसका नेतृत्व रेल सुरक्षा, दक्षिण पूर्व क्षेत्र के आयुक्त कर रहे हैं। रेलवे सुरक्षा आयुक्त, नागर विमानन मंत्रालय के तहत आते हैं और इस प्रकार के सभी हादसों की जांच करते हैं। भारतीय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि एसई (दक्षिण-पूर्व) क्षेत्र के सीआरएस (रेलवे सुरक्षा आयुक्त) ए एम चौधरी हादसे की जांच करेंगे। रेलवे ने बताया कि रेलगाड़ियों को टकराने से रोकने वाली प्रणाली *कवच* इस मार्ग पर उपलब्ध नहीं है। दुर्घटना में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शामिल है। भारतीय रेल के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने कहा कि बचाव अभियान पूरा हो गया है। हम अब मार्ग को सुचारू करने का कार्य शुरू कर रहे हैं। इस मार्ग पर कवच प्रणाली उपलब्ध नहीं थी। रेलवे अपने नेटवर्क में कवच प्रणाली उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है, ताकि रेलगाड़ियों के टकराने से होने वाले हादसों को रोका जा सके। जब लोको पायलट (ट्रेन चालक) किसी सिग्नल को तोड़ कर आगे बढ़ता है तो यह कवच सक्रिय हो जाता है। सिग्नल की अनदेखी करना रेलगाड़ियों के टकराने का प्रमुख कारण है। यह प्रणाली जब किसी अन्य ट्रेन को उसी मार्ग पर एक निर्धारित दूरी के अंदर होने का संकेत प्राप्त करती है तब लोको पायलट को सतर्क कर सकती है, ब्रेक लगाती है और ट्रेन को स्वत: रोक देती है। सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि सिग्नल के नाकाम रहने के चलते हादसा हुआ होगा। हालांकि, रेल अधिकारियों ने कहा है कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि कोरोमंडल एक्सप्रेस लूप लाइन पर गई थी या नहीं और मालगाड़ी को टक्कर मारी थी, या यह (कोरोमंडल एक्सप्रेस) पहले पटरी से उतरी और लूप लाइन पर जाने के बाद वहां खड़ी मालगाड़ी को टक्कर मारी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिग्नल दिया गया था और 12841 (कोरोमंडल एक्सप्रेस) लूप लाइन पर चली गई, मालगाड़ी से टकराई और पटरी से उतर गई। इस बीच, 12864 (हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस) मुख्य मार्ग पर सामने से आई और इसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए तथा पलट गए। इंटीग्रल कोच फैक्टरी,चेन्नई के पूर्व महाप्रबंधक सुधांशु मणि ने हादसे में शामिल दोनों लोको पायलट की ओर से कोई गलती होने से प्रथम दृष्टया इनकार किया है। प्रथम वंदे भारत ट्रेन बनाने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले मणि ने कहा कि हादसे में बड़े पैमाने पर यात्रियों के हताहत होने का प्राथमिक कारण ट्रेन का पहले पटरी से उतरना और दूसरी ट्रेन का उसी समय वहां से गुजरना था, जो काफी तेज गति से विपरित दिशा से आ रही थी। उन्होंने कहा कि यदि पहली ट्रेन केवल पटरी से उतरी होती तो इसके *एलएचबी* डिब्बे नहीं पलटते और इतनी संख्या में यात्री हताहत नहीं होते। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं देखता कि चालक ने सिग्नल की अनदेखी की। यह (ट्रेन) सही मार्ग पर जा रही थी और डेटा लॉगर से प्रदर्शित होता है कि सिग्नल हरा था। रेलवे बोर्ड के पूर्व सदस्य श्री प्रकाश ने भी कहा कि दूसरी ट्रेन इतनी तेज गति में थी कि उसके चालक के पास नुकसान को सीमित करने के लिए बहुत कम समय था।

बचाव कार्य पूरा ...

अश्वनी वैष्णव मौके पर हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंचीं। रेलवे ने पहले ही रेल दुर्घटना में मरने वालों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों के इलाज के लिए दो-दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। कम घायलों को 50 हजार रुपए की वित्तीय मदद दी जाएगी। वहीं यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस (दुरंतो) के आरक्षित डिब्बों का कोई भी यात्री हताहत नहीं हुआ है। वहीं पैसेंजर डिब्बों में कुछ यात्रियों को सामान्य चोटें आई है। इस हादसे में कोरोमंडल एक्सप्रेस की 13 बोगियों तबाह हो गई है। रेलवे के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि बालासोर ट्रेन हादसे के बाद बचावकार्य जारी है। ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार को हुई ट्रेन दुर्घटना में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शामिल थी। इस घटना पर दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि सर एम. विश्वेसरैया टर्मिनल (एसएमवीबी), बेंगलुरु से बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में आरक्षित श्रेणी के 994 यात्री और अनारक्षित श्रेणी के करीब 300 यात्री सवार हुए थे। बता दें कि एसएमवीबी से रवाना हुई एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बे और ब्रेक यान पटरी से उतर गए थे। अधिकारी ने बताया कि पटरी पर उतरने वाली बोगी अनारक्षित डिब्बे हैं, इसलिए योत्रियों की पहचान करने में समय लगेगा। आरक्षित डिब्बों में टिकट कराने के दौरान यात्रियों द्वारा दी गई जानकारी डेटाबेस में उपलब्ध होती है, इसलिए आरक्षित कोच के यात्रियों के संपर्क नंबर समेत उनकी विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध है। बालासोर से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन अपने अप्रभावित हिस्से के साथ गंतव्य के लिए रवाना हो चुकी है। रात में ट्रेन के क्षतिग्रस्त हिस्से को अलग करने के बाद शेष 19 डिब्बों के साथ सुबह पांच बजकर आठ मिनट पर ट्रेन को रवाना किया गया।

दोषियों को बख्शा ...

भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि जो परिजन हमने खोये हैं, वो तो वापस नहीं लौट पाएंगे, लेकिन सरकार उनके परिजनों के दुख में उनके साथ है। सरकार के लिए यह घटना अत्यंत गंभीर है। हर प्रकार की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जो भी दोषी पाया जाएगा उसको सख्त से सख्त सजा होगी, उसे बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ओडिशा सरकार और यहां के प्रशासन के सभी अधिकारियों का, जिन्होंने इस तरह की परिस्थिति में, उनके पास जो भी संसाधन थे, लोगों की मदद करने का प्रयास किया। मैं यहां के नागिरकों का हृदय से अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं इस दुख की घड़ी में घटनास्थल पर जाकर देखकर आया हूं। अस्पताल में जो घायल नागिरक थे, उनसे मैंने बात की है। मेरे पास इस वेदना को प्रकट करने के लिए शब्द नहीं है, लेकिन परमात्मा हम सबको शक्ति दे कि जल्द से जल्द हम इस दुख की घड़ी से निकलें। ओडिशा के बालेश्वर जिले के बाहनगा बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार शाम करीब 07 बजे हुए रेल हादसे में अब तक 288 यात्रियों की मौत हुई है, जबकि 1000 से अधिक घायल हैं।

सोनिया गांधी ने ...

ट्वीट में कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि ओडिशा में भयानक ट्रेन दुर्घटना के कारण गंभीर राष्ट्रीय त्रासदी की इस घड़ी में, मैंने कांग्रेस पार्टी के पूरे संगठन को हर संभव और आवश्यक मदद करने का निर्देश दिया है। वहीं, राहुल गांधी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के दुखद खबर से व्यथित हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से आग्रह करता हूं कि बचाव के प्रयासों के लिए आवश्यक सभी सहायता प्रदान करें। इस हादसे के बाद पीएमओ की ओर से मुआवजे का एलान किया गया है। ट्रेन हादसे मे मृतकों के परिवार के दो-दो लाख रुपए और घायल लोगों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को रेल मंत्रालय की ओर से 10-10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए दो लाख रुपए, मामूली रूप से चोटिलों के लिए 50,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। अलग-अलग राज्यों की सरकार ने भी इस हादसे में घायल हुए और मृतकों को मुआवजा राशि देने की घोषणा की है। शुक्रवार को ओडिशा के बालासोर में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी की टक्कर में 261 लोग मारे गए और लगभग 1,000 घायल हो गए। दरअसल, चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस डिरेल हो गई और उसके डिब्बे दूसरी रेल पटरी पर जा गिरे। इसी दौरान उस पटरी पर भी विपरीत दिशा से एक ट्रेन आ गई और वह पटरी पर पड़ी बोगियों से टकरा गई।

हादसे में साजिश...

जान गंवा चुके हैं। पलटे हुए ट्रेन के डब्बों के नीचे फंसे लोगों को किस तरह से निकाला गया और एनडीआरएफ कर्मियों ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर कैसे इन्हें ट्रेन से सुरक्षित निकाला है, इस बारे में भी लोगों ने बताया है। हावड़ा स्टेशन पर रेलवे की ओर से इन यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। पूर्व रेलवे की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लेटफार्म नंबर-आठ पर एक मेडिकल बूथ, एंबुलेंस और फर्स्ट एड सेवा उपलब्ध कराए गए हैं। यहां डॉक्टर्स भी मौजूद हैं। राज्य के मेडिकल अस्पतालों के चिकित्सकों से तालमेल बनाकर यहां चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। दुर्घटना स्थल से आने वाले यात्रियों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था है। आरपीएफ कर्मी लगातार स्थानीय और हिंदी भाषा में जानकारी दे रहे हैं। वे बता रहे हैं कि कहां किस चीज की सुविधा उपलब्ध है। प्लेटफार्म नंबर-आठ पर ही व्हील चेयर और स्ट्रेचर उपलब्ध करवाई गई है। सहायता बूथ भी स्थापित किए गए हैं। स्टेशन कॉरिडोर में टैक्सी की मुफ्त एंट्री की अनुमति दी गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार सुबह बालासोर में रेल दुर्घटना स्थल का दौरा किया। स्थिति का जायजा लिया और और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ भी बातचीत की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रेलवे और ओडिशा सरकार को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले की सटीक जांच हो। इसके साथ ही उन्होंने कॉर्डिनेशन गैप को लेकर रेलवे पर निशाना साधा और दुर्घटना में मृत बंगाल के लोगों के परिवार के लोगों को पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का एलान किया। ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ तो हुआ होगा। उचित जांच होने दीजिए। उन्होंने कहा कि रेलवे में कॉडिनेशन गैप है। ममता बनर्जी ने कहा कि पहले रेलवे की ओर से मृतकों के परिवारों को 15 लाख रुपए दिया जाता था, लेकिन अब 10 लाख रुपए दिया जाता है। यह रेलवे का सिस्टम है। इस दुर्घटना में उनके राज्य के कई लोगों की मौत हुई है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद देगी। जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार की ओर से अब तक करीब 50 एंबुलेंस भेजी गई हैं और 40 डॉक्टर काम कर रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री कहा कि रास्ता साफ नहीं होने तक कुछ नहीं हो पाएगा, लेकिन इसमें जरूर कुछ है। इसकी जांच हो। उन्होंने कहा कि अभी भी तीन बोगी उसी तरह से पड़े हुए हैं। मृतकों की संख्या 500 भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि बंगाल सरकार हर संभव सहयोग करेगी। जो लोग घायल हुए हैं और यहां इलाज नहीं हो पा रहा है। बंगाल आने पर उनका इलाज करवाया जाएगा। बालासोर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई कोरोमंडल एक्सप्रेस में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजमुदार पहुंचे। बालासोर के फकीर मोहन मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अधिकतर घायलों को भर्ती किया गया है। इसके अलावा अन्य अस्पतालों में भी घायलों को रखा गया है। यहां पहुंचकर सुकांत मजूमदार ने घायलों से मुलाकात की और बातचीत की है। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार ने घायलों के इलाज के लिए दो लाख रुपए की वित्तीय मदद की घोषणा की है। निश्चित तौर पर सभी घायलों के परिवारों को इसका लाभ मिले यह सुनिश्चित करने का काम भाजपा करेगी। उन्होंने बंगाल के कई लोगों से मिलकर पूछा कि चिकित्सकीय व्यवस्था में कोई कमी तो नहीं है। मजूमदार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व के साथ मिलकर डॉक्टरों से भी बात की है और घायलों को बेहतर चिकित्सा के लिए अनुरोध किया है। इधर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर शुक्रवार रात दुर्घटना के तुरंत बाद राज्य के मंत्री मानस भुइयां और सांसद डोला सेन भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। इन्होंने भी घायलों से मुलाकात की है और चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना में राहत और बचाव के लिए भारतीय सेना के साथ वायु सेना भी मैदान में उतर गई है। इसके साथ ही मौके पर मौजूद वायुसेना के अधिकारी स्थानीय नागरिक प्रशासन और भारतीय रेलवे के साथ लगातार समन्वय बनाकर राहत और बचाव कार्य कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के पूर्वी कमान के प्रवक्ता हिमांशु तिवारी ने अमर उजाला को बताया कि वायुसेना ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर को राहत और बचाव के लिए उतारा है। भारतीय थल सेना की चार कंपनियां भी दुर्घटना स्थल पर मौजूद हैं और राहत तथा बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। ओडिशा सरकार की ओर से रक्षा मंत्रालय से सेना की तैनाती का अनुरोध किया गया था जिसके बाद पूर्वी कमान से जवानों को दुर्घटना स्थल पर लाया गया है।

कामरूप मेट्रो में ...

अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। आधिकारिक नोटिस के अनुसार, एलपी स्कूलों के लिए स्कूल का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक है। एमई स्कूलों के लिए, कक्षाएं सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और एचएस स्कूलों के लिए कक्षाएं सुबह 7:30 बजे से शुरू होंगी और दोपहर 1:00 बजे तक चलेंगी। नोटिस ने आगे स्कूल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कक्षा के अंदर या छायांकित क्षेत्रों में सुबह की सभा आयोजित करें।

कुकी उग्रवादियों ...

संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने दो गांवों में फायरिंक की जिसमें कम से कम 15 लोग घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी घायलों को इंफाल के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। पुलिस के शीर्ष सूत्रों ने ग्रामीणों के हवाले से बताया कि बड़ी संख्या में कुकी उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों के साथ कांगचुप तलहटी के अबुलोक इलाके में दाखिल हुए। उन्होंने पहले वहां नागरिकों के घरों को जलाने की कोशिश की। जब ग्रामीणों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो हथियारबंद उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन एक जून को इंफाल में प्रेस कांफ्रेंस में कुकी उग्रवादियों को नियमों का उल्लंघन नहीं करने की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में कथित कुकी उग्रवादियों ने नागरिकों पर गोलीबारी की ताज़ा घटनाओं को अंजाम दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उग्रवादियों ने संबंधित दो गांवों पर जब हमला किया तो सेना, बीएसएफ, असम राइफल्स और राज्य पुलिस की टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हमलावरों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। नतीजतन उग्रवादी मौके से फरार होने के लिए मजबूर हो गए। राज्य पुलिस के शीर्ष सूत्रों ने कहा कि स्निफर डॉग के साथ एक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, किसी की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं है। इस बीच, सेकमाई विधायक हेखम डिंगो ने कहा कि कुछ संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने इंफाल पश्चिम जिले के कांगचुप फाएंग और चिंगखोंग गांवों में आम लोगों पर हमला किया और अशांति पैदा की। उन्होंने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। विभिन्न स्थानों पर हुई गोलीबारी में कई नागरिक घायल हो गए। उन्होंने कुकी उग्रवादियों से ऐसी हिंसक एं आगजनी की गतिविधियों को रोकने की भी अपील की।

सीएम ने कॉलेजों और ...

हैं, जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली में क्रांति लाना है। जीयू-एफवाईयूजीपी कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर और गौहाटी विश्वविद्यालय के सभी संबद्ध कॉलेजों में लागू किया जाएगा। नए कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहले ही इस मामले पर चर्चा कर ली है और विभिन्न समितियों और मंचों से अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में अकादमिक परिषद ने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूजीपी) के लिए पाठ्यक्रम को भी मंजूरी दी। गौहाटी विश्वविद्यालय के एफवाईयूजीपी के विनियम, एनईपी 2020 के अनुरूप, कई प्रविष्टियों/निकास के लिए विकल्प प्रदान करते हैं, जिसमें एक प्रमाण पत्र या एक डिप्लोमा या डिग्री के साथ या एक प्रमुख या एक डिग्री (ऑनर्स) या एक डिग्री (ऑनर्स) के बिना शोध के साथ शामिल है।

कॉलेज चुनाव भविष्य...

उपस्थिति में छात्रों के बीच खुली बहस होनी चाहिए। उन्हें शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर बहस करनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि वह असम के कुछ उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रावासों के आंतरिक वातावरण को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। पिछले साल के डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के मामले का जिक्र करते हुए, जहां एक छात्र कथित रैगिंग के बाद दूसरी मंजिल से कूद गया, शर्मा ने कहा कि वह अभी भी परेशान महसूस करता है। असम के मुख्यमंत्री और माता-पिता के रूप में, मैं कह रहा हूं कि मैं इन घटनाओं के बारे में गहराई से चिंतित हूं। असम में कुछ उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रावासों में माहौल अच्छा नहीं है और हम इसे सुधारने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कॉटन कॉलेज (अब कॉटन यूनिवर्सिटी) में अपने दिनों को याद करते हुए, शर्मा ने कहा कि छात्रों के लिए शाम 7 बजे के बाद बाहर रहना कठिन था और अगर वे कुछ भी असामान्य करते हैं तो उन्हें वरिष्ठों को जवाब देना पड़ता था। एक सकारात्मक संस्कृति थी, छात्र नियम बनाते थे और वे छात्रों के बड़े हित के लिए उन्हें लागू करते थे। हम नियमों का पालन करते थे और इससे हमें अनुशासन में जीवन जीने में मदद मिली। हाल के दिनों में, असम में छात्रों पर अत्याचार और हमले के कई मामले सामने आए हैं। इस साल की शुरुआत में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), सिलचर के दो छात्रों को 18 सीनियर्स ने कथित तौर पर पीटा था। प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) 18 चौथे वर्ष के छात्रों के खिलाफ दर्ज की गई थी और एनआईटी सिलचर के अधिकारियों ने बाद में अधिकांश आरोपी छात्रों को निलंबित कर दिया था। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय मामले में, कई छात्रों को निलंबित कर दिया गया और मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

ज्ञानवापी : मुख्य पैरोकार ...

मुकदमा दर्ज कराने वाली संस्था विश्व वैदिक सनातन संघ प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन ने ज्ञानवापी समेत मथुरा में दर्ज कराए मामलों से खुद के परिजनों को हटाने का एलान किया है। जितेंद्र सिंह बिसेन की भतीजी राखी सिंह चर्चित श्रृंगार गौरी नियमित दर्शन मामले में मुख्य पैरोकार हैं। विश्व वैदिक सनातन संघ प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन ने कहा कि यह समाज केवल धर्म के नाम पर नौटंकी करके समाज को भ्रमित करने वालों के साथ है। अपना सर्वस्व न्योछावर करके देश और समाज की रक्षा का कार्य करने वाला अपने ही समाज के द्वारा उपेक्षित और अपमानित किया जाता है। जितेंद्र सिंह बिसेन ने बताया कि विभिन्न कोर्ट में काफी मुकदमे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हमारी ओर से चलाए जा रहे हैं। इसमें मथुरा, काशी, कुतुब मीनार, सहित अनेकों मामले हैं। सभी मामलों की पैरवी हम छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा भी केवल हमें ही प्रताड़ित करने का काम किया गया है। ऐसे में शक्ति और सामर्थ्य सीमित होने की वजह से इस धर्म युद्ध को मैं अब और नहीं लड़ सकता। इस धर्म युद्ध को शुरू करके शायद मैंने अपने जीवन में सबसे बड़ी गलती करी थी। उधर, शनिवार को ही जितेंद्र सिंह के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने भी खुद को सभी मुकदमों से अलग करने का एलान कर दिया।

पीएम हर जगह ...

मतभेदों के बावजूद वे मेरे भी प्रधानमंत्री हैं। पित्रोदा ने एक साक्षात्कार में कहा कि उनका स्वागत हो रहा है क्योंकि वे भारत के प्रधानमंत्री हैं। इसलिए नहीं कि वे भाजपा के प्रधानमंत्री हैं। इन दो चीजों को अलग रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1.5 अरब की आबादी वाले देश के प्रधानमंत्री हर जगह सम्मान के हकदार हैं और मुझे इस पर गर्व है। मैं इसे लेकर नकारात्मक नहीं हूं। राष्ट्रपति जो बाइडन 22 जून को प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा की मेजबानी करेंगे, जिसमें राजकीय रात्रिभोज भी शामिल होगा। सैम पित्रोदा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पित्रोदा ने ही राहुल गांधी के अमेरिका दौरे की पूरी जिम्मेदारी संभाल रखी है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

मुख से क्या वन्दन करूँ, उर जानत तुम नाथ।
फिर जन दर्शन दीजिये, आरत दीन सनाथ॥ 13॥

शब्दार्थ : (वन्दन) विनती, नमस्कार (आरत) दु:खी (सनाथ) स्वामीयुक्त।

भाष्य : मुख से आपकी क्या विनती करूं ? हे नाथ ! आप मेरे हृदय के सब भावों जानत हैं, मुझे फिर आ कर दर्शन दीजिए कि मैं आर्त एवं दीन सेवक सनाथ हो जाऊं।

जग में शिष्य अनेक हैं, आप शिष्य मैं एक।
मन वच काया शरण हूँ, दर्शन यह मन टेक॥ 14॥

शब्दार्थ : (शिष्य) ब्रह्मविद्या-बोध से दीक्षित अनुयायी (टेक) प्रतिज्ञा, संकल्प।

भाष्य : हे गुरुदेव ! आप के संसार में अनेक शिष्य हैं और उसमें आप का मैं एक शिष्य हूं। मन, वच एवं काया से आप की शरण हूं। आप का दर्शन फिर हो, यही मन में सत्य इच्छा अर्थात संकल्प है।

एसएसबी ने भारी मात्रा में जब्त किया इमारती लकड़ी

कोकराझाड़(हिंस/विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के कार्यवाहक कमांडेंट लोकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सीमा चौकी सोनापुर के जवानों ने भारी मात्रा में इमारती लकड़ी जब्त किया है। एसएसबी सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात सोनापुर, टुकराबस्ती एसएसबी की टीम एवं वन विभाग रुनीखाता के कर्मचारियों ने मिलकर अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा के पीलर संख्या 164/1 से लगभग 12.5 किमी नजदीक उदालगुड़ी के जंगलों में अभियान चलाया। अभियान के दौरान आज सुबह करीबन 3.30 बजे उदालगुड़ी जंगल में एक टाटा पिकअप पर लदे (रिपोर्ट के अनुसार 200 सीएफटी) लकड़ी को जब्त किया गया। हालांकि, सुरक्षा बलों को देखकर पिकअप चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गया। एसएसबी के द्वारा आस-पास के जंगलों में पिकअप चालक (वन अपराधियों) की तलाश की गई, लेकिन उनकी पता नहीं चल पाया। मौके से भारी मात्रा में इमारती लकड़ी एवं टाटा पिकअप को एसएसबी ने जब्त कर वन विभाग को सौंप दिया।

जिसकी अनुमानित कीमत टाटा पिकअप सहित लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है। वन विभाग ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

पूप्रमायुमं ने ओडिशा ट्रेन हादसे पर अपनी संवेदनाएं प्रकट की

होजाई (निसं)। ओडिशा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को हुए भयावह ट्रेन दुर्घटना को लेकर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष पंकज जालान सहित सभी सदस्यों ने गहरी संवेदनाएं प्रकट की । पूप्रमायुमं ने सभी दिवंगत आत्माओं की सद्गति हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की एवं सभी घायलों का जल्द स्वस्थ लाभ हों ऐसी कामना की। उक्त आशय की जानकारी पूप्रमायुमं के जनसंपर्क विभाग के समन्वयक निखिल कुमार मुंदडा न एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। गौरतलब है, ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसे में 280 से अधिक लोगों की मौत हुई, जबकि 900 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। ट्रेन हादसा इतना भयानक था कि कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन के कई कोच तबाह हो गए। एक इंजन तो मालगाड़ी के रैक पर ही चढ़ गया। पूप्रमायुमं ने हादसे मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कछार जिला स्वास्थ्य समिति ने मनाया विश्व साइकिल दिवस

कछार (हिंस)। कछार जिला स्वास्थ्य समिति की पहल पर आज जिला मुख्यालय शहर सिलचर में विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। इस मौके पर सिलचर में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य के लिए साइकिल थीम के साथ रैली शनिवार की सुबह 8 बजे संयुक्त निदेशक (स्वास्थ्य सेवा) के कार्यालय से शुरू हुई और सतींद्र मोहन देव सिविल अस्पताल पर समाप्त हुई। रैली में कछार कॉलेज के एनसीसी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कछार जिला स्वास्थ्य सोसाइटी, डीएमई डॉ. गुलबहार राज, एफएलसी मौसमी भौमिक, डीपीसी पियाली चक्रवर्ती एवं एसीसीएफ के अभिजीत भट्टाचार्य ने संयुक्त रूप से रैली का आयोजन किया।

चाय बागान क्षेत्र एवं आदिवासी समुदाय के छात्रों की परीक्षा कोचिंग के लिए आवेदन आमंत्रित

हैलाकांदी (हिंस)। राज्य के ट्राइबल वेलफेयर निदेशालय ने चाय बागान क्षेत्र के विद्यार्थियों और आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कोचिंग शुल्क का 90 प्रतिशत सरकार और 10 प्रतिशत संबंधित छात्र द्वारा वहन किया जाएगा। इस योजना की गाइडलाइन वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। हैलाकांदी के अनुविभागीय कल्याण अधिकारी ने एक अधिसूचना में कहा कि इस संबंध में ऑनलाइन पोर्टल पर 25 जून तक आवेदन जमा किया जा सकता है। उक्त पैनलबद्ध संस्था के माध्यम से चाय बागान एवं जनजातीय समुदायों के विद्यार्थियों को सिविल सेवा, एसएससी, बैंकिंग, इंजीनियरिंग प्रवेश एवं चिकित्सा प्रवेश परीक्षा की कोचिंग प्रदान की जाएगी।

ओडिशा ट्रेन दुर्घटना असम भाजपा ने रद्द किए कई कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। ओडिशा ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज होने वाले अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। भाजपा के मीडिया सेल ने यह जानकारी दी। इस वजह से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता के प्रदेश मुख्यालय में होने वाले संवाददाता सम्मेलन को रद्द कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी सांगठनिक सभा में पदाधिकारियों को संबोधित नहीं करेंगे।

कामरूप ग्रामीण समेत सभी स्कूलों में बदला पढ़ाई का समय

रंगिया/अमीनगंव (विभास)। पिछले कुछ दिनों से बढ़ते तापमान को कामरूप जिले के छात्रों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से कामरूप जिले की उपायुक्त ने शनिवार को एक आदेश जारी किया कर स्कूलों की पढ़ाई के समय में बदलाव किया है ताकि छात्रों को स्कूल समय के दौरान उच्च तापमान का सामना करना न पड़े। इस आदेश के अनुसार आगामी 5 जून से कामरूप जिला के अंतर्गत सभी सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों की पढ़ाई का समय अंग्रेजी स्कूल प्रात: 7.30 बजे से 1.15 बजे तक और हायर और सेकेंडरी स्कूल सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1. 55 बजे तक खुलेंगे। यह आदेश अगले आदेश जारी होने तक प्रभावी रहेगा। वहीं असम के नागांव जिला प्रशासन ने एक आदेश जारी किया है और बढ़ते तापमान के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से सभी शैक्षणिक संस्थानों (सरकारी और निजी) की कक्षाओं के समय को तत्काल प्रभाव से सुबह साढ़े सात बजे से पुनर्निर्धारित किया है। उल्लेखनीय है कि पारा के लगातार चढ़ने से पूरा प्रदेश झुलस रहा है।

1 घंटे पहले कर दिया गया है। संशोधित समय के अनुसार प्राईमरी स्कूल प्रात: 7.30 बजे से 11.30 बजे तक, मध्य निजी) की कक्षाओं के समय को सुबह 7 से 30 बजे तक पुनर्निर्धारित किया है। पारा लगातार चढ़ने, भीषण गर्मी और छात्रों के स्वास्थ्य को देखते हुए यह आदेश आया है। अधिसूचना में कहा गया है कि 2 जून, 2023 को स्कूलों के निरीक्षक, एनडीसी, नागांव और डीईईओ नागांव से एक पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें नागांव जिले में पारा स्तर में लगातार वृद्धि और चिलचिलाती गर्मी के कारण स्कूल के सामान्य समय को स्थानांतरित करने के संबंध में है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए और जनता के हित में, नागांव जिले के तहत निम्नलिखित श्रेणियों के शैक्षिक संस्थानों (सरकारी और निजी) का समय फिर से निर्धारित किया जाता है । यह कहा कि एलपी स्कूलों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक, एमई स्कूलों का समय 7:30 से 12:45 बजे तक और एचएस और एचएस स्कूलों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक होगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होता है और अगले आदेश तक रहेगा।

समाजसेवी राईजुद्दीन सिकदार का निधन

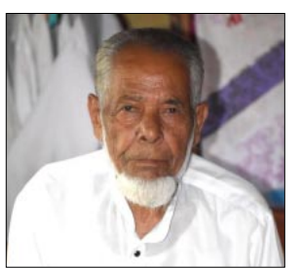

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बागबर निर्वाचन क्षेत्र के आलोपति में आज एक सामाजिक कार्यकर्ता की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि आलोपति मंडलपारा गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता राईजउद्दीन शिकदार (82) की उम्र अधिक होने के कारण अचानक तबीयत खराब हो गई और उन्होंने आज सुबह करीब 9-50 बजे मौत को गले लगा लिया। वह क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में निकटता से शामिल थे। अपनी मृत्यु के समय, वह अपनी पत्नी, छह बेटे, दो बेटियों, पोते और कई रिश्तेदारों को छोड़ गए।

तीन दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष

गुवाहाटी (विभास)। जूनियर चैंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएफएस एमके कार्थिकेयन अपने तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को गुवाहाटी पहुंचे। गुवाहाटी हवाई अड्डे पर जोन 25 द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर जोन 25 के अध्यक्ष जेसीआई सेन सीए विजय अग्रवाल, प्रोटोकॉल अधिकारी राहुल चमड़िया, जोन के पूर्व अध्यक्ष मनीष खाटुवाला, हर्ष झुनझुनवाला, राजेश गंगवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंकुर झुनझुनवाला सहित जोन के कई पदाधिकारी व जेसीआई के विभिन्न शाखा अध्यक्ष व अन्य सदस्यगण मौजूद थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने दौरे के पहले दिन कई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। जेसीआई कामरूप एलिट द्वारा चांगसारी में बच्चों के लिए उद्यान व बास्केट बॉल कोर्ट का अनावरण किया। उजान बाजार स्थित हरिजन कॉलोनी जिसे जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस ने गोद लिया और वहां रह रहे लोगों के लिए पानी की बोरिंग की गई, सोलर लाइट लगाने के अलावा बच्चों के लिए शिक्षा केंद्र का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया। तत्पश्चात शाम को जेसीआई बेलतला द्वारा शांतिपुर इलाके में सोलर लाइट लगाई गई, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया। इसके बाद मल्टी एलओ मीट में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कार्थिकेयन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मीट की अध्यक्षता जेएफएम ईशा गंगवाल ने की। इस दौरान मंच पर जोन 25 के अध्यक्ष श्री अग्रवाल, प्रोटोकॉल अधिकारी श्री चमड़िया के अलावा चारों रीजन के जोन उपाध्यक्ष, जोन सचिव व सभी एलओ उपस्थित थे। डीआईडी की विजेता आध्याश्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुती दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में विभिन्न एलओ ने विशेषाधिकार लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्तिकेयन ने अपने संबोधन में उपस्थित जेसीआई सदस्यों को प्रोत्साहित किया तथा सभी एलओ द्वारा किए गए सेवा कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन जेएफएस नेहा गुप्ता ने किया। जोन 25 की जोन डायरेक्टर (जनसंपर्क) नीता अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पहले दिन के कार्यक्रम को सफल बनाने में जेसीआई के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

असम के विश्वनाथ में भीषण गर्मी से बेहोश हुए स्कूली छात्र

विश्वनाथ चारालि। पूरे राज्य में भीषण गर्मी की लहर के रूप में, असम के विश्वनाथ में फखरुद्दीन अली अहमद हाई स्कूल के छात्र शनिवार को सुबह की प्रार्थना के दौरान बेहोश हो गए। सूत्रों के मुताबिक, सुबह की नमाज के दौरान तेज धूप सहन नहीं कर पाने के कारण छात्र बेहोश हो गए। छात्रों को कथित तौर पर विश्वनाथ घाट अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए विश्वनाथ चरियाली अनुमंडल सिविल अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक सभी छात्र फिलहाल खतरे से बाहर हैं। हालांकि, गर्म और उमस भरी जलवायु परिस्थितियों ने माता-पिता के बीच डर पैदा कर दिया है। इसी तरह की एक घटना में, तेजपुर के सोनितपुर जातीय विद्यालय के कम से कम 11 छात्र शुक्रवार को गर्मी सहन करने में असमर्थ अपनी कक्षाओं के अंदर बेहोश हो गए। खबरों के मुताबिक, कक्षा सातवीं और आठवीं के छात्रों ने बेचैनी की शिकायत की और दोपहर की कक्षा के दौरान बेहोश हो जाने के बाद स्थिति में अराजकता आ गई। बेहोश हुए सभी छात्रों को तेजपुर के गेट अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया। इस बीच, नागांव जिला प्रशासन ने एक आदेश जारी कर बढ़ते तापमान को देखते हुए सभी शिक्षण संस्थानों (सरकारी और निजी) की कक्षाओं के समय को तत्काल प्रभाव से सुबह साढ़े सात बजे से पुनर्निर्धारित किया है। उल्लेखनीय है कि पारा के लगातार चढ़ने से पूरा प्रदेश झुलस रहा है।

प्लास्टिक कचरा रिसाइकल और पुनरउपयोग पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के खेल एवं युवा मामले, पर्यावरण एवं वन मंत्री मामा नाटुंग ने प्लास्टिक कचरे को रिसाइकल और पुनरउपयोग पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को अपनी मानसिकता बदलनी होगी और प्लास्टिक मुक्त समाज के बारे में सोचना होगा। कार्यक्रम का आयोजन अरुणाचल प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शनिवार को इटानगर स्थित बैंक्वेट हॉल में किया गया था। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण की सुरक्षा दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है, दुनिया इस पर बहुत चिंतित है और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ अपने देश के विकास के लिए भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश सरकार भी अपनी घोषणा और एयर गन सरेंडर अभियान के माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण पर बहुत अधिक चिंता करते हुए काम कर रही है। उन्होंने विशेष रूप से प्लास्टिक कचरे को रिसाइकल और पुनरउपयोग (आरआरआर) पर काम करने के लिए मूल्यवान प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम प्रदान करने के लिए महिला आयोग की सराहना की। शिविर के दौरान कहा गया कि प्लास्टिक सबसे खतरनाक पर्यावरण प्रदूषित सामग्री में से एक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से हम राज्य के लोगों को जागरूक कर सकते हैं और हमें सरकार और अन्य एजेंसियों का निर्भर हुए बिना अपने आसपास की सफाई के लिए अपनी मानसिकता को बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें राज्य के कल्याण के लिए एक जिम्मेदार व्यक्ति बनना होगा और सामाजिक परिवर्तन में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयोजक द्वारा राज्य की राजधानी में प्लास्टिक रिसाइकल मशीन लगाने के प्रस्ताव के जवाब में मंत्री मामा नाटुंग ने आश्वासन दिया कि वह इस मामले को सरकार के सामने उठाएंगे। सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेते हुए गोरा ताल्लांग, पार्षद, इटानगर नगर पालिका ने बताया कि इटानगर नगर पालिका क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अथक रूप से काम कर रहा है और हम वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट के लिए दो क्षेत्रों का भी चयन करके उस पर काम कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने पांच ट्रेनों को किया रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने पांच ट्रेनों की सेवा को रद्द करने की आज घोषणा की है। पूसीरे सीपीआरओ सव्यसाची दे ने आज एक बयान में बताया है कि दक्षिण पूर्व रेलवे के अधीन खड़गपुर और भद्रक सेक्शन के बीच 12841 (शालिमार-चेन्नई सेंट्रल) कोरोमंडल एक्सप्रेस के बेपटरी होने पर निम्नलिखित ट्रेनों को रद्द किया गया है। रद्द ट्रेनों में मुख्य रूप से 6 जून को चलने वाली ट्रेन संख्या 12510 (गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु) एक्सप्रेस, 7 जून को चलने वाली ट्रेन संख्या 12552 (कामाख्या-एसएमवीटी बेंगलुरु) एक्सप्रेस, 03 जून को चलने वाली ट्रेन संख्या 06074 (रंगापाड़ा नॉर्थ-ईरोड जंक्शन) स्पेशल, 03 जून को चलने वाली ट्रेन संख्या 22504 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) विवेक एक्सप्रेस और 03 जून को चलने वाली ट्रेन संख्या 22512 (कामाख्या-लोकमान्य तिलक टर्मिनस) कर्मभूमि एक्सप्रेस शामिल हैं।

डिब्रूगढ़ और सिकंदराबाद के बीच समर स्पेशल ट्रेन की सेवा बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने डिब्रूगढ़ और सिकंदराबाद के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन की सेवा को दोनों दिशाओं में चार और अधिक फेरों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन अपने मौजूदा समय और ठहराव के साथ चलेगी। पूसीरे के सीपीआरओ सव्यसाची दे ने आज बताया है कि ट्रेन सं. 07046 (सिकंदराबाद-डिब्रूगढ़) स्पेशल 05 से 26 जून तक प्रत्येक सोमवार को सिकंदराबाद से 11:00 बजे रवाना होकर बुधवार को डिब्रूगढ़ 20:50 बजे पहुंचेगी।

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing non-refundable Court fee stamp of Rs.8.25p (Rupees eight and twenty five paisa) only are hereby invited from the registered firm/suppliers for supply of O.E articles and Misc. articles during the Financial Year 2023-24 under the terms and conditions stated below

Sl. No.	Name of activity	Estd. Value in Rs. (Lakh)	EMD/Bid Secrurity (in Rs.)	Tender Fees (in Rs.)	Last date & time of bid submission	Date & time of bid opening
1	Supply of Stationer articles and items	Rs. 3.71 L	2500	250	14/06/2023 at 3.00 P.M.	15/06/2023 at 12.00 A.M.
2	Computer and consumable items	Rs. 4.95 L	2500	250	-Do-	-Do-
3	Electrical Items	Rs. 4.80 L	2500	250	-Do-	-Do-
4	Misc. Items	Rs. 3.50 L	2500	250	-Do-	-Do-

The Tender documents can be seen/obtained from O/o the Superintendent of Police, Diphu, Karbi Anglong from Dated :- 03/06/2023 to14 /06/2023. The bid will be opened in, the office of the undersigned as per the schedule mentioned above.

The bidders are expected to examine all the instructions, formats terms & conditions and specifications as given in the bidding documents and accordingly prepare the bid. Failure in the part of the bidder to furnish all required information and document in the bid will be at own risk and may result in rejection of the bid.

Superintendent of Police,
Karbi Anglong District
Diphu :: Assam

-- Janasanyog /C/3826/ 23

पूरी दुनिया का लोकहित भारतीय लोकतंत्र से जुड़ा है, इसमें बिखराव का असर विश्व पर पड़ेगा : राहुल गांधी

वांशिंगटन, (हि.स.)। भारत के लोकतंत्र से पूरी दुनिया का लोकहित जुड़ा है और यदि उसमें बिखराव होता है तो इसका असर पूरे विश्व पर पड़ेगा तथा यह अमेरिका के भी हित में नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र देश का आंतरिक मामला है। राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार को नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत में लोकतंत्र के लिए लड़ाई लड़ना हमारा काम है और यह एक ऐसी चीज है, जिसे हम समझते हैं, जिसे हम स्वीकार करते हैं और हम ऐसा कर रहे हैं लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि भारतीय लोकतंत्र पूरी दुनिया की भलाई के लिए है। भारत इतना बड़ा है कि यदि भारत के लोकतंत्र में बिखराव पैदा होता है तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसलिए यह आपको सोचना है कि भारतीय लोकतंत्र को आपको कितना महत्व देना है लेकिन हमारे लिए यह एक आंतरिक मामला है और हम इस लड़ाई को लडने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम जीतेंगे। उन्होंने भारतीय अमेरिकी फ्रैंक इस्लाम द्वारा पूछे गए लोकतंत्र संबंधी सवालों पर जवाब दिया। गांधी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत और अमेरिका के संबंधों को विस्तार देने की

आवश्यकता है और ये केवल रक्षा संबंधों तक ही सीमित नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अपने हितों के अनुसार काम करना होगा। और यही (सोच) हमारा मार्गदर्शन करेगी। इसलिए मैं उस निरंकुश सोच को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं, जिसे बढ़ावा दिया जा रहा है। मेरा मानना है कि ग्रह पर लोकतंत्र की रक्षा करना बहुत जरूरी है। इसमें भारत की भूमिका है। निश्चित रूप से चीजों को लेकर भारत का अपना नजरिया है और मुझे लगता है कि उस नजरिए को पटल पर रखा जाना चाहिए, लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी को इन बातों को चीजों का केंद्र समझना चाहिए। मुझे लगता है कि ऐसा करना अहंकार होगा। राहुल ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, हमें पता है कि हमारी ताकत क्या है: लोकतांत्रिक मूल्य, डेटा, प्रौद्योगिकी और बहुत पढ़ी लिखी एवं प्रौद्योगिकी के स्तर पर शिक्षित जनसंख्या ऐसी कुछ चीजें हैं। ये हमारी ताकत हैं। मुझे लगता है कि हमें इनके आधार पर अपना रास्ता बनाना चाहिए। उन्होंने नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया से संवाद के दौरान कहा कि अमेरिका और भारत यदि एक साथ आ जाते हैं, तो वे बहुत शक्तिशाली बन सकते हैं। हम दुनिया को लेकर एक विशेष सोच का सामना कर रहे हैं, वह सोच दुनिया को लेकर चीनी नजरिया है, जो उत्पादकता एवं समृद्धि की बात करता है, लेकिन एक कम लोकतांत्रिक व्यवस्था में। गांधी ने कहा कि हमारे लिए यह अस्वीकार्य है, क्योंकि हम गैर लोकतांत्रिक व्यवस्था में फल-फूल नहीं सकते, इसलिए हमें लोकतांत्रिक व्यवस्था में उपयोगी उत्पादन एवं समृद्धि के बारे में सोचना होगा और मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में भारत और अमेरिका के बीच एक पुल हमारे और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह पूछे जाने पर कि यदि कांग्रेस सत्ता में लौटती है, तो क्या वह भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित करेगी, गांधी ने कहा, भारत में पहले ही मजबूत प्रणाली है। यह प्रणाली कमजोर कर दी गई है, लेकिन ऐसा नहीं है कि यह प्रणाली है ही नहीं। यदि लोकतांत्रिक बातचीत को बढ़ावा दिया जाता है, तो ये मुद्दे अपने आप सुलझ जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारे नजरिए से भारत में लोकतंत्र की नींव बहुत मजबूत है।

दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम राहत के बाद बीमार पत्नी से मिलने अपने आवास पहुंचे सिसोदिया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत मिलने के बाद बीमार पत्नी से मिलने के लिए शनिवार को तिहाड़ जेल से अपने आवास पहुंचे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) नेता सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी थी। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने तिहाड़ जेल अधीक्षक को सिसोदिया को उनके आवास पर ले जाने का निर्देश दिया था, जहां उन्हें सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई है। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सिसोदिया को सुरक्षा घेरे में सुबह करीब नौ बजे उनके आवास पर ले जाया गया। उन्हें शाम पांच बजे वापस जेल आना होगा। सिसोदिया

को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 26 फरवरी को आबकारी घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था और वह तब से हिरासत में हैं। उच्च न्यायालय ने 30 मई को सीबीआई के मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। सिसोदिया को नौ मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि पत्नी से मुलाकात के लिए जेल से बाहर आने के दौरान सिसोदिया मीडियाकर्मियों से या अपने परिवार से इतर किसी अन्य व्यक्ति से बात नहीं करेंगे और वह फोन या इंटरनेट का इस्तेमाल भी नहीं करेंगे।

जो श्रीराम पूरे विश्व को मार्ग दिखाते हैं उन्हें एक वनवासी माता शबरी ने मार्ग दिखाया : कुमार विश्वास

रायपुर/रायगढ़, (हि.स.)। जो श्रीराम पूरे विश्व को ज्ञान का मार्ग बताते हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ में रहने वाली वनवासी माता शबरी ने ज्ञान का मार्ग दिखाया। शबरी ने ही उन्हें कहा कि पंपा सरोवर जाएं और सुग्रीव से मिलें। रामकथा के प्रस्तोता तथा प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने यह बात 'शनिवार को कही। विश्वास राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने रायगढ़ पहुंचे हुए हैं। श्री विश्वास ने कहा कि, यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य है कि यहां श्रीराम के चरणों की धूलि पड़ी। श्री विश्वास ने कहा कि भगवान श्री राम विश्व मंगल, लोक मंगल और समरस शासन की सबसे बड़ी अवधारणा हैं। 1932 में महात्मा गांधी ने नव जीवन अखबार में रामराज्य और भारत पर अपने विचार लिखे थे। मैं बरसों से छत्तीसगढ़ आ रहा हूं। छत्तीसगढ़ में श्री राम के वनगमनपथ के विकास के संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर बात हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश तथा संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत से इस संबंध में चर्चा होती है। मुख्यमंत्री जी को रामवनपथगमन के विकास और राष्ट्रीय स्तर पर इस सुंदर आयोजन के लिए मैं धन्यवाद देता हूँ। रामकथा को लेकर, उनके पुण्यस्थलों को सहेजने को लेकर बहुत अच्छा काम हो रहा है। श्री विश्वास ने कहा कि वह उन सभी जगहों पर जाना चाहेंगे, जहां से श्रीराम के चरण पड़े। मैं उस मार्ग का विचरण करना चाहता हूं जहां से राघवेंद्र सरकार गुजरे तथा उनकी चरण धूलि लेना चाहता हूं। विश्वास ने कहा कि आज अरण्यकांड पर मेरी प्रस्तुति होगी, जब श्री राम छत्तीसगढ़ में वनवास में आए होंगे। उस समय यहां सघन वन रहा होगा। उस समय जनजातियों से उनके आत्मीय संवाद हुए। श्रीराम ने हमें बताया कि यहां के वनवासी कितने सरल हैं। कितने आत्मीय हैं और हमेशा सत्य के साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी विशेष इच्छा माता कौशल्या एवं माता शबरी पर केंद्रित व्याख्यान करने की है। माता कौशल्या जिन्होंने अपने पुत्र को लोक कल्याण के लिए वन भेज दिया। इसके लिए बहुत बड़ा दिल चाहिए।

कोलकाता पहुंचे बॉलीवुड निर्देशक मधुर भंडारकर, दक्षिणेश्वर में की मां काली की आराधना

कोलकाता, (हि.स.)। बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर मधुर भंडारकर शनिवार सुबह कोलकाता पहुंचे। यहां उन्होंने दक्षिणेश्वर मंदिर में जाकर भगवती काली की पूजा अर्चना की। उनके साथ "एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी" के निर्देशक अमित अग्रवाल भी मौजूद थे। पूजा के बाद उन्होंने मंदिर के बाहर तस्वीरें भी खिंचवाईं। उसके बाद दोनों शहर के एक रेस्टोरेंट में बंगाली व्यंजनों का लुत्फ लेते दिखे। उल्लेखनीय है कि मधुर 'पेज थ्री', 'फैशन' जैसी फिल्में

बना चुके हैं। उन्होंने बॉलीवुड के वैभव के पीछे की विभिन्न घटनाओं को पर्दे पर उतारा। मधुर भंडारकर का कोलकाता दौरा किसी फिल्म के सिलसिले में नहीं बल्कि व्यक्तिगत बताया गया है।

ओडिशा रेल हादसे पर विश्व के अनेक देशों के नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व के अनेक देशों के नेताओं ने ओडिशा के बालासोर में हुई भीषण रेल दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है तथा भारत के लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे एक शोक संदेश में कहा कि ओडिशा राज्य में रेल दुर्घटना में कई कीमती जानों के नुकसान और घायलों के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है। जापान सरकार और उसके लोगों की ओर से, मैं उन लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने अपने प्राण गंवाये और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी प्रार्थना करता हूं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्वीट संदेश में कहा, भारत में एक ट्रेन दुर्घटना में सैकड़ों लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ। मैं इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने ट्वीट किया, 'आज भारत के ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना में दर्जनों लोगों की मौत से दुखी हूं। मैं इस दुख की घड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, सरकार और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ट्वीट किया, ओडिशा, भारत में ट्रेन दुर्घटना की तस्वीरें और रिपोर्ट मेरा दिल तोड़ देती हैं। मैं उन लोगों के लिए अपनी गहरी संवेदना भेज रहा हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, और मैं घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। इस कठिन समय में कनाडा के लोग भारत के लोगों के साथ खड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी ने भी दुखद रेल दुर्घटना पर परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इसके अलावा भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग, श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी, इटली के उपप्रधान मंत्री और विदेश मामलों के मंत्री एंटोनियो ताजानी ने भी ट्रेन त्रासदी पर शोक व्यक्त किया।

रेलमंत्री के सामने ममता ने कहा: एंटी कॉलिजन सिस्टम होता तो दुर्घटना नहीं होती, भाजपा ने कहा- लाशों पर राजनीति ममता की आदत

भुवनेश्वर/ कोलकाता, (हि.स.)। ओडिशा के बालासोर के पास तीन ट्रेनों के एक-दूसरे से टकराने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की मौत को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। दुर्घटनास्थल पर पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ खड़े होकर रेलवे सुरक्षा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने एंटी कॉलिजन सिस्टम का जिक्र करते हुए कहा कि अगर इन ट्रेनों में एंटी कॉलिजन सिस्टम लगा होता तो शायद यह दुर्घटना नहीं होती। ममता ने कहा कि जब वह रेल मंत्री थीं तो उन्होंने मडगांव जाकर एंटी कॉलिजन सिस्टम को समझा था और ट्रेनों में लगवाया था। उसके बाद से रेल दुर्घटनाएं कम हो गई थीं। यह ऐसा सिस्टम होता है जिसमें दो ट्रेनें आमने-सामने होने पर अपने आप रुक जाती हैं। ममता ने कहा कि यह 21वीं सदी की सबसे बड़ी दुर्घटना है क्योंकि इसके पहले 1981 में ऐसी ही बड़ी दुर्घटना बिहार में हुई थी। रेल मंत्री की ओर देखते हुए ममता ने कहा कि एंटी कॉलिजन सिस्टम लगा होता तो इतने लोगों की जान नहीं जाती। हालांकि रेलमंत्री ममता की बातों को सुनते रहे लेकिन भद्रता दिखाते हुए उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। ममता बनर्जी के इस बयान को लेकर भाजपा ने उन पर सवाल खड़ा किया है। बंगाल भाजपा के नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि लाशों पर राजनीति करना ममता बनर्जी की आदत है। बंगाल में उन्होंने हर जगह गंदगी फैला रखी है और अब ओडिशा में जब बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है, अनगिनत परिवार दुख में हैं, लोग रो

बिलख रहे हैं तब वहां जाकर वह भ्रम फैला रही हैं। वह बेबुनियादी बातें कर रही हैं। सिन्हा ने कहा कि एक अच्छे राजनेता के तौर पर उन्हें वहां राहत और बचाव में मददगार बनना चाहिए ना कि ऐसी बातें करके चीजों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश करनी चाहिए। जब तक जांच नहीं होगी तब तक स्पष्ट नहीं होगा कि कैसे दुर्घटना हुई है। ऐसे में बिना जाने आधारहीन बातें करके वह लाशों पर राजनीति करने की अपनी पुरानी आदत दोहरा रही हैं। राहुल सिन्हा ने कहा कि रेलमंत्री ने भद्रता दिखाई और ममता बनर्जी को वहां कोई जवाब नहीं दिया। भाजपा का कोई भी नेता ममता की तरह अभद्र नहीं है कि ऐसे मामलों पर राजनीति करे और उनके बराबर के स्तर में नीचे गिरे।

ममता के पूर्व सहयोगी ने भी उठाए सवाल - इसके अलावा ममता बनर्जी के बयान पर उनके पूर्व सहयोगी रहे पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि एंटी कॉलिजन सिस्टम तब काम करता है जब एक ही पटरी पर दो ट्रेनें आमने-सामने से आती हैं। इस मामले में तो एक ट्रेन बेपटरी होकर उतर गई है और उसके डब्बे आसपास की पटरियों पर छिटक गए हैं। जाहिर सी बात है जब डब्बे गिरेंगे तो बगल में खड़ी मालगाड़ी से भी टकराए और उसी समय तुरंत बगल से गुजर रही दूसरी ट्रेन भी उसकी चपेट में आ गए हैं। ऐसे में एंटी कॉलेयिजन सिस्टम बहुत अधिक काम नहीं करता। त्रिवेदी ने कहा कि जब तक जांच नहीं होगी तब तक स्पष्ट नहीं होगी कि दुर्घटना का कारण क्या है लेकिन एंटी कॉलिजन सिस्टम की बात करके इसे गुमराह करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

स्वर्ण मंदिर के पास बम की अफवाह, अलर्ट हुई पुलिस

अमृतसर (ईएमएस)। शनिवार को स्वर्ण मंदिर के पास बम की झूठी कॉल आने से पंजाब पुलिस अलर्ट हो गई और तुरंत बम निष्क्रिय करने वाले एक दस्ते को मौके पर भेजा गया। भारतीय सेना के ऑपरेशन ब्लूस्टार की 39वीं बरसी से कुछ ही दिन पहले यह धमकी मिली है। पुलिस को फोन करने के आरोप में तीन बच्चों सहित चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस को रात करीब एक बजे स्वर्ण मंदिर के पास चार बम रखे जाने की सूचना मिली। ऑपरेशन ब्लूस्टार स्वर्ण मंदिर परिसर में छिपे जरनैल सिंह भिंडरावाले के नेतृत्व वाले उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आदेशित एक सैन्य कार्रवाई थी। ऑपरेशन 1 और 8 जून 1984 के बीच किया गया था। इसमें कई लोगों की जान गई थी और स्वर्ण मंदिर तथा मंदिर परिसर भी क्षतिग्रस्त हो गया था। बता दें कि आगामी 6 जून को पड़ने वाले ऑपरेशन ब्लूस्टार की वर्षगांठ को ध्यान में रखते हुए, पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस दल सभी 28 पुलिस जिलों में जनता के बीच विश्वास जगाने के उपाय के रूप में संवेदनशील और कमजोर क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर रहे हैं। विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि पुलिस आयुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस टीमों ने फ्लैग मार्च के दौरान 368 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा भी है।

दिल्ली दंगे के दोषी पिता-पुत्र को कोर्ट ने सुनाई सजा

अजय कुमार

दिल्ली। साल 2020 में दिल्ली में हुए दंगों पर कोर्ट ने पिता-पुत्र को सजा सुनाई है। कड़कड़डुमा कोर्ट ने पिता को 3 साल और बेटे को 7 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने दोनों पर सख्त टिप्पणियां भी की हैं। जानकारी के अनुसार, कड़कड़डुमा कोर्ट ने मिठन सिंह और उसके बेटे जॉनी कुमार को दोषी करार देने के बाद सजा का ऐलान किया है। कोर्ट ने आईपीसी की धारा-436 के तहत दोषी जॉनी कुमार को सात साल सश्रम कारावास और दोषी मिठन सिंह को तीन साल की सजा सुनाई। कड़कड़डुमा कोर्ट ने सजा सुनाए जाने के दौरान सख्त टिप्पणियां की और कहा कि पिता ने बेटे को सही रास्ता दिखाने के बजाय खुद भयावह कृत्य किया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि सांप्रदायिक दंगे लोक

अव्यवस्था का सबसे हिंसक प्रारूप हैं जो समाज को प्रभावित करता है। सांप्रदायिक दंगा बड़ा खतरा है। यह हमारे देश के नागरिकों के बीच बंधुत्व की भावना के लिए एक गंभीर खतरा है।

कोर्ट ने कहा कि सांप्रदायिक दंगों से न केवल जीवन और संपत्ति का नुकसान होता है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी बहुत नुकसान होता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला की अदालत ने मिठन सिंह और उसके बेटे जॉनी कुमार को धारा- 147 (दंगा करना) और धारा-436 (गृह आदि को नष्ट करने के आशय से अग्नि या विस्फोटक पदार्थ का दुरुपयोग) के तहत दोषी करार दिया था। दंगों से जुड़े मामले में खजूरी खास पुलिस ने मिठन सिंह और उसके बेटे जॉनी कुमार के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को 350 से ज्यादा सीटे मिलेंगी : प्रकाश जावड़ेकर

पुणे (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि उनकी पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 350 से अधिक सीटें मिलेंगी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संयुक्त संख्या 400 से अधिक होगी। उन्होंने मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार ने भारत को स्थिरता और विकास के साथ-साथ गरीबों का कल्याण किया

है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी में लोगों का विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हमें पूरा विश्वास है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 350 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। जावड़ेकर ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश ने सकारात्मक विकास की राजनीति देखी है।

किसान नेता की चेतावनी, 9 जून तक बृजभूषण को गिरफ्तार करने की मांग

कुरुक्षेत्र (ईएमएस)। किसान नेता राकेश टिकैत ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 9 जून तक बृजभूषण को गिरफ्तार नहीं किया तो एक बार फिर जंतर मंतर पर धरना दिया जाएगा। गौरतलब है कि पहलवानों का आंदोलन अब देशव्यापी आंदोलन बन चुका है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र की जाट धर्मशाला में इस आंदोलन को तेज करने के लिए उत्तर भारत की सभी खाप प्रतिनिधियों ने महापंचायत रखी थी। इस महापंचायत में प्रतिनिधियों के अलावा किसान संगठनों के प्रतिनिधि व अन्य सामाजिक संगठनों के लोग भी शामिल हुए। करीब 6 घंटे चली बैठक के बाद खाप प्रतिनिधियों ने कुछ फैसले लिए। बैठक के दौरान खाप प्रतिनिधियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

हालांकि, बाद में माहौल को शांत कर इस पंचायत को निर्णय तक पहुंचाया गया। किसान नेता राकेश टिकैत ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार के पास बातचीत के लिए 9 जून तक का समय है।

अगर 9 जून तक सांसद बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं होती, तो खिलाड़ियों को एक बार फिर से दिल्ली जंतर मंतर लेकर जाएंगे। किसान नेता ने कहा कि इस आंदोलन को किसान आंदोलन की तरह गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। हर गांव हर शहर में पंचायतों का दौर शुरू किया जाएगा। पंचायत के दौरान हुई कुछ हाथापाई की घटनाओं पर राकेश टिकैत ने कहा कि यह लोग भारतीय जनता पार्टी द्वारा भेजे गए थे। जो माहौल खराब करना चाहते थे। हम इन्हें पहले ही चिन्हित कर चुके थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने पूर्व रक्षामंत्री जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती और गोपीनाथ मुंडे की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल, (हि.स.)। देश के पूर्व रक्षा मंत्री स्व. जॉर्ज फर्नांडिस की आज शनिवार को जयंती है। इसके साथ ही लोकप्रिय जननेता गोपीनाथ मुंडे की भी आज ही के दिन पुण्यतिथि है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दोनों राजनेताओं को इस अवसर पर पुण्य स्मरण कर विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्वीट कर पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को जयंती पर नमन करते हुए कहा पद्म विभूषण से सम्मानित देश के पूर्व रक्षा मंत्री स्व. जॉर्ज फर्नांडिस जी की जयंती पर उन्हें नमन करता हूं। आजीवन मजदूरों एवं गरीबों के उत्थान के लिए आपके द्वारा किए गए कार्य भावी पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने अपने ट्वीट संदेश में कहा देश के पूर्व रक्षा मंत्री और समाजवादी नेता एवं पद्म विभूषण से सम्मानित जॉर्ज फर्नांडिस जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। श्रद्धेय फर्नांडिस जी मजदूरों, वंचितों और कमजोरों तबके की आवाज के रूप

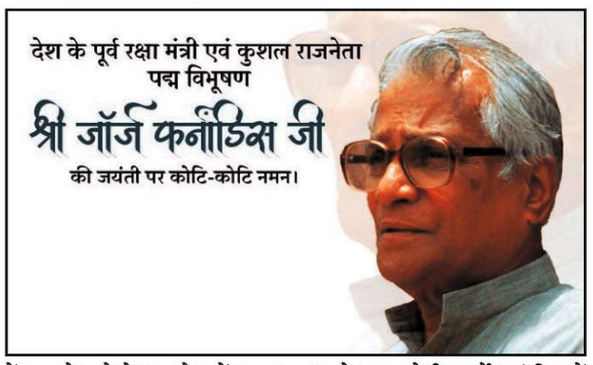

में पहचाने जाते थे। राष्ट्रसेवा में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। **गोपीनाथ मुंडे की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि** - एक अन्य ट्वीट कर मुख्यमंत्री चौहान ने गोपीनाथ मुंडे की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा वंचित, शोषित व पिछड़े समाज के उत्थान के लिए अपना जीवन अर्पित करने वाले महाराष्ट्र के लोकप्रिय जननेता एवं हमारे साथी स्व. गोपीनाथ मुंडे जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अपने समाजसेवी कार्यों एवं विचारों के माध्यम से आप सर्वदा हम सभी के हृदय में जीवित रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने अपने ट्वीट में लिखा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सौम्य व सरल व्यक्तित्व के धनी श्रद्धेय मुंडे जी का संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान था। समाज के पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए वे सदैव याद किए जाएंगे।

कूनो नेशनल पार्क में वन विभाग नामीबिया से लाए चीतों का कर रहा निगरानी

- 2 माह में 3 शावकों व 6 चीतों की मौत, एनटीसीए ने बनाई जांच कमेटी

श्योपुर (ईएमएस)। वन विभाग की टीमें कूनो नेशनल पार्क में छोड़े गए चीतों पर निगरानी बनाए हुए हैं। उनकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्हें किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि नर चीता पवन कूनो नेशनल पार्क से भागकर विजयपुर इलाके के गांव के आसपास पहुंच गया था। उसके बाद वह पोहरी होते हुए शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में पहुंच गया था। हालांकि, बाद में कुनो का अमला उसे ट्रेंकुलाइज कर वापस पार्क ले आया था।, लेकिन वह फिर भागकर शिवपुरी पहुंच गया। कूनो नेशनल पार्क के अमले ने अब उसे बड़े बाड़े में बंद कर दिया है। गौरतलब है कि चीतों की सेहत और उनकी जिंदगी को लेकर प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश में चिंता की लहर है। यहां पिछले 2 महीनों में एक के बाद एक कई चीतों की मौत हो गई। उनकी मौत ने वन विभाग के साथ-साथ हर उस

शख्स को परेशान कर रखा है, जिनकी इनमें दिलचस्पी है। चीतों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए वन विभाग अपनी कमियों का पता लगाकर उन्हें दूर करने में जुटा। वहीं आम जनता ने भी इन चीतों की सलामती के लिए मंदिर में पूजा-पाठ, हवन और महामृत्युंजय मंत्रों का जाप किया। कूनो नेशनल पार्क में पिछले 2 महीनों के अंदर तीन शावकों 6 चीतों की मौत हो चुकी है। एक शावक अभी भी बीमार है। ज्वाला मादा चीते ने मार्च के महीने में 4 शावकों को जन्म दिया था, लेकिन 23 मई को उसके एक शावक की मौत हो गई। जब वह शावक हुआ था, तब वन विभाग के अधिकारियों ने उसके पूरी तरह से स्वस्थ होने की बात कही थी। अब केंद्र सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने चीतों की मौत को लेकर कमेटी बनाई है। इस कमेटी में 15 विशेषज्ञ शामिल हैं। इन विशेषज्ञों में चार विदेशी चीता विशेषज्ञ होंगे, इनमें भारत को चीते देने वाले सीसीएफ की प्रमुख नामीबिया की लॉरी मार्कर को भी शामिल किया गया है, उनके अलावा दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञ भी चीतों की मौत का पता लगाएंगे।

माफिया मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी नहीं पहुंचे कोर्ट

मऊ, (हि.स.)। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के दो अलग-अलग मामलों में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कासगंज जेल से पेशी हुई। इस दौरान मामले में आरोपियों पर आरोप तय होना था। मामले में अब्बास अंसारी और उमर अंसारी सहित कुल नौ आरोपी है। उमर अंसारी के विरुद्ध पिछली तिथि पर गैरजमानतीय वारंट जारी था, वह शुक्रवार को न तो कोर्ट में उपस्थित हुए और न ही पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर पेश किया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी ने उमर अंसारी के अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध पूर्व में पारित गैरजमानतीय वारंट का अनुपालन करने का निर्देश दिया तथा पत्रावली आरोपियों की हाजिरी के लिए नियत करते हुए 13 जून की तिथि नियत किया है। दोनों मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। पहले मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई राजेश कुमार वर्मा की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई थी। आरोप है कि 27 फरवरी, 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सुभासपा प्रत्याशी अब्बास अंसारी ने बिना अनुमति के राजाराम पुरा से लेकर भरहु का पूरा तक रोड शो निकाला। जिसमें 5-6 गाड़ियां तथा 100-150 लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी। पुलिस ने मामले की एफआईआर दर्ज कर बाद विवेचना अब्बास अंसारी, उमर अंसारी आदि के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया। दूसरे मामले में अभियोजन के अनुसार उपनिरीक्षक आदर्श श्रीवास्तव की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। आरोप है कि विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद विजयी प्रत्याशी अब्बास अंसारी 10 मार्च,2022 को बिना अनुमति के अपने समर्थकों के साथ विजय जुलूस निकाला। जिससे सड़क जाम हो गई। शहर कोतवाली पुलिस ने मामले की एफआईआर दर्ज कर बाद विवेचना विधायक अब्बास अंसारी, उमर अंसारी, मंसूर अंसारी आदि के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में भेजा है। मामला सीजेएम एमपी-एमएलए कोर्ट में विचाराधीन चल रहा है। जिसमें आरोपियों पर आरोप तय होना है। सीजेएम एमपी-एमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी ने उमर अंसारी के विरुद्ध पूर्व में जारी गैरजमानतीय वारंट का अनुपालन करने का निर्देश दिया तथा मामले में आरोपियों की हाजिरी के लिए 13 जून की तिथि नियत किया।

सुगम और सुरक्षित यात्रा हर नागरिक का अधिकार : योगी

-मुख्यमंत्री ने राजधानी सेवा को हरी झंडी दिखायी, हर जिले से दिल्ली के लिए चलेंगी बसें

लखनऊ, 03 जून (हि.स.)। उप्र परिवहन निगम शानदार सेवा को बढ़ाते हुए लगातार सेवा कर रही है। सुगम और सुरक्षित यात्रा हर नागरिक का अधिकार है। यह सरकार का दायित्व है कि यात्री जैसे अपेक्षा करता है, उसके लिए कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। यदि एक वर्ष यूपी के ही सड़क हादसे को देखा जाय तो कोरोना जैसी महामारी तीन साल में जितने लोगों की मौत नहीं हुई, उतनी मौत एक साल में सड़क हादसे में हो गयी है। ये बातें उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कही। उन्होंने 93 नई राजधानी सेवा एवं सात साधारण बीएस-6 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना की। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी थे। उत्तर प्रदेश बस सेवा की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी ने 75 जिलों को राजधानी दिल्ली से जोड़ा। यूपी के यात्रियों के लिए 100 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 93 बसें राजधानी एक्सप्रेस हैं, जो यूपी के 75 जिलों से दिल्ली के लिए चलेंगी। वहीं सात साधारण बसें हैं, जो यूपी के अंदर चलेंगी। दिल्ली से दूर के जिलों के लिए दो-दो बसें चलेंगी। डिमांड के अनुसार इन बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। राजधानी एक्सप्रेस की बसों का किराया साधारण से 10 प्रतिशत ज्यादा होगा। ये स्टॉपेज कम लेंगी। न्होंने कहा कि परिवहन निगम की शानदार यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं ओड़िसा में कल हुए भीषण हादसे में लोगों ने जान गवां दी है। उन सभी लोगों को संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि प्राइवेट ऑपरेटर को भी अपने साथ जोड़ें, जिससे ज्यादा से ज्यादा पब्लिक ट्रांसपोर्ट यात्रियों को मिल सके। इलेक्ट्रिक बस सेवाओं की लगातार मांग बढ़ रही है। ज्यादा से ज्यादा ये बसें चलाई जाएंगी। अत्याधुनिक बस स्टेशन बनाए जाएंगे और यात्रियों को बेहतर सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव-गांव को रोडवेज बसों को जोड़ने की जरूरत है। इसमें प्राइवेट आपरेटर का भी सहयोग लेना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने ओडिशा के बालासोर में हुई रेल घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, मैं अपनी तरफ से और प्रदेश वासियों की तरफ से सांत्वना व्यक्त करता हूं। जो यात्री घायल हुए हैं, उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है।ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। परिवहन मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग ने 50 साल पूरे किए हैं। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले सालों में विभाग को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे काम किए हैं। उन्होंने आर्थिक सहायता दी, जिससे कि यूपी में 2000 बसें आईं। मुख्यमंत्री के सहयोग से पहली बार परिवहन फायदे में आया है। पहले जहां रोज 12 से 13 करोड़ की आय होती थी, अब वह आय 18 से 21 करोड़ के ऊपर तक पहुंच गई है आम बसों की तुलना में राजधानी बस सेवा का किराया 10% ज्यादा होगा। समय से दिल्ली पहुंचे इसलिए इन बसों का स्टॉपेज बहुत कम होगा। यह अन्य बसों की तुलना में तेज चलेगी। ऐसे में कम समय में दिल्ली पहुंचेगी। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय से लखनऊ के लिए पहले बस सेवा शुरू की गई थी। अब दिल्ली के लिए यह सेवा शुरू की जा रही है। पहले दो जून को योगी आदित्यनाथ इन बसों को सीएम आवास से हरी झंडी दिखाने वाले थे। लेकिन, किसी कारणवश एक दिन के लिए कार्यक्रम टाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान नए सिरे से तैयार किए गए प्रदेश की कुछ बस डिपो का भी उद्घाटन किया जाएगा। परिवहन निगम के प्रवक्ता अजीत सिंह ने बताया कि शासन के ड्रीम प्रोजेक्ट में से यह योजना एक है। लोगों को आसान और सस्ती परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मानसून के आगमन के साथ ही धान की रोपाई करें किसान : रतन शंकर ओझा

देवरिया, (हि.स.)। इस समय खरीफ फसलों विशेषकर धान की नर्सरी एवं रोपाई के लिए किसान खेतों को तैयार करने में जुटे हैं। जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा ने कहा कि मानसून के आगमन के साथ किसान धान की रोपाई शुरू कर दें। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने कहा कि रोपाई बोआई के पूर्व भूमिशोधन एवं बीजशोधन कर भूमि जनित व बीज जनित रोगों से फसल का बचाव किया जा सकता है। भूमिशोधन में ट्राइकोडर्मा तथा ब्यूवेरिया वैसियाना का प्रयोग करना चाहिए, जो फफूंद पर आधारित घुलनशील जैविक फफूंदीनाशक है। ट्राइकोडर्मा विभिन्न फसलों फलों सब्जियों में जड़, सड़न, तना, सड़न डैम्पिंग आफ, उकठा, झुलसा आदि रोगों में प्रभावी है। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडर्मा के कवक तंतु हानिकारक फफूंदी के कवक तंतुओं को लपेट कर या सीधे अंदर घुसकर उसका रस चूस लेते हैं। इसके अतिरिक्त भोजन स्पर्धा द्वारा कुछ ऐसे विषाक्त पदार्थ का स्त्राव करते हैं जो बीजों के चारों तरफ सुरक्षा दीवार बनाकर हानिकारक फफूंदी से सुरक्षा देते हैं। इसके प्रयोग से बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसले फफूंदी जनित रोगों से मुक्त रहती है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने कहा कि भूमिशोधन के लिए 2.5 किग्रा० प्रति हेक्टेअर ट्राइकोडर्मा को लगभग 75 किग्रा. गोबर की सड़ी खाद में मिलाकर हल्के पानी की छीटा देकर 7-8 दिन छायादार स्थान पर रखें तथा बुआई के पूर्व आखिरी जुताई पर भूमि में मिला दें। इसी प्रकार बीजशोधन हेतु 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा प्रति किग्रा० बीज की दर शुष्क बीजोपचार कर बुआई करना चाहिए। इसी प्रकार ब्यूवेरिया वैसियाना जैव कीटनाशी विभिन्न फसलों आदि में लगने वाले फलीबेधक, पत्ती लपेटक पत्ती भक्षक, चूसने वाले कीटों तथा भूमि के दीमक एवं सफेद गिडार आदि की रोकथाम के लिए लाभकारी है। यह अधिक आर्द्रता एवं कम तापक्रम पर अधिक प्रभावी होता है। इसका प्रयोग भी ट्राईकोडर्मा की ही भांति होता है। उन्होंने कहा कि खरीफ की प्रमुख फसल धान की नर्सरी बीजशोधन के बाद ही डालें। बैक्टीरियल ब्लाईट रोग से प्रभावित क्षेत्र हेतु 25 किग्रा० बीज के लिए 4 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन या 40 ग्राम प्लान्टोमाइसिन मिलाकर पानी में रात भर भिगोकर दूसरे दिन छाया में सुखाकर नर्सरी डालें। अन्यथा 25 किग्रा0 बीज रात भर पानी में भिगोने के बाद दूसरे दिन निकाल कर अतिरिक्त पानी निकालकर 75 ग्राम थीरम 75 डब्लू०पी० या 50 ग्राम काबेर्डाजिम 50 डब्लू०पी० को 8-10 लीटर पानी में घोलकर बीज में मिला दिया जाए तथा फिर छाया में अंकुरित कर नर्सरी में डाला जाए। उन्होंने बताया कि नर्सरी लगाने के 10 दिनों के अन्दर ट्राइकोडर्मा का एक छिड़काव कर देना चाहिए। यदि नर्सरी में कीटों का प्रभाव दिखाई दे तो 1.25 लीटर क्यूनालफास 25 ई०सी० या 1.5 लीटर क्लोरपायरीफास 20 ई०सी० प्रति हे० में छिड़काव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रति0 की एक मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। यह रसायन अनुदान पर कृषि रक्षा इकाईयों पर उपलब्ध है, जहां से कृषक प्राप्त कर सकते हैं।

संघर्ष में घायल पूर्व प्रधान के पिता की मौत, समाधान दिवस में अधिकारियों को घेरा

मेरठ, (हि.स.)। हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के गुढ़ा गांव में दो पक्षों के संघर्ष में घायल पूर्व ग्राम प्रधान के पिता की अस्पताल में मौत हो गई। इससे खफा लोगों ने मवाना तहसील में समाधान दिवस में पहुंचे अधिकारियों को घेरकर अपनी व्यथा बताई। एसएसपी ने इस मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया। गुढ़ा गांव में शुक्रवार की रात किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच संघर्ष हो गया था। इस संघर्ष में एक पक्ष से पूर्व ग्राम प्रधान सचिन के पिता सत्यपाल, गौरव, परविंदर समेत कई लोग घायल हो गए थे। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। देर रात अस्पताल में भर्ती सत्यपाल की मौत हो गई। सचिन पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने में खेल कर दिया। आरोपितों पर धारा 302 की बजाय धारा 304 लगा दी। शनिवार को तहसील मवाना में तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण पहुंचे थे। घायलों के साथ ग्रामीणों ने मवाना तहसील पहुंच कर अधिकारियों की गाड़ियों को तहसील के मुख्य द्वार पर रोक लिया और अधिकारियों का घेराव किया। पीड़ितों ने थाना पुलिस पर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने में भेदभाव का आरोप लगाया। इस पर एसएसपी ने हस्तिनापुर इंस्पेक्टर से बात करके आरोपितों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।निर्देश दिए। एसएसपी ने आरोपितों पर धारा 302 लगवाने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलने पर राहुल पर हंसेगा देश : केशव प्रसाद मौर्य

मुजफ्फरनगर, (हि.स.)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को मुजफ्फरनगर में कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी के बोलने पर देश उन पर हंसेगा। अमेरिका के लोग भी राहुल पर हंसेंगे। उन्होंने कांग्रेस के परिवार तंत्र पर सवाल उठाए। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को मुजफ्फरनगर के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने भाजपा के गांधीनगर स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यकताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने परिवार तंत्र को ही लोकतंत्र माना है। उन्हें लगता है कि देश में कांग्रेस सरकार होने पर ही लोकतंत्र है। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जिस देश के राष्ट्रपति खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए ऑटोग्राफ मांग रहे हों, उसी अमेरिका में जाकर राहुल भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलेंगे तो क्या वहां के लोग उन पर हंसेंगे नहीं? उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खुद के भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए विपक्षी दल एक हो रहे हैं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना में हताहत हुए लोगों के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना एवं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उप मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरनगर में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रूपेंद्र सैनी के आवास पर जाकर उनके पिता जयपाल सिंह सैनी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। जयपाल सिंह आरएसएस के मेरठ प्रांत के सह प्रांत संपर्क प्रमुख रहे। केशव प्रसाद मौर्य ने जयपाल सिंह के स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और परिजनों से भेंट कर संबल प्रदान किया। मुजफ्फरनगर के विकास भवन में उप मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करके जनपद में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य तथा शिक्षा आदि विभागों के कार्यों तथा विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में बालासोर में हुई रेल दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने मुजफ्फरनगर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न उत्पादों के बारे में महिलाओं से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, भाजपा जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, पूर्व विधायक उमेश मलिक, वैभव त्यागी आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस के लिए साइकिल चलाना जरूरी : ब्रजेश कुमार

रांची, (हि.स.)। रांची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने विश्व साइकिल दिवस पर शनिवार को साइकिल रैली निकाली। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि 30 मिनट साइकिल रोज फिट रहने के लिए चलाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित एनएसएस स्वयंसेवकों को प्रतिदिन साइकिल चलाने की शपथ भी दिलाई। आज की साइकिल रैली आरयूके बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर से प्रारंभ होकर, सिदो कान्हो पार्क, प्रेमसंस मोटर्स मोड, कांके रोड में स्थित कृषि निदेशालय, रिलायंस मार्ट, सीएमपीडीआई, गांधी नगर, चांदनी चौक होते हुए पुनः बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर में समाप्त हो गई। रैली में शामिल एनएसएस के स्वयंसेवक साइकिल चलाएंगे, पर्यावरण को बचाएंगे, नियमित साइकिल चलाएंगे, हमेशा स्वस्थ रहें, धुंआ रहित सवारी, साइकिल सवारी आदि का नारा लगा रहे थे। रैली में एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी अनुभव चक्रवर्ती, जय प्रकाश रजक, दिवाकर आनंद, दीपक साहू, आस्था दीप, सुरभि कुमारी, अजहर, फलक फातिमा, खुशी, नैंसी, आरव, प्रेरणा, शिवम, अनुभा, गुड्डी, सोनम सहित रांची विश्वविद्यालय के 14 महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय विभागों के कुल 122 एनएसएस स्वयंसेवक शामिल हुए थे।

पलामू में मध्य विद्यालय बना तेंदू पता का गोदाम, बीडीओ ने फटकार लगाकर कराया खाली

पलामू, (हि.स.)। जिले के तरहसी प्रखंड के सुदूरवर्ती और नक्सल प्रभावित गोइंदी पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय जमुनाडीह को इन दिनों तेंदू पता का गोदाम बना दिया गया है। विद्यालय परिसर में आंगनबाड़ी केन्द्र के बंद रहने की सूचना पर शनिवार को मौके पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सचिदानंद महतो की जांच में स्कूल परिसर तेंदू पता का गोदाम नजर आया। बीडीओ विद्यालय परिसर में केन्दू पता से भरे बोरे को देखकर भड़क गए। उन्होंने वहां मौजूद मजदूर, ट्रैक्टर चालक एवं तेंदू पता की देखरेख कर रहे लोगों को जमकर फटकार लगाई। इसके बाद मजदूर माफी मांगने लगे और जल्दी जल्दी में सारे बोरों को हटाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के मंदिर में अवैध तरीके से तेंदूपता रखने से शर्म नहीं आती। इसकी अनुमति किसने दी। बीडीओ ने कहा कि सबसे अहम बात यह रही कि विद्यालय के सामने गोइंदी पंचायत के मुखिया का घर है। उन्होंने भी इस-ाके लिए कोई पहल नहीं की। बीडीओ ने पाया कि विद्यालय के बरामदे में 60 बोरों में भरकर तेंदू पता को रखा गया था। बीडीओ ने यह भी कहा कि शिकायत मिली थी कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय जमुनाडीह परिसर में ही संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र बराबर बंद रहता है। सेविका को इस सिलसिले में शोकॉज किया गया है। दो दिनों में जवाब नहीं देने पर चयन मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी। आंगनबाड़ी केन्द्र में जहां पर बैठाकर बच्चों को भोजन दिया जाता है, वहां भी तेंदू पता के बोरे भर दिए गए थे।

अजीत सिन्हा ने विनोबा भावे विवि के कुलपति का पदभार संभाल

रांची, (हि.स.)। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने शनिवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति का प्रभार ग्रहण किया। अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लौटने पर रांची विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों और कर्मियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी और स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि राजभवन ने हाल ही में डॉ. सिन्हा को रांची विश्वविद्यालय के साथ ही विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग का भी प्रभार सौंपा है। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि आरयू के साथ ही विनोबा भावे विश्वविद्यालय का प्रभार भी एक जिम्मेदारी भरा काम है। उन्होंने कहा कि वहां अनुशासन के साथ शैक्षणिक गतिविधियों को ऊंचाई पर ले जाउंगा। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में शोध, खेल और नयी शिक्षा नीति के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू बनाना मेरा पहला लक्ष्य है। साथ ही विश्वविद्यालय के सभी जिलों के कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर हम विशेष ध्यान देंगे। साथ ही सभी कालेजों में शिक्षकों का अनुपात छात्रों की संख्या के अनुसार बनाया जायेगा। इसके लिए हम राजभवन के निर्देश में समुचित कार्य करेंगे। इस अवसर पर कुलसचिव आरयू डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, डॉ. देवाशीष गोस्वामी, डॉ. पी.के.झा, डॉ. सुदेश साहु, डॉ स्मृति सिंह और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाढ़-सुखाड़ की संभावनाओं के मद्देनजर जिलाधिकारी पूरी तरह रहें अलर्ट : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री ने संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को लोक संवाद में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ और सुखाड़ दोनों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग के अधिकारी और जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहें। सीएम ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग सतत अनुश्रवण करते रहें कि और क्या-क्या करने की जरूरत है ताकि लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी नदियों को आपस में जोड़ने की कार्ययोजना बनाएं। नदियों के गाद की उड़ाही एवं शिल्ट हटाने को लेकर तेजी से कार्य करें इससे बाढ़ का खतरा भी कम रहेगा और नदियों की जल संग्रहण क्षमता भी बढ़ेगी। साथ ही सिंचाई कार्य में और सुविधा होगी। सीएम नीतीश ने कहा कि भू-जलस्तर पर नजर रखें और पेयजल का इंतजाम रखें। हर घर नल का जल योजना से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसे पूरी तरह मेंटेन रखें। जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर कार्य किए जा रहे हैं, इसकी भी निगरानी करें और इसे बेहतर ढंग से क्रियान्वित करें। निजी मकानों में भी लोगों को छत वर्षा जल संचयन के लिए प्रेरित करें। सीएम ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष गर्मी ज्यादा है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की तैयारी रखें और लोगों को सचेत करें। आग लगने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं, उससे बचाव के लिए त्वरित कार्रवाई करें। लू से बचाव के लिए भी सभी व्यवस्था रखें और लोगों को अलर्ट करें। हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी। सीएम ने कहा कि सभी संबद्ध विभाग जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर वस्तु स्थिति की जानकारी लें और उसके आधार पर कार्य करे। डीएम अपने-अपने जिलों की स्थिति का आकलन करें उसके अनुसार सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण रखें। जिलाधिकारी क्षेत्रों में जाएं और वस्तु स्थिति की जानकारी लें। वे प्रखंड स्तर पर लोगों से मीटिंग करें और उन्हें सतर्क करें। जिलाधिकारी क्षेत्र में लोगों से बात करें और पिछले वर्षों में आपदा की स्थिति में किए गए कार्यों को भी ध्यान में रखते हुए आपदा से निपटने के लिए कार्ययोजना बनाएं। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुए सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें। बैठक में मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए मानव संचालन प्रक्रिया-2023' का विमोचन किया। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने जिलों में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। साथ ही आश्वस्त किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर लोगों से मिलेंगे, जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे और उसके अनुसार समस्याओं का समाधान करेंगे।

केन्द्र सरकार ने रेल को चौपट कर दिया: लालू यादव

लालू यादव ने रेल हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

पटना, (हि.स.)। ओडिशा के बालासोर के समीप शुक्रवार की देर शाम हुए भीषण रेल हादसे से पूरा देश सदमे में है। इस ट्रेन दुर्घटना को पूर्व रेल मंत्री और राजद सुप्रीमो लालू यादव ने लापरवाही का कारण बताया है। उन्होंने शनिवार को पटना में बयान देते हुए कहा कि लापरवाही की वजह से भीषण रेल हादसा हुआ है। साथ ही केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इन लोगों ने रेल को चौपट कर दिया है। लालू यादव ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा कि कोरोमंडल ट्रेन चेन्नई जाती है। मैंने भी उस ट्रेन से यात्रा की है। इस ट्रेन बड़ी संख्या बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग सफर करते है। हादसे में बड़ी संख्या में यात्री हताहत हुए हैं। पूरी तरह से लापरवाही बरती गई है। सावधानी नहीं बरता गया, जिस कारण कैजुअलिटी हुई है। जानकारी मिली है कि 800 लोगों की मौत हुई है। पूर्व रेल मंत्री लालू यादव ने इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस हादसे के लिए जो लोग जिम्मेवार है उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मृतकों के आश्रितों को 10-10 लाख का मुआवजा और घायलों को पांच लाख मुआवजा दिया जाये।

संपादकीय

पंजाब पुनर्गठन के कसूर

पंजाब पुनर्गठन के कई सुराख अब सामने आ रहे हैं और इस तरह हरियाणा और हिमाचल उस दौर की निगाहों से पुनः अपने हक देख रहे हैं। मामला शिकायतों तक रहा या सरकारें केवल मसले को धकियाती रहीं, इसलिए पुनर्गठन के अनुपात बिखरते रहे। समय ने इसी समझौते की खाल उस समय खींची जब उत्तर भारत की नदियों ने साबित किया कि उनका अस्तित्व पहाड़ के दर्द में समाया है या उस वक्त सामने आया जब जमीन के बंटवारे ने पंजाब-हरियाणा के बीच विवादों का समुद्र खड़ा किया। इनसाफ उन समझौतों की आंत में फंसा है जो पंजाब पुनर्गठन से पहले हुए या उस फांस में मौजूद है जो चंडीगढ़ में भी हिस्सेदारी के लिए अड़ा है। पंजाब के पर्वतीय इलाके अपने साथ हिमाचल में एक समृद्ध इलाका ही नहीं लाए, बल्कि 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी भी लाए, लेकिन हिमाचल के इतिहास के ये पन्ने सुखरू नहीं हुए। उस दौर में किसी को यह चिंता नहीं हुई कि 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी में स्थापित संस्थानों में हिमाचल के हित लिए जाएं। यह हिस्सा चंडीगढ़ को अगर पंजाब-हरियाणा की राजधानी में कबूल था, तो वहां आज तक हिमाचल के इन्हीं रिश्तों की जमीन क्यों हासिल नहीं हुई। आश्चर्य यह कि जिस दिल की खातिर ये पर्वतीय क्षेत्र हिमाचल की जमीन पर खड़ा होना चाहते थे, उसे भी ऊपरी व निचले क्षेत्रों या पुराने व नए हिमाचल की जागीर में देखते रहे। उस वक्त की चिंताए केवल सियासी रहीं, लेकिन क्या किसी ने विशाल हिमाचल की परिकल्पना में पंजाब से मिले 7.19 प्रतिशत के अधिकार को सीने से लगाया। अगर इसे सीने का दर्द समझा होता तो आज पौंग बांध के बदले हिमाचल में भी आर्थिकी का नया सूर्य उग आया होता। यही 7.19 प्रतिशत हिस्सा शिमला की कई संपत्तियों और चंडीगढ़ की परिधि में हिमाचली अस्तित्व का मुकाम हासिल कर पाया होता। पर्वतीय क्षेत्रों का हिमाचल में आना अगर प्रदेश का गौरव बनाया होता, तो आज जिसे पानी कहते हैं, वह सोना हो जाता। जिस लीज की बुनियाद पर शानन विद्युत परियोजना आज तक हमारी छाती पर आर्थिक मूंग दलती रही, वह पर्वतीय खजाने की इज्जतदार बेटी बनी होती। गौर करें इसी दर्पण की दूसरी ओर खड़े पंजाब पुनर्गठन के सरोकारों को पंजाब आज भी अपनी संपत्ति मान रहा है। गोया कि पुनर्गठन का समझौता केवल उसके लिए खड़ा है। दूसरी ओर हरियाणा के अस्तित्व और दस्तूर को समझे बिना हिमाचल पुनर्गठन के मर्म को नहीं जान सकता। अभी ताजा हिसाब देखें तो पंजाब विश्वविद्यालय में भी हरियाणा अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना चाहता है, तो क्या हमने ऐसी कोशिश कभी की। बाकायदा विधानसभा में प्रस्ताव पारित करके हरियाणा न केवल पीयू के टैग में हिस्सेदारी चाहता है, बल्कि राज्य के कुछ कालेजों को इसके तहत मान्यता दिलाना चाहता है। हमारी सोच अलग है। हमने कभी यह नहीं सोचा कि चंडीगढ़ की भूमि में हमारा राज्य भी हकदार बने। और तो और हमने तो शिमला विश्वविद्यालय को भी इतना काट दिया है कि अब इसकी प्रतिष्ठा पर भी आंच आ रही है। ऐसे में मंडी विश्वविद्यालय की जरूरत की सौ दलीलें होंगी, लेकिन पिछले चालीस सालों में धर्मशाला में स्थित शिमला विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र को बीच मझधार में छोड़ दिया गया है। पंजाब पुनर्गठन ने हिमाचल में कांगड़ा क्षेत्र का वजूद, सैन्य इतिहास, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा भाषाई आधार मिलाया था, लेकिन क्या यह पूरी तरह संभव हुआ। जिस भाषाई मेलजोल और समीपता से हमने एक समान हिमाचली भाषा तराशनी थी, क्या हम यह सपना पूरा कर पाए, अलबत्ता पर्वतीय संकीर्णता और निर्बलता ने ऐसे क्षेत्रों की बाहुलता में भाषा के सुदृढ़ संपर्कों को नजरअंदाज करने की ठान ली है। चाहे हरियाणा हो या हिमाचल, प्रादेशिक भाषा की पृष्ठभूमि में हम राजनीतिक तौर पर पंजाबी शब्दावली से अपने पहाड़ी अर्थों की समीपता को दूर नहीं कर सकते। जरूरत यह है कि पंजाब पुनर्गठन को फिर से रेखांकित और परिभाषित करते हुए क्षेत्रीय सहयोग-संपर्क के सेतु को मजबूत किया जाए। अतीत में हिमाचल का अपना कोई मीडिया नहीं था, लेकिन अब हिमाचल की बात कहने का सामथ्य और अंदाज बदला है, फिर भी पूरे समाज को यह जान लेना होगा कि प्रदेश के व्यापक हित में कुछ कदम घर से बाहर और संघर्ष के समर्थन में उठाने पड़ सकते हैं।

उत्तर भारत की नदियों ने साबित किया कि उनका अस्तित्व पहाड़ के दर्द में समाया है या उस वक्त सामने आया जब जमीन के बंटवारे ने पंजाब–हरियाणा के बीच विवादों का समुद्र खड़ा किया। इनसाफ उन समझौतों की आंत में फंसा है जो पंजाब पुनर्गठन से पहले हुए या उस फांस में मौजूद है जो चंडीगढ़ में भी हिस्सेदारी के लिए अड़ा है। पंजाब के पर्वतीय इलाके अपने साथ हिमाचल में एक समृद्ध इलाका ही नहीं लाए, बल्कि 7 .19 प्रतिशत की हिस्सेदारी भी लाए, लेकिन हिमाचल के इतिहास के ये पन्ने सुखरू नहीं हुए। उस दौर में किसी को यह चिंता नहीं हुई कि 7 .19 प्रतिशत की हिस्सेदारी में स्थापित संस्थानों में हिमाचल के हित लिए जाएं। यह हिस्सा चंडीगढ़ को अगर पंजाब–हरियाणा की राजधानी में कबूल था, तो वहां आज तक हिमाचल के इन्हीं रिश्तों की जमीन क्यों हासिल नहीं हुई। आश्चर्य यह कि जिस दिल की खातिर ये पर्वतीय क्षेत्र हिमाचल की जमीन पर खड़ा होना चाहते थे, उसे भी ऊपरी व निचले क्षेत्रों या पुराने व नए हिमाचल की जागीर में देखते रहे।

कुछ अलग

'दोस्ती' में चौकसी

भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रहे हैं, लिहाजा रोटी और बेटी के रिश्ते स्वाभाविक हैं। नेपाल प्राचीन 'अखंड भारत' का ही एक हिस्सा था, लेकिन अब नेपाली राजनीतिज्ञ और आम नागरिक भी इस 'ऐतिहासिकता' से चिढ़ते हैं। अब मानचित्र के आधार पर भी रिश्तों के विश्लेषण किए जा रहे हैं। बल्कि भारत के ही कुछ हिस्सों पर नेपाल आजकल दावा जताने लगा है। यह एक नई किस्म का विवाद पैदा किया जा रहा है। नेपाल का अस्तित्व, भारत के बिना, आधा-अधूरा और डांवाडोल है, यह सोच और अनुभव करने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' भारत आए हैं। बीती दिसंबर में एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रचंड ने अपना पहला विदेशी प्रवास भारत में किया है। प्रचंड का यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों और संवाद की तुलना में कहीं ज्यादा अहम है, क्योंकि 2008 में पहली बार नेपाली प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रचंड की प्राथमिकता चीन की ओर थी। शायद कम्युनिस्ट होने के कारण भी उनकी सोच चीन-केंद्रित थी, लेकिन तब से लेकर आज तक भारत-नेपाल-चीन के समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। भारत और चीन के संबंधों में कड़वाहट है। तनाव है। 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी के संघर्ष के बाद टकराव और ज्यादा बढ़ा है। दोनों पक्षों के हजारों सैनिक लंबे अंतराल से एक-दूसरे के सामने तैनात हैं। चीन घुसपैठ और अतिक्रमण से बाज नहीं आ रहा है। नेपाल लगातार महसूस करता रहा है कि वह दो महाकाय और शक्तिशाली पड़ोसियों के बीच फंस गया है। एक और समीकरण नई मुश्किलें और पेचीदगियां पैदा कर रहा है। नेपाल अमरीका और चीन के बीच नए 'रणनीतिक युद्धक्षेत्र' के तौर पर उभर रहा है। अमरीका ने नेपाल को 50 करोड़ डॉलर का अनुदान दिया है, लेकिन नेपाल ने 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' आदि के तहत चीन के साथ जिन परियोजनाओं के समझौतों पर हस्ताक्षर कर रखे हैं, अब उन्हें यथाशीघ्र पूरा करने का दबाव चीन बढ़ा रहा है। नेपाल इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता, क्योंकि उसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि दिल्ली और बीजिंग से अच्छे और निर्बाध संबंध बरकरार रखना काठमांडू की मजबूरी है। प्रधानमंत्री प्रचंड इन तमाम परिस्थितियों के मद्देनजर भारत आए हैं। इस प्रवास के दौरान दोनों देशों ने सात महत्त्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। बेशक नेपाल भारत का सहोदर-सा है, लिहाजा 1950 से भारत-नेपाल मैत्री एवं शांति संधि दोनों पक्षों के संबंधों का आधार है, लेकिन कुछ फैसलों और रणनीति के मद्देनजर भारत चौकस है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के तीन माह बाद ही नेपाल का दौरा किया था। उस प्रथम विदेशी प्रवास के दौरान भारत ने सद्भावना के जो संबंध कायम किए थे, 2015 में नेपाल की नाकेबंदी ने उन्हें पूरी तरह पलट दिया था, लिहाजा भारत इस बार कुछ ज्यादा ही चौकसी बरत रहा है। नेपाल की प्रबल इच्छा थी कि भारत उससे ज्यादा बिजली का आयात करे, लिहाजा तय किया गया है कि भारत नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली का आयात करेगा। भारत-नेपाल के बीच नए रेल लिंक बनेंगे। भारतीय रेल संस्थानों में नेपाली रेलकर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। मोतिहारी पाइप लाइन के प्रभाव को देखते हुए इसे चितवन तक बढ़ाने का फैसला किया गया है। सिलीगुड़ी से पूर्वी नेपाल तक एक और पाइप लाइन बिछाई जाएगी। नेपाल की गैस और पेट्रोल संबंधी जरूरतें भारत ही पूरी करता रहा है।

देशहित की नीतियां नहीं अपनाएंगे, तब तक मणिपुर जैसे शर्मनाक हादसे होते रहेंगे

आरक्षण की आग में जलता मणिपुर

योगेंद्र योगी

सत्ता के लिए यह रास्ता राजनीतिक दलों को ज्यादा आसान लगता है। जरूरतमंदों के लिए योजनाएं बना कर क्रियान्वित करना टेड़ी खीर है। भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ पिछड़े और दलितों तक नाममात्र का पहुंच पाता है। यही वजह भी है कि आरक्षण के साथ ही राजनीतिक दल चुनाव के दौरान धनबल से अपने राजनीतिक मंसूबे पूरा करने के प्रयास करते रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा जब्त की जाने वाली हजारों की राशि इसका प्रमाण है। राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए सत्ता प्राप्ति का छोटा रास्ता निकाला हुआ है। आरक्षण की बहती गंगा में हाथ धोने से किसी भी दल को गुरेज नहीं है।

देश के राजनीतिक दल जब तक आरक्षण की आग में वोटों की रोटी सेकते रहेंगे, तब तक मणिपुर जैसे हादसे होते रहेंगे। आरक्षण की मांग को लेकर मणिपुर जल रहा है। मैतई समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हिंसा भडक़ी हुई है। इसमें कई लोगों की जानें जा चुकी हैं। दंगाइयों ने भारी संख्या में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है। मणिपुर में 16 जिले हैं जिसमें से वैली 10 फीसदी है और यहां पर 53 प्रतिशत मैतेई समुदाय के लोग रहते हैं। इसके साथ ही 90 फीसदी पहाड़ी इलाका है और यहां पर 42 प्रतिशत कुकी, नागा के अलावा दूसरी जनजाति रहती है। गैर-जनजातीय मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को दिए गए निर्देश के बाद मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा भडक़ गई। 1993 में भी मणिपुर में हिंसा हुई थी, तब एक दिन में नागाओं की तरफ से 100 से ज्यादा कुकी समुदाय के लोगों को मार दिया गया। यह हिंसक घटना जातीय संघर्ष का परिणाम थी। अब एक बार फिर मणिपुर हिंसा से जूझ रहा है, 54 मौतें हो चुकी हैं। मणिपुर का मामला पहला नहीं है, जहां आरक्षण को लेकर देश जला है। इससे पहले भी आरक्षण को लेकर कई हिंसक आंदोलनों में देश जला है। ऐसे हिंसक आंदोलनों में देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ आरक्षण की आग में देश कई बार झुलस चुका है। पहली बार मंडल कमीशन की सिफारिशों को 1990 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने लागू किया तो देश में सवर्ण समुदाय के लोग इसके विरोध में सडक़ पर उतर आए। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुआ। इसके विरोध में आत्मदाह और ऐसी कई घटनाएं सामने आई। कई जगह आगजनी-तोडफ़ोड़ तक हुई। वर्ष 2016 में हुए जाट आंदोलन के दौरान काफी हिंसा हुई थी। आंदोलनकारियों ने जाट समुदाय को ओबीसी में शामिल करने की मांग को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन किया था। हरियाणा में जमकर हिंसा, आगजनी व तोडफ़ोड़ हुई थी। इस हिंसक आंदोलन में 30 लोगों की जान चली गई। गुजरात में पाटीदार समुदाय के लोगों ने ओबीसी में शामिल करने को लेकर 2015 में सबसे बड़ा प्रदर्शन किया था। गुजरात में हिंसा और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इलाके में कफ्र्यू

लगाना पड़ गया था। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया था। हरियाणा के जाट आरक्षण आंदोलन में करीब 34 हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। देश में अब तक आरक्षण आंदोलन से लाखों करोड़ का नुकसान हो चुका है। राजनीतिक दल इसकी भरपाई भी देश के आम लोगों से ही करते हैं। आरक्षित वर्ग भी इससे अलग नहीं है। आर्थिक नुकसान से भरपाई के लिए बढ़ाए गए टैक्स की मार उन पर भी पड़ती है। गुर्जर आंदोलन : आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में गुर्जर समुदाय ने काफी दिनों तक प्रदर्शन किया था। आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक रेलवे ट्रैक को जाम रखा। इसका प्रभाव भी पूरे देश पर पड़ा था। पुलिस और आंदोलनकारी आमने-सामने आ गए थे। इस आंदोलन के दौरान गोलीबारी की भी घटना सामने आई थी। इसमें 20 लोगों की जान चली गई थी। मराठा आंदोलन : महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन काफी चर्चा में रहा है। आंदोलनकारियों ने हिंसक झड़प में आगजनी और तोडफ़ोड़ की घटनाओं को अंजाम दिया था। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में निषाद आरक्षण आंदोलन के चलते एक सिपाही को अपनी जान गंवानी पड़ी। विकास के बजाय आरक्षण राजनीतिक दलों के सत्ता पाने का आसान रास्ता बना हुआ है। देश में आरक्षण के हिंसक इतिहास के बावजूद राजनीतिक दल इसे खोना नहीं चाहते। देश के करीब आधा दर्जन राज्य ऐसे हैं, जो 50 फीसदी आरक्षण का दायरा बढ़ाने के पक्ष में खड़े हैं, ताकि उनका राजनीतिक और सामाजिक समीकरण मजबूत हो सके। इनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, झारखंड और कर्नाटक जैसे राज्य शामिल हैं। कर्नाटक ने भी आरक्षण बढ़ाया था। इसके अलावा बिहार, मध्य प्रदेश और अब छत्तीसगढ़ में भी आरक्षण बढ़ाने की मांग ने जोर पकड़े हुए है। इतना ही नहीं राजनीतिक दल वोटों की खातिर नौकरियों में भी अपने राज्य के लोगों के लिए आरक्षण लागू करने में पीछे नहीं रहे हैं। इससे लगता है कि क्षेत्रीय पार्टी भारत का हिस्सा होने के बजाय स्वतंत्र राष्ट्र हैं। राज्यों में निवासियों के लिए रोजगार आरक्षण विधेयक लाया गया है। ऐसा करने वाला झारखंड देश का सातवां राज्य है। इससे पहले आंध्रप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक व बिहार में भी यह नियम लागू किया गया है। देश की एकता-अखंडता और सौहार्द के बजाय राजनीतिक दलों की किसी भी सूरत में सत्ता पाने की महत्वाकांक्षा ने खून-खराबे, तोडफ़ोड़ और हिंसा को जन्म दिया है। आरक्षण आंदोलनों से न सिर्फ हजारों करोड़ की सरकारी-गैर सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ है, बल्कि देश में जातिवाद की जहरीली जड़ों को सींचने का काम किया गया है। हकीकत में राजनीतिक दलों का पिछड़ी और दलित जातियों की भलाई से सरोकार नहीं है। यदि ऐसा होता तो आजादी के 75 साल बाद देश में कोई दलित और पिछड़ा नहीं रहता। इन जातियों और समुदायों के लिए विशेष योजनाओं को लागू करके इन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करने के गंभीर प्रयास करने के बजाय राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए देश के आंतरिक विभाजन को हवा दी है। सत्ता के लिए यह रास्ता राजनीतिक दलों को ज्यादा आसान लगता है। जरूरतमंदों के लिए योजनाएं बना कर क्रियान्वित करना टेड़ी खीर है। भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ पिछड़े और दलितों तक नाममात्र का पहुंच पाता है। यही वजह भी है कि आरक्षण के साथ ही राजनीतिक दल चुनाव के दौरान धनबल से अपने राजनीतिक मंसूबे पूरा करने के प्रयास करते रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा जब्त की जाने वाली हजारों की राशि इसका प्रमाण है। राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए सत्ता प्राप्ति का छोटा रास्ता निकाला हुआ है। आरक्षण की बहती गंगा में हाथ धोने से किसी भी दल को गुरेज नहीं है। बेशक यह रास्ता देश में सामाजिक भेदभाव, कटुता और दूरियां बढ़ाने वाला ही क्यों न हो, किन्तु राजनीतिक दलों को यह मुफीद लगता है। यह निश्चित है कि देश के राजनीतिक दल अपने क्षुद्र स्वार्थों से ऊपर उठकर जब तक समग्र रूप से देशहित की नीतियां नहीं अपनाएंगे, तब तक मणिपुर जैसे शर्मनाक हादसे होते रहेंगे।

प्रकृति संरक्षण के लिए बनना होगा प्रकृति मित्र

जितना संभव हो, उतने पेड़–पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने का भाव मन में जागृत होना आवश्यक है। अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और हरा–भरा रखने के प्रयास करें, प्लास्टिक का उपयोग करने से बचें और दूसरों को भी जागरूक कर पुनीत कार्य के भागीदार बनना चाहिए। हवा में जहरीली लहरें बह रही हैं। जहरीली गैसों की मात्रा को कम करने के लिए सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करना समय की आवश्यकता है। इस ओर हमें बढऩा होगा तथा जल का संतुलित रूप से उपयोग कर धरा के रक्त को संचयित रखना होगा। तभी प्रकृति रहने लायक रह पाएगी, अन्यथा आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग से जीवन संकट में पड़ते समय नहीं लगेगा। इसका जीता–जागता उदाहरण हमारे समक्ष मौजूद है, मई–जून में भारी बारिश व बर्फबारी इसी का परिणाम है। हमें अब सचेत हो जाना चाहिए।

प्रकृति के संरक्षण हेतु आज पूरा विश्व नए चिंतन मंथन कर आगे की राह पर अग्रसर है। हमारी भारतीय संस्कृति में तो प्रकृति को मां की संज्ञा प्राप्त है। यहां नदी को मां कहते हैं तथा पहाड़ों को, पेड़ों को पूजा जाता है। हमारी जीवनशैली प्राचीन काल से ही प्रकृतिमैत्री की रही है। विश्व में पर्यावरण संरक्षण के विषय में जागरूक करने हेतु पांच जून का दिन चुना गया है। पर्यावरण दिवस संपूर्ण विश्व के लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक करता है। विश्व में पहली बार सन 1974 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया गया था। सन 1972 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण राजनीतिक विकास के लिए सर्वप्रथम सम्मेलन 5 से 16 जून तक स्वीडन, स्टॉकहोम में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का लक्ष्य मानव पर्यावरण को संरक्षित और बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण पाना था। सम्मेलन में ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक तिथि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में निर्धारित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस आयोजन के लिए हर साल एक नई थीम चुन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करने हेतु तय हुआ। यह दिवस हमें पर्यावरण के प्रति हमारे कर्तव्यों, जिम्मेदारियों को याद दिलाकर हमें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए अभिप्रेरित करता है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ती है। वर्तमान समय में जिस प्रकार से मानव लगातार वनों को काटकर आवासीय भूमि, फ्लैट एवं फैक्ट्री आदि लगा रहा है जिससे पर्यावरण को बहुत ही नुकसान पहुंचता है। यदि हमें पर्यावरण को बचाना है तो वनों एवं वृक्षों की अंधाधुंध कटाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगानी होगी। पर्यावरण की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करते हुए पर्यावरण के अनुकूल पुनर्नवीकरणीय (ऐसे पदार्थ जो रीसाइकिल हो जाएद्ध) ऐसे उत्पादों का प्रयोग करने पर जोर देना चाहिए। सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक है क्योंकि यह सिंगल यूज प्लास्टिक सैकड़ों साल तक भूमि में गलती नहीं है। इसलिए हमें सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर मिट्टी के बने कुल्हड़, तेंदूपत्ता से बने दोना-पत्तल इत्यादि का प्रयोग विभिन्न प्रकार के आयोजनों (विवाह, पार्टी एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों) आदि में करना चाहिए। क्योंकि मिट्टी से निर्मित कुल्हड़, तेंदूपत्ता से बने दोना-पत्तल इत्यादि आसानी से भूमि में गल (री साइकिल) जाते हैं। यही कारण है कि मिट्टी से निर्मित कुल्हड़, तेंदूपत्ता से बने दोना-पत्तल से पर्यावरण को कोई भी हानि नहीं पहुंचती है। इसलिए हमें इनका अधिक से अधिक उपयोग शादी समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों, सरकारी कार्यालयों, निजी कार्यालयों, यात्रा करते समय, बस स्टॉप, रेलवे स्टेशनों एवं फैक्ट्री इत्यादि में खानपान में करना चाहिए। पृथ्वी पर यदि जीवन संभव है तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण हरे-भरे वृक्ष एवं वन इत्यादि ही हैं क्योंकि मनुष्य एवं अन्य प्राणियों को जीवित रहने के लिए प्राणवायु ऑक्सीजन हमें वृक्षों से ही मिलती है। वृक्षों से हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं मिलती है अपितु इनका उपयोग अनेक प्रकार की जलजनित बीमारियों के उपचार में भी किया जाता है। अतः हमें वृक्षों के महत्व को समझते हुए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए एवं पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सभी लोगों को वनों की कटाई को बंद कर देना चाहिए क्योंकि वन एवं हरे-भरे वृक्ष न केवल वर्षा में सहायक है अपितु ये भूमि के कटान को भी रोकने में सहायक हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हरे-भरे वृक्ष पर्यावरण के परम मित्र हैं। हमें स्वयं से शुरुआत कर औरों को भी प्रेरित कर कचरा रिसायकल की प्रक्रिया को अपनाना चाहिए, साथ में ही वर्षा जल-संचयन प्रणाली का उपयोग मुख्य रूप से किया जाना चाहिए ताकि जल की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। भूमि की उपजाऊ क्षमता हेतु जैविक खाद का उपयोग महत्वपूर्ण रूप से करना आवश्यक है अन्यथा जमीन में दिन-प्रतिदिन जहर घुलता जा रहा है जोकि मनुष्य व प्रकृति दोनों के लिए घातक है। जितना संभव हो, उतने पेड़-पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने का भाव मन में जागृत होना आवश्यक है। अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के प्रयास करें, प्लास्टिक का उपयोग करने से बचें और दूसरों को भी जागरूक कर पुनीत कार्य के भागीदार बनना चाहिए। हवा में जहरीली लहरें बह रही हैं। जहरीली गैसों की मात्रा को कम करने के लिए सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करना समय की आवश्यकता है। इस ओर हमें बढऩा होगा तथा जल का संतुलित रूप से उपयोग कर धरा के रक्त को संचयित रखना होगा। तभी प्रकृति रहने लायक रह पाएगी, अन्यथा आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग से जीवन संकट में पड़ते समय नहीं लगेगा। इसका जीता-जागता उदाहरण हमारे समक्ष मौजूद है, मई-जून में भारी बारिश व बर्फबारी इसी का परिणाम है। हमें सचेत होना होगा।

नागरिक बोध

जलता हुआ दीप दूसरे दीपो को जला सकता है

बुझा हुआ दीप अंधेरे में ही पड़ा रहता है। इसलिए प्रज्वलित दीपक बनो ।संसार मे ज्योति बनकर जियो। ताकि अंधेरे को रोशनी में बदल सको ।कोयला बनकर मत जिओ। जो पड़ा पड़ा सुलगता रहे। धुंआ उगलता रहे। जिंदगी बहुत मूल्यवान है। इसका एक एक पल इतना महत्वपूर्ण है कि हम इन पलो में शताब्दियों का इतिहास रख सकते है युग की धारा बदल सकते है। बस, आवश्यकता है उत्साह की, उल्लास की, और जीवन मे कुछ न कुछ नव निर्माण करने के शुभ संकल्प की। जिंदगी का अर्थ है उत्साह और साहस। आज वर्तमान में देश मे भयावह स्थिति है। वह हमारे सामने है। आज देश मे विद्वेष की राजनीति चल रही है। गुंडागर्दी की असभ्य भाषा चल रही है। ताश के पत्तो की तरह सरकार बदल रही है दूसरी तरफ़ अधर में लटकी चरमराती सरकार बन रही है। न ही नैतिक मूल्य है और न ही कोई सिद्धांत और न ही कोई नीति ।आत्म सम्मान खोकर सभी सता का खेल रहे है। राजनीति दिशाहीन हो रही है ।नैतिक मूल्यों का विध्वंस हो रहा है ।राजनेता धन और सता के पीछे पागलों की तरह दौड़ रहा है ।सत्ता और धन की तृष्णा कभी शांत नही होती ।अपार वैभव पाकर भी मनुष्य का मन भूखा, व्याकुल और दरिद्र बना हुआ है ।सत्ता की कुर्सी पर बैठकर उसे कभी छोड़ना नही चाहता है ।अपना सबकुछ दांव पर लगाकर कुर्सी का दावा छोड़ना नही चाहता है ।महत्वहीन यक्तित्व महत्व कांक्षा की दौड़ में इसके घोड़े बने हुए है ।इस प्रकार सत्ता और धन का महा भारत आज मच रहा है ।आज असीमित धनाकांशा ,भोगलिप्सा और स्वार्थवादी मनोवृति के कारण मनुष्य मनुष्य के कारण संवेदना शून्य बन गया है। भावनाहीन बन गया है ।नेता विदेश में जाकर सतारूढ़ सरकार के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर भारत को बदनाम कर रहे है ।भाषा का तालमेल नही है ।विपक्ष सतारूढ़ सरकार पर हमलावर हो रहा है ।धर्म के नाम पर बहस चल रही है ।दिलीलो में अपने अपने धर्म को महान बताकर समाज में दीवार खड़ी की जा रही है ।मनुष्य जितना स्वार्थी आज के समय मे है। वह पौराणिक काल मे भी नही हुआ होगा। लोग भावनाहीन बनते जा रहे है। ममनुष्य आज स्वार्थी बना है। इतना पौराणिक काल मे भी इतना स्वार्थी और क्रूर नही हुआ होगा । आज का नेता अभिनेता की भांति तरह तरह का चरित्र जी रहा है। ऐसे समय मे हमारा कर्तव्य है कि जीवन मे आशावादी बनकर, मानवतावादी बनकर जिये। देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति आस्था और आशा जगाए, संकल्प और पुरुषार्थ जगाए। केवल अपने लिए नही जिये। देश मे विरले ही नेता है जिन्होंने देश के लिए घर बार छोड़ दिया। मोदी और योगी दिग्गज नेताओं को अपने परिवार कीकोई चिंता नही है। उनके लिए देश ही सर्वोपरि है। दुसरो के लिए भी जिये। अपने स्वार्थ को परमार्थ में बदले। अगर समाज और राष्ट्र सुखी होगा तो मनुष्य भी सुखी रहेगा ।मनुष्य राष्ट्र के मंदिर की ईंट है। यदि पूरा मन्दिर सुरक्षित रहेगा तो ईंट स्वयं सुरक्षित रहेगी। अपना दृष्टिकोण व्यापक बनाये।

देश दुनीया से

बरसात में नगरपालिका

इंसानों द्वारा किए जा रहे हवन के धुंए से प्रसन्न या कुपित होकर इंद्रदेव ने खूब पानी सप्लाई कर दिया। कई दुकानों में तो अन्दर तक पानी भर गया। दुकानदारों ने म्युनिसिपल कमेटी में फोन किया तो समझाया गया कि कुछ कर्मचारी छुट्टी पर हैं, बाकी शहर को हरा भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण में अति व्यस्त हैं। हिम्मत कर अध्यक्ष को फोन किया तो उन्होंने सुना नहीं। पार्षद राजा को किया तो उन्होंने झट से काट दिया। काफी देर बाद बड़ी मुश्किल से पांच बंदे इकट्ठे होकर अध्यक्ष महाराज के दरबार में हाजिर हुए, शुक्र है जनाब मिल गए। उन्होंने अपना चश्मा हाथ में पकडक़र बड़े अदब से बताया, सरजी मैं तो मंत्रीजी को पौधे पकड़ा रहा था, उन्होंने पूरे एक सौ एक पौधे लगाए, आपको पता ही है चाहे कुछ भी हो जाए, हम सबने मिलकर अपना पर्यावरण तो बचाना ही है, आप लोगों की क्या सेवा करूं। आम लोगों ने खास बंदे से गुजारिश की, जनाब आप खुद चलकर देखें, बारिश के दो दिन बाद भी बाजार में इस समय डेढ़ फुट पानी खड़ा है। ग्राहक गायब, बिजनेस ठप्प, लोग हाथ में जूते उठाकर चल रहे हैं। घरों के बाहर भी पानी है, निकासी नहीं हो रही। अध्यक्ष बोले सकारात्मक सोचो मित्रो, कितना आशीर्वाद दिया इंद्रदेवजी ने, आपके घर के बाहर पानी है। आपके घर में अगर सब ठीक है तो बच्चों को बोलो कागज की कश्तियां बना कर पानी में तैराएं। इस मौके पर आपको भी अपना बचपन याद आ जाएगा। जनता ने कहा यह संजीदा मामला है अध्यक्षजी, जब भी बारिश होती है पानी ऐसे ही रुक जाता है। चार साल पहले नगरपालिका ने सीमेंट का फर्श डलवाया था, तब से हर साल बरसात के मौसम में पानी दुकानों में घुस जाता है। अध्यक्ष ने स्पष्ट घोषणा की, जब फर्श डाला गया था तब दूसरी पार्टी की सरकार थी और हम भी तो अध्यक्ष न थे। घबराएं नहीं, हमने इस समस्या को अच्छी तरह पकड़ लिया है, जिस पर गहन विचार किया जा रहा है, पानी की ज्यादा बेहतर निकासी के लिए उम्दा योजना बनाई जा रही है। फिलहाल नालियां साफ करने का आदेश दे दिया है। दुकानदारों ने कहा पांच साल से ऐसा ही हो रहा है। पुरानी बुरी बातें भूल जानी चाहिए, अध्यक्ष ने कहा, हम समय निकाल कर देखेंगे कि पहले क्या क्या गलत हो चुका है। आपको यह जानकर खुशी होगी, कामकाज दोबारा शुरू हो चुका है और हमने इस मामले को राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अंतर्गत ले लिया है। हम क्षेत्र की साफ-सफाई के बारे में बहुत अच्छे तरीके से बैठकें करने जा रहे हैं जिसमें गहन विचार विमर्श किया जाएगा। आपको पता ही है अच्छे काम को बढिया तरीके से करने में वक्त तो लगता ही है। यह तो नीली छतरी वाले की गलती के कारण बारिश ज्यादा हो गई, नहीं तो आपको कोई दिक्कत नहीं होती, प्राकृतिक आपदा के सामने किसका बस चलता है। हमने मेहनत कर महामारी पर भी काबू लगभग पा ही लिया है। आप भी ध्यान रखें। दुकानदारों ने वापस बाजार पहुंच कर देखा तो बच्चे बारिश के पानी में कागज की कश्ती से खेल रहे थे।

जनता ने कहा यह संजीदा मामला है अध्यक्षजी, जब भी बारिश होती है पानी ऐसे ही रुक जाता है। चार साल पहले नगरपालिका ने सीमेंट का फर्श डलवाया था, तब से हर साल बरसात के मौसम में पानी दुकानों में घुस जाता है। अध्यक्ष ने स्पष्ट घोषणा की, जब फर्श डाला गया था तब दूसरी पार्टी की सरकार थी और हम भी तो अध्यक्ष न थे। घबराएं नहीं, हमने इस समस्या को अच्छी तरह पकड़ लिया है, जिस पर गहन विचार किया जा रहा है, पानी की ज्यादा बेहतर निकासी के लिए उम्दा योजना बनाई जा रही है। फिलहाल नालियां साफ करने का आदेश दे दिया है। दुकानदारों ने कहा पांच साल से ऐसा ही हो रहा है। पुरानी बुरी बातें भूल जानी चाहिए, अध्यक्ष ने कहा, हम समय निकाल कर देखेंगे कि पहले क्या क्या गलत हो चुका है। आपको यह जानकर खुशी होगी, कामकाज दोबारा शुरू हो चुका है और हमने इस मामले को राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अंतर्गत ले लिया है। हम क्षेत्र की साफ–सफाई के बारे में बहुत अच्छे तरीके से बैठकें करने जा रहे हैं जिसमें गहन विचार विमर्श किया जाएगा। आपको पता ही है अच्छे काम को बढिय़ा तरीके से करने में वक्त तो लगता ही है। यह तो नीली छतरी वाले की गलती के कारण बारिश ज्यादा हो गई, नहीं तो आपको कोई दिक्कत नहीं होती, प्राकृतिक आपदा के सामने किसका बस चलता है।

न्यूज ब्रीफ

इमरान खान के बेहद करीबी उस्मान बुजदार ने छोड़ी राजनीति

क्वेटा। पाकिस्तान के पूर्व पीएम व पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान के बेहद करीबी माने जाने वाले पाकिस्तान पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उस्मान ने कहा कि वह पिछले 14 महीनों से कई केस का सामना कर रहे हैं। मैं राजनीति को छोड़ रहा हूं। बुजदार ने कहा कि ऐसा कोई नागरिक नहीं होगा जो 9 मई की इन घटनाओं की निंदा न करे। बुजदार ने कहा, मैं सेना के साथ खड़ा हूं और भविष्य में भी खड़ा रहूंगा। मैं राजनीति से संन्यास ले रहा हूं। इसके अलावा उन्होंने अपने संबोधन में कहा, निर्दोष लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके साथ नरमी बरती जानी चाहिए और उन्हें रिहा किया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बुजदार ने कहा कि मैंने अच्छे इरादों के साथ लोगों की सेवा की है और मैं पिछले 14 महीनों से राजनीति में सक्रिय नहीं हूं। मीडिया के मुताबिक, बुजदार ने कहा कि वह हमेशा पाकिस्तान की सशस्त्र सेना के साथ खड़े थे और आगे भी खड़े रहेंगे। कभी इमरान खान के करीबी माने जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं हमेशा अच्छी राजनीति के लिए प्रतिबद्ध रहा हूं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला किया है।

अमेरिका में फंगल इन्फेक्शन से 2 की मौत, कई जाने आफत में

वाशिंगटन। अमेरिका में फंगल इन्फेक्शन से 2 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों की जान आफत में पड गई है। मेक्सिको में कॉस्मेटिक सर्जरी कराना लोगों को खासा भारी पड़ रहा है। उनमें फंगल इंफेक्शन की शिकायतें देखने को मिली हैं। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने बताया है कि मैक्सिकन शहर मैटामोरोस में एपिडयूरल एनेस्थेसिया से जुड़ी सर्जरी कराने वाले दो लोगों की मेनिन्जाइटिस से मौत हो गई है। इन दोनों लोगों ने लाइपोसक्शन कराया था, जिसमें शरीर के हिस्सों में जमी चर्बी हटा दी जाती है। इसके साथ ही अमेरिका और मैक्सिको में करीब 400 लोगों पर नजर रखी जा रही है। वहीं मैटामोरोस शहर में दो कॉस्मेटिक क्लीनिक बंद कर दिए गए हैं। कई अमेरिकी नागरिक लाइपोसक्शन, स्तन वृद्धि और ब्राजीलियन बट लिफ्ट जैसी कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए मेक्सिको जाते हैं। इस दौरान सभी को रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में सुन्न करने का एनेस्थीसिया दिया जाता है। सीडीसी के डलास स्मिथ ने बताया कि मैटामोरोस शहर में दो कॉस्मेटिक क्लीनिक में एनेस्थीसिया के दौरान उपयोग की जाने वाली दवाएं दूषित हो गई थी, जो मौजूदा प्रकोप की वजह है। सीडीसी ने लिखा, 'अधिकारियों ने प्रकोप से जुड़े दो क्लीनिकों की पहचान की है, रिवर साइड सर्जिकल सेंटर और विलनिका के-3 नामक ये क्लीनिक 13 मई, 2023 को बंद कर दिए गए थे।'सीडीसी ने चेतावनी दी है कि सैकड़ों और लोगों को खतरा हो सकता है। सीडीसी ने कहा कि उसने पहले ही अमेरिका में फंगल मैनिंजाइटिस के 'संदिग्ध' या 'संभावित' मामलों वाले 25 लोगों की पहचान कर ली है। जनवरी से लेकर 13 मई के बीच मैटामोरोस के क्लीनिकों की यात्रा करने वाले 200 से अधिक अमेरिकियों को खतरा है। मैनिंजाइटिस के लक्षणों में बुखार आना, सिरदर्द होना, गर्दन में अकड़न, उल्टी, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता और मानसिक स्थिति में बदलाव शामिल हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना पर शोक जताया

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष चाबा कोरोशी ने ओडिशा में हुए भीषण ट्रेन हादसे को लेकर पीड़ित परिवारों के प्रति शोक जताया है। इस हादसे में 233 से ज्यादा यात्रियों के मारे जाने और 900 से अधिक यात्रियों के घायल होने की खबर है। शुक्रवार का हादसा भारत में हुई अब तक की सबसे भीषण रेल दुर्घटनाओं में से एक है, जिसमें ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेन एक के बाद एक भयावह तरीके से एक-दूसरे से टकरा गईं। हादसे के बाद बालासोर में व्यापक राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। संरा महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष कोरोशी ने ट्वीट किया ?कि भारत के ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों, उनके परिवारों और आपातकालीन सेवाओं के साथ हैं। यह ट्रेन दुर्घटना कोलकाता से 250 किलोमीटर दक्षिण और भुवनेश्वर से 170 किलोमीटर उत्तर में बालासोर जिले के बहानगा बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार शाम लगभग सात बजे हुई। रेल मंत्रालय ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

एलन मस्क की चीन यात्रा से पश्चिमी देशों के 'एजेंडे' को झटका

बीजिंग।
जिस समय अमेरिका और यूरोप में चीन से संबंध-विच्छेद (डी-कपल) या संबंधों में जोखिम घटाने (डी-रिस्किंग) की चर्चा जोरों पर है, टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने एक अलग ही रास्ता अख्तियार कर लिया है। मस्क इस हफ्ते चीन की यात्रा पर आए। यहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। उधर मस्क ने यह साफ कर दिया कि वे चीन के साथ अपने कारोबारी रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

एलन मस्क तीन साल के बाद चीन यात्रा पर आए। चीनी मीडिया में उनकी इस यात्रा को चीन की एक जीत रूप में पेश किया जा रहा है। कहा गया है कि मस्क ने यह साफ कर दिया है कि पश्चिम में हर कोई चीन से संबंध तोड़ने के बारे में नहीं सोच रहा है। इसके अलावा मस्क ने यह संकेत देने में भी कोई कोताही नहीं बरती कि एशिया अब इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और आविष्कार का नया केंद्र बन गया है। टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी रही है।

चीन सरकार मस्क और पश्चिम के दूसरे कारोबारियों की चीन यात्रा को हाई प्रोफाइल बनाने (बहुप्रचारित करने) में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मस्क से पहले अमेरिकी बैंक जेपी मॉर्गन चेज के प्रमुख जेमी डिमॉन की यात्रा के समय भी ये बात सामने आई थी। विश्लेषकों के मुताबिक यह रुख अपना कर चीन यह संदेश देना चाह रहा है कि उसने व्यापार के लिए अपने दरवाजे फिर से खोल दिए हैं। इस तरह 2020 से अलीबाबा कंपनी के सीईओ जैक मा और अन्य कंपनियों पर हुई कार्रवाई से बनी इस धारणा को वह तोड़ने की कोशिश कर रहा है कि विदेशी पूंजी से अब चीन की दुश्मनी हो गई है।

अर्थशास्त्रियों के मुताबिक चीन की अर्थव्यवस्था इस समय संकटग्रस्त है। मई के आर्थिक आंकड़े और भी ज्यादा निराशाजनक रहे हैं। मई में चीन के मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में बड़ी गिरावट दर्ज हुई। यह लगातार तीसरा महीना रहा, जब ऐसी गिरावट दर्ज हुई। आर्थिक विश्लेषक केल्विन वॉन्ग ने वेबसाइट एशिया टाइम्स से कहा- चीन में मुद्रा संकुचन का खतरा है। इसके बीच चीन को गुजरे वर्षों में बनी धारणा को तोड़ना जरूरी हो गया है।

जापानी वित्तीय कंपनी नोमुरा इंटरनेशनल से जुड़े अर्थशास्त्री लू तिंग मैनुपैक्चरिंग पीएमआई में भारी गिरावट इस बात का संकेत है कि मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में मंदी की आशंका ठोस रूप लेती जा रही है। अमेरिकी बैंक गोल्डमैन सैक्श के अर्थशात्री हुई शान ने कहा है कि देश और विदेश दोनों जगहों पर मांग घटने के कारण चीन की आर्थिक वृद्धि दर अपनी गति खो रही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इन परस्थितियों में चीन सरकार उसकी नीतियों को लेकर बनी धारणा को तुरंत बदलना चाहती है। इसीलिए एलन मस्क की यात्रा को प्रचारित करने में पूरा जोर लगाया गया है। मस्क के चीन से पुराने कारोबारी संबंध रहे हैं। उनकी कंपनी टेस्ला का शंघाई में एक बड़ा कारखाना है, जहां इलेक्ट्रिक वाहनों का दुनिया भर में निर्यात होता है। ऐसे में चीन को खुश रखना उनकी जरूरत भी रही है। लेकिन यह माना जा रहा है कि जिस मौके पर पश्चिमी कंपनियां चीन से हटने के संकेत दे रही हैं, मस्क ने संबंध और बढ़ाने की बात कह कर पश्चिमी एजेंडे को चोट पहुंचाई है।

श्रीलंका में निका चुनाव टलने से बन रही विस्फोटक स्थिति

सरकार-विपक्ष के बीच टकराव बढ़ा, विक्रम सिंघे पर लगा तानाशाह बनने का आरोप

कोलंबो।
श्रीलंका में स्थानीय चुनावों को लगातार टालने के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघ सरकार के रुख के कारण विपक्ष के साथ उसका टकराव बढ़ता जा रहा है। विपक्षी दल अब खुल कर राष्ट्रपति पर तानाशाही कायम करने के इल्जाम लगाने लगे हैं। प्रमुख विपक्षी दल समगई जना बलावेगया (एसजेबी) ने तो विक्रमसिंघे पर उगांडा के पूर्व तानाशाह इदी अमीन के नक्शे-कदम पर चलने का आरोप लगाया है। इदी अमीन 1970 के दशक में उगांडा के राष्ट्रपति थे, जिन्होंने अपने विरोधियों का बेरहमी से दमन किया था।

एसजेबी के सांसद हर्षा राजकरुणा ने शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों और प्रांतीय परिषदों के लिए चुनाव पर पूरी तरह से चुप्पी साध ली गई है और सारे देश को तानाशाही से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा- 'प्रांतीय परिषदों के चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। अब तो इनकी चर्चा तक नहीं की जा रही है। प्रांतों को चलाने के लिए केंद्र सरकार ने अपने खास लोगों को गवर्नर बना दिया है। वही एक व्यक्ति सारे प्रांत को चलाता है।' राजकरुणा ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले में कोर्ट के फैसले की भी अनदेखी कर दी है।

इस बीच यूनाइटेड नेशनल फ्रीडम एलायंस (यूपीएफए) ने कहा है कि अगर राष्ट्रपति विक्रमसिंघे सचमुच देश

में आम सहमति कायम करना चाहते हैं, तो उन्हें तुरंत राष्ट्रीय सरकार का गठन करना चाहिए। यूएनएफए के महासचिव तिलंगा समुथिपला ने कहा है कि अगर विक्रमसिंघे को सत्ता का मोह नहीं है, तो महत्त्वपूर्ण मसलों पर अन्य दलों का समर्थन हासिल कर सकते हैं। मौजूदा स्थिति में राष्ट्रीय सरकार के प्रस्ताव का विरोध कोई दल नहीं करेगा। लेकिन जिन मसलों पर आम सहमति नहीं बनेगी, उनका विरोध किया जाएगा।

यूपीएफ मोटे तौर पर पूर्व राष्ट्रपति मैत्रिपला सिरिसेना की पार्टी है। इस सदी के पहले दशक में वह सत्ता में थी। लेकिन बाद में इस पार्टी के ज्यादातर बड़े नेता इससे अलग हो गए और उन्होंने श्रीलंका पोडुजना पेरामुना (एसएलपीपी) की स्थापना की, जो पिछले चुनाव में सत्ता में आई थी। विक्रमसिंघे एलएसपीपी के समर्थन से ही राष्ट्रपति बने थे। विक्रमसिंघे जुलाई 2022 में राष्ट्रपति बने थे। तब से वे देश में अहम मुद्दों पर आम सहमति बनाने की अपील करते रहे हैं।

स्थानीय और प्रांतीय चुनावों के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के निजीकरण का मामला भी सरकार और विपक्ष के बीच टकराव का मुद्दा बन गया है। एसजेबी ने शिकायत की है कि निजीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। इसमें टेंडर प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि आर्थिक सुधार लागू करने और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के पुनर्गठन के नाम पर परदे की आड़ में डील किए जा रहे हैं।

हर्षा राजकरुणा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कोलंबो पोर्ट में 14 एकड़ जमीन एक चीनी कंपनी बिना किसी टेंडर प्रक्रिया के दे दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने यह भी पहले से ही फैसला कर लिया है कि श्रीलंका टेलीकॉम और श्रीलंका इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को किसी निजी कंपनी को सौंपा जाएगा।

चीन ब्रिक्स करेंसी को आगे बढ़ाएगा या अपनी मुद्रा को?

केपटाउन।
ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) विदेश मंत्रियों की यहां हुई बैठक में इस समूह की अपनी साझा मुद्रा विकसित करना एक प्रमुख एजेंडा रहा है। इस बार इस बैठक को दो कारणों से खास तव्वजो रही है। उनमें एक है ब्रिक्स करेंसी के विकास की चर्चा और दूसरी वजह ब्रिक्स में नए देशों को शामिल करने का प्रस्ताव।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ ही यहां फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें ब्रिक्स देशों के अलावा 15 अन्य देशों के विदेश मंत्री आए। पर्यवेक्षकों के मुताबिक मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने इन देशों के विदेश मंत्रियों को आमंत्रित कर एक तरह से ब्रिक्स के विस्तार की शुरुआत कर दी है।

इस बीच प्रस्तावित ब्रिक्स करेंसी को लेकर कई हलकों से यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या इस प्रयास में चीन सचमुच शामिल होगा। विश्लेषकों के मुताबिक जिस समय चीन की अपनी मुद्रा युवान की अंतरराष्ट्रीय पैठ बढ़ रही है, संभव है कि किसी बहुराष्ट्रीय मुद्रा को आगे बढ़ाने में उसकी रुचि ना हो। ब्रिक्स बैठक से ठीक पहले अमेरिका की लॉयला यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड में एसोसिएट प्रोफेसर और वित्तीय मामलों के जानकार तुगी चुलउन के एक विशेष लेख ने इस चर्चा को बल दिया है।

चुलउन ने लिखा है कि दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश होने के कारण चीन की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही है। सबसे बड़ा निर्यातक होने के अलावा चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। चीन की इस हैसियत के बावजूद युवान को दुनिया की बड़ी मुद्राओं में नहीं गिना जाता था। लेकिन पिछले साल यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से सूरत बदल गई है। अब अंतरराष्ट्रीय कारोबार में युवान का इस्तेमाल करने वाले देशों की संख्या बढ़ रही है।

चुलउन ने लिखा है- 'वित्त का प्रोफेसर होने और अंतरराष्ट्रीय वित्त का विशेषज्ञ होने के नाते मैं यह समझ पा रहा हूं कि भू-राजनीतिक संघर्ष अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनने की राह में चीन की मुद्रा को कैसे अगले चरण तक ले जा सकता है। और साथ ही इसे भी समझ पा रहा हूं कि इस परिस्थिति के कारण कैसे अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्तमान वर्चस्व का क्षय शुरू हो सकता है।'

'युद्ध के हालात ना बनें, इसके लिए चीन से बातचीत जरूरी'

वॉशिंगटन

सिंगापुर में बीती रात शंगरी-ला डायलॉग डिफेंस समिट हुआ, जिसमें अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू भी शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए लेकिन अमेरिका इससे संतुष्ट नहीं है। दरअसल शंगरी ला डायलॉग से इतर दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच बातचीत होनी थी लेकिन बीते दिनों चीन ने अमेरिका की इस पेशकश को खारिज कर दिया था।

चीन द्वारा बातचीत की पेशकश खारिज होने पर अमेरिका ने निराशा जाहिर की है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि 'अमेरिका का मानना है कि चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए। खासकर हमारे रक्षा और सैन्य नेताओं के बीच बातचीत जरूरी है। जितना ज्यादा हम बातचीत करेंगे, उतनी ही गलतफहमी की आशंका कम होगी। इससे संघर्ष जैसे हालात नहीं बनेंगे।'

उल्लेखनीय है कि चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू को अमेरिका ने साल 2018 में प्रतिबंधित कर दिया था। दरअसल रूसी हथियार खरीदने के चलते ली शांगफू पर यह कार्रवाई की गई थी। माना जा रहा है कि चीनी रक्षा मंत्री के अमेरिका रक्षा मंत्री से बातचीत को खारिज करने की ये भी एक वजह है। हालांकि पेंटागन ने कहा कि प्रतिबंध के चलते आधिकारिक बातचीत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अमेरिका के रक्षा मंत्री ने कहा कि वह चीन द्वारा बातचीत को लेकर अनिच्छा जाहिर करने से बेहद चिंतित हैं। अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस में अमेरिका और सहयोगी देशों के साथ हो रहे खतरनाक इंटरसेप्ट पर भी लॉयड ऑस्टिन ने चिंता जाहिर की। बता दें कि हाल ही में दक्षिण चीन सागर के ऊपर एयरस्पेस में अमेरिका और चीन के लड़ाकू विमान काफी नजदीक आ गए थे। ताइवान और चाइनीज जासूसी गुब्बारे के मुद्दे पर अमेरिका और चीन के रिश्तों में कड़ावहट बढ़ी है। बता दें कि अमेरिका रक्षा मंत्री इन दिनों एशिया के दौरे पर आए हुए हैं।

अमेरिका दौरे पर नेल्सन मंडेला की बराबरी कर लेंगे पीएम मोदी, इस मामले में वाजपेयी से निकलेंगे आगे

वॉशिंगटन।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। बता दें कि पीएम मोदी अपने दौरे पर अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित भी करेंगे। ऐसा करते ही वह महान नेता नेल्सन मंडेला की बराबरी कर लेंगे। वहीं पीएम मोदी के अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने को लेकर इंडिया कॉकस के सांसद काफी खुश हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद और इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना ने बताया कि इंडिया कॉकस ने ही हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के सभापति केविन मैक्कार्थी से अपील की थी कि वह पीएम मोदी को सदन के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करें।

नेल्सन मंडेला की बराबरी कर लेंगे पीएम मोदी – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले 8 जून 2016 को भी अपने अमेरिका दौरे पर अमेरिकी सदन के संयुक्त सत्र को संबोधित कर चुके हैं। अब वह 22 जून को अपने आगामी दौरे पर दूसरी बार अमेरिकी सदन को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी उन कुछ चुनिंदा महान नेताओं

की बराबरी कर लेंगे, जो दो या दो से ज्यादा बार अमेरिकी संसद को संबोधित कर चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति और रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले महान नेता नेल्सन मंडेला और इस्राइल के पूर्व पीएम यित्झाक राबिन भी दो बार अमेरिकी संसद को संबोधित कर चुके हैं। वहीं विस्टन चर्चिल और इस्राइल के मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतान्याहु तीन-तीन बार अमेरिकी सदन को संबोधित कर चुके हैं।

राजीव गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी से आगे निकले – इस मामले में पीएम मोदी अपने पूर्ववर्ती राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ ही मनमोहन सिंह और पीवी नरसिम्हा राव से अपने आगामी अमेरिका दौरे में आगे निकल जाएंगे। ये नेता एक-एक बार अमेरिकी सदन के संयुक्त सत्र को संबोधित कर चुके हैं। राजीव गांधी भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 1985 में पहली बार अमेरिकी सदन को संबोधित किया था। अब अपने आगामी दौरे में पीएम मोदी दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे।

अमेरिकी सांसद उत्साहित – पीएम मोदी के सदन को संबोधित करने को लेकर अमेरिका का भारतीय मूल के सांसद और कई अन्य सांसद काफी उत्साहित हैं। पीएम मोदी को भेजे गए आमंत्रण पत्र में लिखा गया है कि अमेरिकी सदन के दोनों सदनों की तरफ से, यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी कि आप 22 जून 2023 को सदन के संयुक्त सत्र को संबोधित करें। इस आमंत्रण पर केविन मैक्कार्थी, सीनेत के नेता चक शूमर, मिच मक्कॉनेल, हकीम जेफ्री के भी हस्ताक्षर हैं। पीएम मोदी के सदन को संबोधित करने को लेकर कई अमेरिकी सांसद उत्साहित हैं।

कंगाली के दौर में पहुंचा पाकिस्तान,

यूएई और सऊदी अरब ने भी हाथ खड़े किए

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान इन दिनों बदहाली का शिकार हो रहा है। कर्ज का बोझ इतना है कि यूएई और सऊदी अरब ने भी अब हाथ खड़े कर दिए हैं। यहां बीते साल भर से राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक बदहाली जैसी डबल चुनौतियों से जूझ रहा है। भ्रष्टाचार के आरोप में खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तानी राजनीति में अस्थिरता भी चरम पर पहुंच गई। जिससे देश भर के प्रमुख शहरों में हिंसा भड़क गई। हंगामे ने खाड़ी में पाकिस्तान के सहयोगियों, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब के बीच चिंता की लकीरें पैदा कर दी हैं। दोनों देशों ने पहले पाकिस्तान के लिए वित्तीय सहायता का वादा किया था। आंशिक रूप से पाकिस्तान में राजनीतिक अराजकता को बढ़ावा देना देश की गंभीर आर्थिक स्थिति है। मुद्रास्फीति हाल ही में 35.4 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में ही पाकिस्तानी रुपये की कीमत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आधी हो गई है। सरकार के लिए शायद सबसे गंभीर बात यह है कि पाकिस्तान बाहरी कर्ज संकट का सामना कर रहा है।

जानकारी के अनुसार दिसंबर 2022 में इस्लामाबाद की बाहरी देनदारियां 126 बिलियन डॉलर से अधिक थीं। उच्च ब्याज दरों और मजबूत ग्रीनबैक के माहौल के बीच, ये डॉलर-मूल्यवान ऋण सेवा के लिए अधिक महंगे हो गए हैं। विशेष रूप से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के रूप में -

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने दिसंबर में घोषणा की कि उसका विदेशी मुद्रा भंडार चार साल के निचले स्तर 6.7 बिलियन डॉलर तक गिर गया है। इस बात की चिंता बढ़ रही है कि इस्लामाबाद अपने ऋणों पर चूक करेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) डिफॉल्ट से बचने के लिए बेलआउट पैकेज को लेकर पाकिस्तान के साथ बातचीत कर रहा है। 2019 में पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ 6 बिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके एक साल बाद 1 बिलियन डॉलर के समझौते पर सहमति बनी। कराची में एक ब्रोकरेज हाउस, टॉपलाइन सिक्योरिटीज के सीईओ मोहम्मद सोहेल ने बताया कि इस तरह की मांग प्रक्रिया का एक सामान्य हिस्सा है, लेकिन इस बात पर संदेह है कि क्या यूएई और अन्य सहयोगी बढ़ते राजनीतिक संकट को देखते हुए आगे धन की पेशकश करने के लिए तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि चीन, यूएई और सऊदी अरब पहले ही आईएमएफ को प्रतिबद्धता प्रदान कर चुके हैं। हालांकि, करीब 2 अरब डॉलर की प्रतिबद्धताएं अभी भी लंबित हैं। वर्तमान राजनीतिक अस्थिरता के बीच यूएई और सऊदी अरब पाकिस्तान का साथ देता है, तो यह जोखिमों से भरा होगा। दोनों देशों के पाकिस्तान के साथ मजबूत व्यावसायिक रिश्ते हैं। लगभग 20 करोड़ से अधिक आबादी वाला पाकिस्तान सऊदी अरब और यूएई दोनों देशों के लिए एक बड़ा बाजार है। पाकिस्तान के आर्थिक संकट से पाकिस्तान-गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल ट्रेड डील की व्यावहारिकता पर भी सवाल उठ सकते हैं।

अमेरिका में शाही परिवार की हवेली के पास दिखाई दिए एलियंस

न्यूयॉर्क। दुनिया के कई देशों में एलियंस के यान यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) देखने के दावे होते रहे हैं। कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया में किसानों ने भी कहा था कि एलियंस आते हैं और उनकी गायों के कान, नाक काटकर ले जाते हैं। एक पायलट ने भी आसमान में यूएफओ द्वारा पीछा करने की बात कही थी। अब इन बातों में कितनी सच्चाई है, इसकी तब जांच एक्सपर्ट कर रहे हैं। इसी बीच ब्रिटिश शाही परिवार के घर तक एलियन के पहुंचने की बात सामने आई है। अमेरिका में स्थित उनकी हवेली के बिल्कुल करीब एक गोलाकार चीज देखी गई है, जिसे एलियन का यान यानी उड़नतस्तरी बताया जा रहा है।

राजस्थान वर्ष 2030 तक बनेगा देश का नंबर वन राज्य : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के कुशल प्रबंधन के कारण राजस्थान हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। सरकार की अनूठी जनकल्याणकारी योजनाओं की देशभर में सराहना हो रही है। गहलोत ने कहा कि राज्य के विकास को और अधिक गति देने के लिए 19 नए जिलों की घोषणा की गई है। सांचौर को जिला बनाने से क्षेत्र तेजी से विकास करेगा। यहां विभिन्न प्रशासनिक इकाइयां स्थापित होने से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा। मूलभूत सुविधाओं की पहुंच भी आमजन तक सुगम हो सकेगी। गहलोत शनिवार को सांचौर में 2210 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की पेयजल व सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि राजस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राज्य में 1 लाख

किलोमीटर लंबाई की सड़कें बनाई जा रही हैं जिनमें से 56 हजार किमी. सड़कें बन चुकी हैं तथा 44 हजार किमी. सड़क निर्माण कार्य जारी है। राज्य सरकार का ध्येय है कि सभी के सहयोग से राजस्थान वर्ष 2030 तक विकास के हर क्षेत्र में देश का नंबर वन राज्य बने। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सांचौर में देवनारायण आवासीय छात्रावास और राजीव नगर ग्राम पंचायत में 33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को महंगाई से राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा महंगाई राहत कैम्प लगाए जा रहे हैं। देशभर में आज जनता महंगाई की मार से परेशान है। इन शिविरों के माध्यम से 10 योजनाओं के द्वारा लोगों को अधिकतम राहत पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान सरकार की योजनाएं पूरे देश में चर्चा का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं। इसी कड़ी में अब राज्य सरकार 1 करोड़ 35 लाख महिलाओं को 3 साल की इंटरनेट सुविधा के साथ मोबाइल फोन नि:शुल्क देने जा रही है। प्रथम चरण में राज्य की 40 लाख महिलाओं को मोबाइल फोन दिए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में आईआईटी, आईआईएम, निफ्ट जैसे विश्व स्तरीय संस्थान खुले हैं। राज्य में गत चार साल में 303 नए कॉलेज खोले गए हैं इनमें 130 गर्ल्स कॉलेज शामिल हैं। आरटीई के तहत 12वीं कक्षा तक शिक्षा नि:शुल्क कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार ने जीरो टोलरेंस नीति अपनाते हुए भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पेपरलीक की रोकथाम के लिए कानून बनाया गया है। पेपरलीक में लिप्त असामाजिक तत्वों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रशासन शहरों के संग अभियान एवं महंगाई राहत कैम्प का अवलोकन किया तथा लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान लाभार्थियों ने सांचौर को जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। श्रम राज्यमंत्री सुखराम विश्नोई ने सांचौर को जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पिछले चार साल में राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र में कई विकास कार्यों की सौगात दी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल 825.96 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। वहीं 1384.29 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों को शिलान्यास किया।

बीएसएफ ने बरामद की 38 करोड़ की हेरोइन

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सीमा पार से आई करीब 38 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के अनुसार बीती रात जवान अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में श्त कर रहे थे। उसी दौरान गांव राय के करीब उन्हें ड्रोन की आवाज सुनाई दी। बीएसएफ जवानों ने ड्रोन की मूवमेंट पर नजर रखी। इसी दौरान ड्रोन ने कुछ पैकेट भारतीय क्षेत्र में गिराए। बीएसएफ ने शनिवार की सुबह पूरा क्षेत्र सील करके तलाशी अभियान चलाया तो खेतों में पीले रंग का एक बड़ा पैकेट मिला। जवानों ने पैकेट खोला तो उसमें से पांच छोटे पैकेट मिले, जिनमें हेरोइन थी। इसका वजन 5.5 किलो था। इसका सैंपल लेकर इसे जांच के लिए भेज दिया गया है। पकड़ी गई हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 38 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। बीएसएफ द्वारा पंजाब पुलिस के साथ मिलकर यह पता लगाया जा रहा है कि भारतीय क्षेत्र में यह हेरोइन की खेप किस व्यक्ति के लिए भेजी गई थी।

सीएम गहलोत भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ जांच के लिए एसीबी को क्यों आदेश नहीं दे रहे : जोशी

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार मामलों को लेकर गहलोत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट अफसरों और कर्मचारियों में कानून और प्रशासन का डर समाप्त हो चुका है क्योंकि एसीबी में दर्ज 500 से ज्यादा मामले ऐसे हैं जिसमें आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की अभियोजन स्वीकृति अधर में है। सिर्फ 13 मामलों में मंजूरी मिली है और 29 में स्पष्ट मना कर दिया गया। इससे यह माहौल बन गया है कि यदि एसीबी पकड़ भी लेती है, तो लचर कानून व्यवस्था के चलते वे इससे बरी हो जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत भले ही पिछले साढे 4 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार में लिप्त कार्मिकों के खिलाफ सर्वाधिक कार्रवाई को लेकर अपनी पीठ थपथपा लें लेकिन वास्तविकता में आंकड़े इसके बिल्कुल विपरीत हैं। मुख्यमंत्री गहलोत स्वयं भ्रष्टाचार पर अपनी जीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने एसीबी को बिना दांत और पंजों वाला शेर बना दिया है जो सिर्फ गुर्रा सकता है, कुछ बिगाड़ नहीं सकता। कांग्रेस सरकार आने के बाद एसीबी ने पिछले साढ़े 4 वर्ष में सैकड़ों मामले दर्ज किए लेकिन 500 से ज्यादा मामले ऐसे हैं, जिनमें रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के बावजूद उन अधिकारियों तथा कर्मचारियों के खिलाफ उनके विभागों से अभियोजन स्वीकृति नहीं मिल रही। क्या प्रदेश के अफसरों पर मुख्यमंत्री की इतनी पकड़ भी नहीं है कि वह इन मामलों पर तुरंत स्वीकृति दे या फिर स्वयं मुख्यमंत्री ही नहीं चाहते कि भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई हो। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने यह भी कहा कि एसीबी को पूर्णकालिक डीजी कब तक मिलेगा।

सोनीपत: चार साल के कार्यकाल में जेजेपी में लोगों का विश्वास बढ़ा है : दुष्यंत चौटाला

सोनीपत (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गन्नौर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में जन संपर्क अभियान के अंतर्गत शनिवार को लोगों से मिले समस्याएं सुनी। लोगों के दु:ख दर्द में कार्यकर्ताओं का हालचाल जानने उनके घरों में भी गए हैं। उन्होंने कहा कि 4 साल के कार्यकाल में बहुत सारे नए कार्यकर्ता उनकी पार्टी जेजेपी से जुड़े हैं, लोगों ने विश्वास जताया है। उन्होंने रजिस्ट्री के मामले में कहा कि इस मामले की एफसीआर को इन्वेस्टिगेशन करने के लिए मार्क कर दी गई थी। एफसीआर की तरफ से रिपोर्ट नहीं आई है। जैसे ही रिपोर्ट आएगी, कार्रवाई की जाएगी और ऐसा एक मामला नहीं है, गन्नौर में भी ऐसा मामला विधायक द्वारा बताया गया था। इस मामले के बाद अधिकारी को तुरंत प्रभाव से हेडक्वार्टर में शिफ्ट करवा दिया गया था। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में गठबंधन सरकार जनहित के लिए काम करती है और प्रदेश संबंधित एक कोई मामला हो और अगर उसमें हरियाणा सरकार कोई कार्य ना करें तो बताइए हम करेंगे। सोनीपत समय पर कई जिलों में नागरिक अस्पताल में दवाई कम होने को लेकर कहा कि अस्पताल में कोई स्पेसिफिक की दवाई उपलब्ध नहीं है तो एमईआर से जल्द से जल्द बोलकर इंडेंट क्लियर करवा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शहरी व ग्रामीण अंचल के 22 कार्यक्रम किए हैं। इसमें उल्देपुर सरपंच संदीप, पांची जाटान में सोमबीर, उदेशीपुर में भाना राम, अगवानपुर में रामचंद्र, शेखपुरा में सरपंच कर्मबीर पहलवान, खेड़ी रोड गांधी नगर गन्नौर में मीरा चौहान, रेलवे पार्क रोड गन्नौर में अमित उर्फ बंटी, पुष्प गार्डन में हलका प्रधान अनिल त्यागी, गांव बड़ी में नवीन कौशिक, गन्नौर गांव में धर्मबीर प्रजापत, पूर्व चेयरमैन सुनील लंबू, बसंत विहार में नरेश मितल, प्रदीप सोभती, मनीषा बंसल, रमेश नाथ, गौरव त्यागी, डा. कृष्ण, गौशाला प्रधान मांगेराम त्यागी, दिनेश आर्य, शाहपुर तगा पूर्व चेयरमैन लालमन त्यागी, बेगा में रवि के यहां कार्यक्रमों में शिरकत की।

सरपंचों व ग्रामीणों ने किया पंचायत मंत्री के कार्यक्रम का विरोध, दिखाए काले झंडे

फतेहाबाद (हिंस)। ग्रामीण दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में भट्टू मंडी पहुंचे देवेंद्र बबली का सरपंच एसोसिएशन के आह्वान पर ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। लोगों के विरोध के चलते भट्टू में माहौल तनावपूर्ण बना रहा। पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली कई घंटे देरी से कार्यक्रम में पहुंचे। ग्रामीणों व सरपंचों के विरोध को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल गांव में तैनात किया गया है। मौके पर किसी भी हालात से निपटने के लिए एसपी आस्था मोदी स्वयं मोर्चे पर डटी हुई थी। यहां पर वाटर कैनन व वरुण वज्र वाहन भी तैनात हैं। मंत्री के काफिले को आता देख कर ग्रामीणों ने जोरदार नारेबाजी की और काले झंडे भी लहराये। भट्टू में सरपंच एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता चंद्रमोहन पोटलिया के आह्वान पर शनिवार को काफी संख्या में ग्रामीण पंचायत बबली के विरोध के लिए कार्यक्रम स्थल के निकट पहुंचे हुए हैं। प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए भारी पुलिस बल यहां तैनात कर दिया है। चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई है। एसपी आस्था मोदी भी मामले की नजाकत को देखते हुए मौके पर पहुंचीं और व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर लोगों को कार्यक्रम के स्थल के बाहर ही रोका गया है। यहां दोनों पक्ष आमने-सामने थे। वहीं पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली अपने तय समय से कई घंटे देरी से पहुंचे। उनके काफिले को देखकर प्रदर्शनकारी नारेबाजी करने लगे। नारों के बीच से ही बबली का काफिला कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ा। प्रदर्शन से पूर्व डीएसपी अजायब सिंह सरपंच चंद्रमोहन पोटलिया को समझाने भी गए लेकिन सरपंच व ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि बबली जिस रूट से आएंगे, वे वहां खड़े होकर अपना विरोध दिखाना चाहते हैं। यदि रूट डायवर्ट किया तो लोग बैरिकेडिंग तोड़ देंगे। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान चन्द्रमोहन पोटलिया ने कहा कि पंचायतों को खत्म करने के लिए जो काले कानून लेकर आए हैं, तभी से प्रदेशभर के सरपंच इनका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्हें सूचना मिली कि पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली उनके भट्टू क्षेत्र के गांवों में कार्यक्रम करने जा रहे हैं तो भट्टू के सरपंचों ने उनका विरोध करने का निर्णय लिया।

कांग्रेस का चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट

कार्यकर्ताओं के फीडबैक से बन रहा प्रत्याशियों का रिपोर्ट कार्ड

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कांग्रेस में ऊपरी स्तर पर भले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच रिश्तों पर बर्फ जम रही हो, लेकिन अंदरखाने विधानसभा चुनावों की तैयारियां शुरू हो गई है। पार्टी राजस्थान में अपना चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट शुरू कर चुकी है। विधानसभा में किस नेता को बेहतर परफॉर्मेंस के आधार पर दोबारा टिकट मिले, किस वर्तमान विधायक या प्रत्याशी के प्रति जनता में नाराजगी है इसका पता लगाकर दूसरे नेताओं को मौका देने का वैचारिक स्तर पर काम शुरू हो चुका है। यह काम राजस्थान कांग्रेस के सह प्रभारी बनाए गए तीनों नेता जिलों में घूमकर वहां मिल रहे फीडबैक के आधार पर कर रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार कैसे रिपीट करे, यह जानने के लिए तीनों सह प्रभारी अपने-अपने जिलों में लगातार कैंप कर रहे हैं। विधायकों के साथ साथ प्रत्याशियों का फीडबैक भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सीधे ले रहे हैं। सह प्रभारी अपने पास पहले से मौजूद सर्वे रिपोर्ट और अपने फीडबैक के अनुसार एक रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। यही रिपोर्ट तय करेगी कि किस विधायक या टिकट मांग रहे प्रत्याशी के जीतने के कितने आसार हैं। उसी के आधार पर उस क्षेत्र के प्रत्याशी तय किए जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कार्यकर्ताओं में एक बात की सर्वाधिक चर्चा है कि सरकार के काम इस बार बेहतरीन रहे हैं, लेकिन क्षेत्र के कुछ विधायकों के प्रति नाराजगी बनी हुई है। यही कारण है कि विधायकों का रिपोर्ट कार्ड अलग अलग स्तरों पर तैयार किया जा रहा है। जिस विधायक के प्रति एंटी इनकमबेंसी होगी उसका टिकट काटने में पार्टी संकोच नहीं करेगी। पार्टी चाहती है कि जिन नेताओं के टिकट कटे उन्हें नाराज करने के बजाय उन्हें साथ लेकर चुनाव मैदान में उतरा जाए। इसी के चलते विधायकों को भी जानकारी दी जा रही है कि सर्वे में उनके प्रति लोगों का क्या फीडबैक है? अगर आगे होने वाले सर्वे में भी नतीजा यही रहा तो उनका टिकट कट सकता है। ऐसा कर के विधायकों को क्षेत्र में अपना परफॉर्मेंस सुधारने का मौका दिया जा रहा है ताकि जब टिकट कटे तो बगावत का खतरा कम से कम हो। कांग्रेस प्रदेश सहप्रभारी अमृता धवन ने माइक्रोमैनेजमेंट की बात को स्वीकार करते हुए बताया कि पार्टी का टिकट वितरण का प्रोसेस लेयर में है। हमारा फीडबैक होगा, स्क्रीनिंग कमेटी आएगी उसका फीडबैक होगा। कांग्रेस में डेमोक्रेटिक सेटअप है। हमारे प्रभारी हैं, हम सह प्रभारी हैं, स्क्रीनिंग कमेटी भी आने वाले समय में आएगी। एक प्रक्रिया है, कुछ सर्वे होंगे। सर्वे के आधार पर ही हम कर्नाटक बहुत अच्छी तरह जीत के आए हैं। ऐसे ही सर्वे के बेस पर लोगों और कार्यकर्ताओं का जो फीडबैक है उसके आधार पर हर सीट पर स्टडी की जा रही है।

राष्ट्र आज विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर

सनातन ही कर सकता है दुनिया का नेतृत्व : डॉ. शरद रेणु

जोधपुर (हिंस)। वैदिक मंत्रों के साथ योगासनों, दंड, यष्टि, नियुद्ध, योगचाप का प्रदर्शन करती युवतियों ने घोषवादन के साथ विभिन्न रचनाओ का प्रदर्शन किया। यह ओजपूर्ण दृश्य साकार हुआ प्रताप नगर की आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में जहां सेविका समिति के 15 दिवसीय प्रवेश व प्रबोध वर्ग के प्रशिक्षण शिविर का समापन भव्य समारोह के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ. नूपुर भाटी ने प्रशिक्षार्थियों को जीवन में न्यायप्रिय बन कर संघर्ष करते हुए आगे बढने की प्रेरणा दी। जस्टिस भाटी ने कहा कि हम सभी सेविका बहनें एक हनुमान की तरह है जो अपनी शक्ति भूल गई है और राष्ट्र सेविका समिति एक जामवंत की तरह है, जो भूली हुई शक्ति को याद दिला कर हमें जागृत कर रही है। हमें भी जागृत रहकर अपना, परिवार, समाज और राष्ट्र का रक्षण और संरक्षण करना है। अपनी संस्कृति को बचाकर रखना है। मुख्य वक्ता समिति की अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डॉ. शरद रेणु ने समिति की स्थापना, कार्य व उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। डॉ.

रेणु ने कहा भारत भूमि, देव भूमि पुण्य भूमि है इसकी सीमाएं अफगानिस्तान तक फैली हुई थी। बप्पा रावल, चंद्रगुप्त मौर्य, कृष्णदेव राय, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी व पृथ्वीराज चौहान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इनके शौर्य, पराक्रम और त्याग से ही अपना हिंदूत्व बचा रहा है। राम मंदिर की स्थापना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अपने राष्ट्र के प्रेरणा पुरुष श्रीराम के जन्म स्थान को बचाने के लिए हिंदूओं ने लंबा संघर्ष और बलिदान दिया है। हमारे लिए वह गौरव का पल था, जब इसकी स्थापना के लिए भारत के प्रधानमंत्री ने नींव रखी। नई संसद भवन को भी याद करते हुए उन्होंने कहा की इसके उद्घाटन पर सिंगोल दंड की स्थापना भी अविस्मरणीय पल रहा है। इसी लिए आज हम विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है सनातन धर्म ही है जो दुनिया को सही राह दिखा नेतृत्व कर सकता है । मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में एम्स में सेवारत प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ. पंकजा राघव व जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता अरोड़ा मौजूद रही। एकल गीत व सामूहिक गीत का गायन किया गया। प्रबोध वर्गाधिकारी धन्नपूर्णा गहलोत ने बताया कि प्रदेश के 3 प्रान्तों के 9 विभागों से 15 तथा जिलों के 19 स्थानों से 29 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। प्रवेश वर्ग की अधिकारी राखी चौधरी ने बताया कि प्रवेश वर्ग में 111 प्रशिक्षार्थियों सहित 156 की संख्या रही। क्षेत्र कार्यवाहिका प्रमिला शर्मा ने क्षेत्र में समिति द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। समारोह में प्रान्त प्रचारिका ऋतु शर्मा व प्रान्त कार्यवाहिका डॉ. सुमन रावलोत ने सभी का आभार जताया। राष्ट्र सेविका समिति इस प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह व प्रदर्शन को देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

राजस्थान में फिर से बनेगी कांग्रेस सरकार : वीरेंद्र सिंह

झालावाड़ (हिंस)। राजस्थान कांग्रेस सहप्रभारी विरेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा है कि गहलोत सरकार की नीतियां और हमारे संगठन की ताकत से इस बार फिर से हमारी कांग्रेस की सरकार बनेगी। राजस्थान में भले ही एक बार कांग्रेस एक बार बीजेपी का सरकार बनने का सिस्टम रहा हो, लेकिन इस बार सरकार की नीतियां इस मिथक को तोड़कर कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में 10 साल से कांग्रेस चुनाव हार रही है। वह पहली बार आए हैं जो भी कमियां है। उनका आकलन कर संगठन में ऊपर तक बात रखेंगे और सभी को एक साथ एक मंच पर लाकर चुनाव में ताकत दिखाएंगे। राठौड़ ने सर्किट हाउस में प्रेस से बात करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए जिला स्तर पर संगठन की समीक्षा करने में झालावाड़ पहुंचे हैं। इस दौरान ब्लाक कमेटी अध्यक्षों ओर कार्यकर्ताओं से मिलकर पूरा दिन बात करेंगे।

दरबार साहिब परिसर में चार बम होने की सूचना से मचा हड़कंप

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर स्थित दरबार साहिब परिसर में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। किसी व्यक्ति ने शुक्रवार की रात यह सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में दी। इसके बाद कई घंटे तक पुलिस ने स्वर्ण मंदिर परिसर में सर्च आपरेशन चलाया। इस बीच पुलिस ने एक निहंग को संदेह के आधार पर काबू कर लिया है। आपरेशन ब्लू स्टार की बरसी से पहले इस सूचना को लेकर पुलिस सतर्क हो गई है। पंजाब में पहले ही छह जून के मद्देनजर अलर्ट घोषित किया गया है। हालांकि दरबार साहिब परिसर में मई माह के दौरान तीन बार धमाके हो चुके हैं। यहां सबसे पहली बार 6 और 7 मई की रात विरासती मार्ग पर धमाका हुआ था। उसके बाद 8 मई सुबह और 10 और 11 मई की रात भी यहां धमाका हुआ था। इसके बाद पुलिस काफी एहतियात बरत कर चल रही है। इसी दौरान शुक्रवार की मध्य रात्रि के बाद स्वर्ण मंदिर के पास 4 बम होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस दरबार साहिब परिसर में पहुंची तो वहां पर संगत मौजूद थी। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए संगत की मौजूदगी में ही सर्च आपरेशन चलाया। इस बारे में किसी को कुछ नहीं बताया गया। रात भर सर्च अभियान चलाने के बाद पुलिस को इस पूरी कार्रवाई में बम नहीं मिले। फोन की लोकेशन के आधार पर जांच की गई तो पुलिस ने एक निहंग और उसके चार बच्चों को हिरासत में लिया है। जांच में पता चला कि जिस फोन से कॉल की गई वह चोरी का था, जिससे निहंग और उसके बच्चों ने शरारत की थी। पुलिस ने निहंग और बच्चों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

ओडिशा : ट्रेन दुर्घटना वाले मार्ग पर लगाए गए टक्कर रोधी उपकरण की जांच होनी चाहिए : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनागर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए कि क्या टक्कर रोधी उपकरण उस मार्ग पर लगाया गया था जहां ओडिशा के बालासोर में भीषण ट्रेन दुर्घटना हुई थी और इसके लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। इस दुर्घटना में 238 ज्यादा लोगों की जानें गई हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में माननीय रेल मंत्री ने घोषणा की कि उन्हें अब एक ऐसा बड़ा उपकरण मिल गया है जिससे ये दुर्घटनाएं नहीं होंगी। मुझे लगता है कि इसकी जांच होनी चाहिए कि क्या वह डिवाइस वहां था और अगर था तो काम क्यों नहीं कर रहा था? यह एक बड़ी आपदा है जो देश में लंबे समय से नहीं हुई है। मुझे लगता है कि हम सभी जानना चाहते हैं कि क्या हुआ। श्रीनगर से लोकसभा सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह देश के लिए बहुत दुखद दिन है क्योंकि तीन ट्रेनों में एक बड़ा हादसा हो गया। उन्होंने कहा कि इसके बारे में चौंकाने वाली बात यह है कि जब एक ट्रेन पटरी से उतरी, तो कोई रास्ता नहीं था कि वे रास्ते में आने वाली अन्य ट्रेनों को सूचित कर सकें। उन्होंने कहा कि हम सभी जानमाल के नुकसान के लिए दुखी हैं। हम उनकी आत्मा के लिए प्रार्थना करते हैं। वहीं कई लोग घायल भी हुए

हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हम उनके ठीक होने की प्रार्थना करते हैं। हम कामना करते हैं कि इस देश में फिर कभी ऐसा हादसा न हो। इसी बीच रेलवे सुरक्षा आयुक्त दक्षिण पूर्वी सर्किल की अध्यक्षता में ट्रेन दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच शुरू करने वाली भारतीय रेलवे ने स्पष्ट किया है कि मार्ग पर एंटी-ट्रेन टक्कर प्रणाली कवच उपलब्ध नहीं थी। भारतीय रेलवे के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने कहा कि बचाव अभियान पूरा कर लिया गया है। अब हम जीर्णोद्धार का काम शुरू कर रहे हैं। कवच इस मार्ग पर उपलब्ध नहीं था।

कुम्हारों को समृद्ध बनाएगी आईआईटी की *माटी कला* कार्यशाला

कानपुर (हिंस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने रणजीत सिंह रोजी शिक्षा केंद्र में मिट्टी के बर्तन बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। 30 मई से प्रारम्भ कार्यशाला का तीन जून शनिवार तक चले उन्नत भारत अभियान का समापन हुआ। *माटी कला* नामक कार्यशाला का उद्देश्य मिट्टी के बर्तन बनाने के नए तरीकों के साथ बिठूर के कुम्हारों को तैयार करना है। आरएसके में गतिविधियों का समन्वय कर रही रीता सिंह के मुताबिक, यह केंद्र बिठूर और उसके आसपास के गांवों के 100 से अधिक कुम्हारों से जुड़ा है। इस पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य 10 चयनित कुम्हारों के साथ काम कर उन्हें कौशल और ज्ञान देना था। धीरे-धीरे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा और बाजार में उनकी अपील बेहतर होगी। गोंडा के उस्ताद कारीगर और राज्य पुरस्कार विजेता हरि राम ने कुम्हारों को प्रशिक्षण दिया। एक बातचीत में उन्होंने बताया कि हम युगों से चली आ रही इस खूबसूरत कला को सहेजना चाहते हैं। प्लास्टिक और मशीन से बने उत्पादों के आने से मिट्टी के बर्तनों से जुड़ी गतिविधियां कम हो गई हैं। उन्हें

लगता है कि नया उत्पाद जो बाजार की मांग से मेल खाता है, दस्तकारी मिट्टी के बर्तनों को बचा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान कुम्हारों ने न केवल मिट्टी के बर्तन बनाने के नए तरीके सीखे बल्कि आईआईटी कानपुर की ढलाई प्रयोगशाला, कानपुर विश्वविद्यालय की मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रयोगशाला और लता क्रिएशन (मिट्टी के बर्तन बनाने का कारखाना) का दौरा भी किया। अंत में प्रतिभागियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और उन्हें प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतिभागी युवा कुम्हार थे जो पचौर, मंधाना, नारामऊ, बैकुंठपुर, लक्ष्मीपुरवा और तात्या टोपे नगर से आए थे। मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर कल्लोल मंडल ने सरफेस फिनिश में कास्टिंग और इनोवेशन के टिप्स दिए। डिजाइन विभाग के प्रोफेसर सत्यकी रॉय ने उच्च गुणवत्ता वाली फिनिश हासिल करने और विशिष्ट बाजारों की खोज के बारे में बात की। जिला उद्योग केंद्र कानपुर के महाप्रबंधक एसएल यादव ने तैयार उत्पादों की सराहना की और विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया, जिसका लाभ कुम्हार अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए उठा सकते हैं। प्रोफेसर संदीप सांगल और प्रोफेसर सुधांशु शेखर सिंह, प्रोफेसर शतरूपा रॉय भी मौजूद थे। प्रतिभागी विकास के अवसर को गले लगाने के लिए उत्सुक हैं, और उन्होंने अपने कलात्मक क्षितिज को सीखने और विस्तारित करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए कार्यशाला की पेशकश की अपार संभावनाओं को पहचाना। आईआईटी कानपुर में *माटी कला* मिट्टी के बर्तनों की कार्यशाला आयोजकों और प्रतिभागियों दोनों की प्रतिबद्धता और जुनून के लिए एक वसीयतनामा के रूप में है। इस पहल के माध्यम से रणजीत सिंह रोजी शिक्षा केंद्र का उद्देश्य प्राचीन कलात्मकता और आधुनिक मांगों के बीच की खाई को पाटना है, जिससे एक समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके जहां मिट्टी के बर्तनों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पनपती रहे।

औसतन 16 दिन में ही मिल रहा इनकम टैक्स रिफंड: आपको अभी तक नहीं मिला है रिफंड, ऑनलाइन चेक कर सकते हैं इसका स्टेटस

नई दिल्ली।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा रिफंड देने के औसत समय में कमी आई है। 2022-23 में रिटर्न दाखिल करने के पहले 30 दिनों में 80प्रतिशत रिफंड जारी हुए। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड प्रमुख नितिन गुप्ता ने कहा कि नई तकनीक से औसत समय 2022-23 में घटकर केवल 16 दिन रह गया। पहले यह 26 दिन था।

ऐसे चेक कर सकते हैं अपने रिफंड का स्टेटस करदाता पर जा सकते हैं। रिफंड स्टेटस पता लगाने के लिए यहां दो जानकारी भरने की जरूरत है - पैन नंबर और जिस साल का रिफंड बाकी है वो साल। अब आपको नीचे दिए गए कैप्चा कोड को भरना होगा। इसके बाद क्लिक करते ही स्टेटस आ जाएगा।

बैंक अकाउंट की गलत जानकारी देना

अभय शर्मा (पूर्व अध्यक्ष इंदौर चार्टर्ड अकाउंटेंट शाखा) कहते हैं कि हाल ही में कई बैंकों को दूसरे बैंकों में मर्ज किया गया है। ऐसे में कई बैंकों के कोड बदल गए हैं। अगर आपने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में अपने बैंक अकाउंट की जानकारी अपडेट नहीं की है तो आपका रिफंड अटक सकता है। आप घर बैठे ही पर जाकर इसे अपडेट कर सकते हैं।

बैंक अकाउंट का प्री-वैलिडेट होना जरूरी

जिस बैंक खाते में इनकम टैक्स रिफंड आना है उस बैंक खाते को प्री-वैलिडेट (पहले से सत्यापित) करा लें। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद यदि आपका कोई रिफंड बनता है तो वह आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर के जरिए मिलता है। इसके लिए जरूरी है कि आपका बैंक अकाउंट प्री-वैलिडेट हो ताकि आपको रिफंड मिलने में देरी न हो।

रिटर्न वेरिफाई नहीं करने पर भी लगता है ज्यादा समय

आपने रिटर्न समय पर फाइल कर दिया, लेकिन हो सकता है कि आपने आईटीआर का वेरिफिकेशन नहीं किया। जब तक आप वेरिफाई नहीं करेंगे, आपका रिटर्न प्रोसेस नहीं होगा। यानी, जो आईटीआर आपने दाखिल किया है, उसको वैरिफाई करना जरूरी है। यह भी रिफंड मिलने में देरी का कारण हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

कंपनियों के अधिग्रहण से भी पीछे हट रहा अदाणी समूह

नई दिल्ली। मैक्वेरी की सड़क संपत्तियों को नहीं खरीदने के अलावा अदाणी समूह अब अन्य कंपनियों के अधिग्रहण से भी पीछे हट गया है। बैंकरों ने बताया कि समूह अब बिजली संयंत्र, एक खुदरा कंपनी, ऊर्जा व्यापार और सड़क परियोजनाओं का अधिग्रहण नहीं करने की योजना बनाई है। समूह अब नई संपत्तियों के अधिग्रहण के बजाय नकदी बचाने और ऋणों की समय पूर्व अदायगी पर ध्यान दे रहा है। एक निवेश बैंकर ने कहा कि इस साल की शुरुआत कर बैंकर अदाणी समूह के साथ बिक्री के लिए हर संपत्ति पेश करेंगे। लेकिन समूह अब संपत्तियों की अधिग्रहण के बजाय व्यापार का विस्तार करना चाहता है इसलिए उसने नए अधिग्रहण पर सुस्ती कायम कर दी है। इस साल जनवरी से समूह छत्तीसगढ़ की दबाव वाले कोयला संयंत्र एसकेएस पावर के अधिग्रहण की दौर से बाहर हो गया था। इसी साल फरवरी में, समूह ने 7,000 करोड़ के उद्यम मूल्यांकन पर डीबी पावर की थर्मल पावर एसेट्स हासिल करने की योजना को भी रद्द कर दिया। उसी महीने समूह ने पीटीसी इंडिया के साथ भी चल रही पेशकश से हाथ खींच लिए थे। इसके बाद, समूह ने फ्यूचर रिटेल के साथ भी कोई पेशकश नहीं की। समूह ने संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से फ्यूचर रिटेल की संपत्ति खरीदने के लिए अपनी रुचि पत्र प्रस्तुत कर दिया था। बैंकरों का कहना है अधिग्रहण की दौर से अदाणी समूह के बाहर हो जाने से विदेशी निजी इक्विटी कंपनियों को अवसर मिलेगा, जो पहले से भी भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को खरीदने के इच्छुक हैं। अमेरिकी निजी इक्विटी की प्रमुख कंपनियां के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने के इच्छुक हैं जो बढ़िया रिटर्न देती हैं।

बेमौसम बारिश से 40प्रतिशत तक घटी कूलिंग कंपनियों की बिक्री: सामान्य से कम गर्मी के चलते ज्यादातर लोगों ने एसी, कूलर, फ्रिज खरीदने का प्लान टाला

नई दिल्ली। इस साल कूलिंग प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों का समर सीजन बेमौसम बारिश की भेंट चढ़ गया। पिछले साल के मुकाबले डबल डिजिट (10प्रतिशत से ज्यादा) ग्रोथ की उम्मीद कर रही कंपनियों की बिक्री 35-40प्रतिशत घट गई। मार्च, अप्रैल के बाद मई में भी बारिश और बादलों के चलते गर्मी सामान्य से कम रही। इसके चलते ज्यादातर लोगों ने एसी, कूलर, फ्रिज खरीदने की योजना स्थगित कर दी। आइसक्रीम, कोल्ड-ड्रिंक्स जैसे प्रोडक्ट्स की बिक्री भी घटी। टेलकम पाउडर, ठंडे तेल जैसे प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल की तो नौबत ही नहीं आई। रिटेल बिक्री पर नजर रखने वाले प्लेटफॉर्म बिजोम के मुताबिक, मार्च से मई के बीच शीतल पेय की बिक्री बीते साल के मुकाबले 25प्रतिशत से ज्यादा घट गई। आइसक्रीम की बिक्री में 38प्रतिशत और साबुन की बिकी में 8प्रतिशत गिरावट गई। एसी की बिक्री सबसे ज्यादा 40प्रतिशत तक घट गई। एसी, फ्रिज, कूलर, कोल्ड-ड्रिंक्स, टेलकम पाउडर जैसे प्रोडक्ट्स की सालभर की 50-60प्रतिशत बिक्री 1 मार्च से 15 जून के बीच होती है।

सहारा लाइफ का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से नहीं हुआ मर्जर, केवल पॉलिसीहोल्डर से जुड़ी संपत्ति और देनदारियों का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की इंश्योरेंस इकाई एसबीआई लाइफ की ओर से कहा गया कि कंपनी ने केवल सहारा लाइफ इंश्योरेंस के पॉलिसीहोल्डर से जुड़ी संपत्ति और देनदारियों को लिया है। ये दोनों कंपनियों का मर्जर नहीं है। आरडीएआई की ओर से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस को आदेश दिया गया था कि सहारा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस की दो लाख पॉलिसी की देनदारी और संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाए। इंश्योरेंस रेगुलेटर और डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से सहारा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस की वित्तीय स्थिति खराब होने को देखते हुए पॉलिसी होल्डर के प्रति जिम्मेदारी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस को दी गई है। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस की ओर से कहा गया है कि सहारा के दो लाख पॉलिसीहोल्डर्स को अपने ग्राहक को तरह अच्छी सर्विस मुहैया कराएगी।

जमीनी स्तर पर भी कम हुई महंगाई

टमाटर 50 फीसदी सस्ता, खाद्य तेलों की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

खुदरा महंगाई के अप्रैल में गिरकर 4.7 फीसदी पर पहुंचने का असर जमीनी स्तर पर भी दिख रहा है। जरूरी वस्तुओं की कीमतों में भारी कमी आई है। टमाटर एक साल में 50 फीसदी सस्ता हुआ है, खाने वाले तेलों की कीमतें भी घटी हैं। गेहूं, चावल, आटा और दाल के दाम अभी भी ऊपर बने हुए हैं।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, दो जून, 2023 को आलू की कीमत प्रति किलो 21.33 रुपये थी, जो एक साल पहले 24.12 रुपये थी। प्याज का दाम 23.81 से घटकर 22.34 रुपये, चाय की कीमत 284.21 से घटकर 275.61 रुपये और टमाटर की कीमत 52 रुपये किलो से कम होकर 25 रुपये किलो पर आ गई है।

आंकड़े बताते हैं कि जरूरी वस्तुओं में ज्यादातर के दाम एक साल में घटे हैं। हालांकि, इसी दौरान चावल का दाम 36.16 रुपये किलो से बढ़कर 39.49 रुपये किलो, गेहूं की कीमत 27.51 रुपये से बढ़कर 29.09 रुपये और आटा की कीमत 31.31 से बढ़कर 34.31 रुपये किलो पर पहुंच गई है। चना दाल का दाम 73.95 से बढ़कर 74.68 रुपये, उड़द दाल का दाम 105.09 से बढ़कर 110.58 रुपये किलो हो गया है। इसी तरह मूंगदाल की कीमत 102.80 रुपये से 109.16 रुपये, चीनी की कीमत 41.75 से बढ़कर 42.62 रुपये और मूंगफली तेल की कीमत 186 से बढ़कर 190 रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि, मसूर दाल इसी दौरान 96.85 से घटकर 92.33 रुपये किलो पर आ गई है। यह कीमतें पूरे देश में औसत आधार पर हैं।

मार्च में गिरकर 5.66 फीसदी पर आ गई थी महंगाई दर

खुदरा महंगाई लगातार घट रही है और मार्च में यह गिरकर 5.66 फीसदी पर आ गई थी, जबकि फरवरी में 6.44 फीसदी पर थी। महंगाई घटने से आरबीआई ने रेपो दर में वृद्धि का सिलसिला भी रोक दिया है। जानकारों का मानना है कि आगे खुदरा महंगाई में और कमी आ सकती है, जिससे दरों में वृद्धि भी रुक जाएगी।

महंगाई रोकने के लिए केंद्र सरकार ने तय की दाल भंडारण की सीमा

केंद्र सरकार ने थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, आयातकों और मिलों के लिए अक्तूबर तक अरहर और उड़द दाल के भंडारण की सीमा तय कर दी है। जमाखोरी रोकने और भारतीय खान पान के अहम हिस्सा इन उत्पादों की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए यह कदम उठाया है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जो तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गया है।

आदेश के मुताबिक, थोक विक्रताओं के लिए अरहर और उड़द प्रत्येक की 200 टन और खुदरा विक्रताओं और खुदरा दुकानों के लिए 5 टन स्टॉक रखने की सीमा तय की गई है। बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता अपने डिपो में प्रत्येक का 200 टन तक भंडारण कर सकते हैं। मिलों के लिए उनके आखिरी तीन महीने के उत्पादन या वार्षिक संस्थापित क्षमता के 25 प्रतिशत में से जो भी अधिक है, उतने के भंडारण की सीमा निर्धारित की गई है।

इसी तरह आयातकों को सीमा शुल्क से निकासी के बाद 30 से अधिक समय तक स्टॉक रखने की अनुमति नहीं होगी। उपभोक्ता सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि भंडारण सीमा का यह आदेश 31 अक्तूबर तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए है। बता दें कि अरहर दाल का अखिल भारतीय औसत मूल्य 2 जिन को 122.68 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो एक साल पहले के 103.25 रुपये किलोग्राम की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, उक्त अवधि में उड़द दाल की कीमत 110.58 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो एक साल पहले के 105.05 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 5.26 फीसदी ज्यादा है।

बढ़ते फ्लाइट किराए पर लग सकती है लगाम

इस साल फ्लीट में 115 विमान जोड़ेंगी कंपनियां, गो फर्स्ट की सर्विस बंद होने से बढ़ी समस्या

नई दिल्ली।

बढ़ते यात्रियों की डिमांड पूरी करने के लिए घरेलू एयरलाइंस ने फ्लाइट्स बढ़ाने की योजना बनाई है। इस वित्त वर्ष यानी मार्च 2024 तक कंपनियां करीब 115 विमान फ्लीट में जोड़ेंगी। इनमें से ज्यादातर एयर इंडिया और इंडिगो को डिलीवर होंगे। इनका इस्तेमाल घरेलू रूट्स पर किया जाएगा, जिससे बढ़ते किराए पर लगाम लगने की संभावना है। असल में गो फर्स्ट की सर्विस बंद होने के बाद घरेलू एयरलाइंस इंडस्ट्री में डिमांड और सप्लाई का फर्क बढ़ गया है। इसके चलते कुछ मार्गों पर किराया पांच गुना तक हो गया है। कंपनियां इसी मौके का फायदा उठाना चाहती हैं। एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट इनमें शामिल हैं। लेकिन एयरलाइन ब्लॉग नेट वर्क थाउट्स की संस्थापक अमेया जोशी ने कहा, 'यदि 115 नए विमान जुड़ जाते हैं तो भी मांग पूरी करना चुनौतीपूर्ण होगा। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक कुल 115 नए विमानों में से 79प्रतिशत सिर्फ इंडिगो और टाटा ग्रुप की कंपनियों- एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा से जुड़ेंगे।

इंडिगो की तैयारी - घरेलू रूट्स की ट्रैफिक में करीब 60प्रतिशत हिस्सेदारी वाली इंडिगो मार्च 2024 तक अपनी फ्लीट में करीब 50 नए विमान जोड़ेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि इंजन की सप्लाई सुधरती है तो ज्यादा नए विमान फ्लीट में जोड़े जाएंगे। इंजन की कमी से 35 विमान ग्राउंडेड हैं।

एअर इंडिया का प्लान - टाटा ग्रुप की एअर इंडिया अगले साल मार्च तक 21 एयरबस ए321 नियो एयरक्राफ्ट फ्लीट में जोड़ेगी। कंपनी को पहले चार ऐसे विमान मिल गए हैं। घरेलू मार्गों पर इनका इस्तेमाल इसी महीने से किया जाएगा।

स्पाइसजेट भी बढ़ा रही क्षमता - स्पाइसजेट के एक अधिकारी ने कहा, 'कंपनियों के साथ लीज एग्रीमेंट किए जा रहे हैं। हम चरणबद्ध तरीके से फ्लीट बढ़ाएंगे। अक्टूबर तक हम क्षमता काफी बढ़ा लेंगे। 2022 में यात्री 47प्रतिशत बढ़े। इस साल मई में ही रिकॉर्ड 1.31 करोड़ ने हवाई यात्रा की।

6 जून को ओपन होगा आईकेआईओ लाइटिंग का आईपीओ : 16 जून को मार्केट में लिस्ट होंगे शेयर्स, एलईडी लाइटिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइड करती है कंपनी

मुंबई।

एलईडी लाइटिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी आईकेआईओ लाइटिंग लिमिटेड का आईपीओ इस हफ्ते ओपन होगा। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 350 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी। जबकि 90 लाख इक्विटी शेयरों को कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 6 जून से 8 जून तक बोली लगा सकेंगे। 16 जून को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं - रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 52 शेयरों के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 270-285 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 285 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं तो आपको 14,820 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 1,92,660 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे।

आईपीओ क्या होता है - जब कोई कंपनी पहली बार अपनी कंपनी के शेयर्स को लोगों को ऑफर करती है तो इसे आईपीओ कहते हैं। कंपनियों के द्वारा ये आईपीओ इसलिए जारी किया जाता है जिससे वह शेयर बाजार में आ सके। शेयर बाजार में उतरने के बाद कंपनी के शेयरों की खरीदारी और बिकवाली शेयर बाजार में हो सकेगी। यदि एक बार कंपनी के शेयरों की ट्रेडिंग की इजाजत मिल जाए तो फिर इन्हें खरीदा और बेचा जा सकता है। इसके बाद शेयर को खरीदने और बेचने से होने वाले फायदे और नुकसान में भागीदारी निवेशकों की होती है।

एफडी पर मिलेगा कम ब्याज, 2000 रुपये के नोट वापस लेने से ज्यादा रकम आने का असर, बैंकों ने घटाई दरें

नई दिल्ली।

बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर अब कम ब्याज मिलेगा। एक्सिस बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने इसकी शुरुआत कर दी है। इन तीनों ने विभिन्न अवधि के जमाओं पर ब्याज दरों में कटौती की है। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने का फैसला किया है। इस वजह से बैंकों में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम आ गई है। इससे बैंक अब जमा पर ब्याज कम कर रहे हैं। उपरोक्त तीनों बैंकों के बाद आने वाले समय में कई और बैंक भी एफडी की दरों में कटौती कर सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस समय चालाकी इसमें है कि आप अभी एफडी कराते हैं तो बैंक वर्तमान ब्याज ही देंगे। ऐसे में आगे ब्याज दरें घटने के बाद भी आपको वर्तमान ब्याज मिलता रहेगा।

आगे और घटेंगी दरें - आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक अगले हफ्ते से होनी है। महंगाई दर आरबीआई के दायरे में आने से उम्मीद है कि रेपो दर को जस का तस 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा जाएगा। अप्रैल में भी इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ था। ऐसे में बैंक ज्यादा रकम आने पर जमा के ब्याज पर कटौती कर सकते हैं।

मई, 2022 से 2.5 फीसदी बढ़ी रेपो दर - गौरतलब है कि मई, 2022 से लेकर इस साल जनवरी तक आरबीआई ने रेपो दर में 2.5 फीसदी की वृद्धि की थी। इससे कर्ज और जमा पर ब्याज दरें तेजी से बढ़ गईं थीं। जमा पर जहां 9.5 फीसदी का ब्याज मिल रहा था, वहीं कर्ज पर भी 8.5 फीसदी से ज्यादा ब्याज लग रहा है।

एक्सिस बैंक : एक साल पांच दिन से ज्यादा व 13 माह से कम अवधि के जमा पर 6.80 फीसदी ब्याज दे रहा है, जो पहले 7.10 फीसदी था। 13 माह से ज्यादा व दो साल से कम के जमा पर 7.10 फीसदी ब्याज मिलेगा, जो पहले 7.15 फीसदी था।

पीएनबी : एक साल के जमा पर 6.75 फीसदी ब्याज दे रहा है, जो पहले 6.80 फीसदी था। पिछले माह इसने 666 दिन के जमा पर ब्याज 7.25 फीसदी से घटाकर 7.05 फीसदी कर दिया था।

यूनियन बैंक : बैंक नवंबर में 7.30 फीसदी ब्याज दे रहा था। हाल में इसने इसे घटाकर 7 फीसदी कर दिया है।

अजय बंगा ने वर्ल्ड बैंक का अध्यक्ष पद संभाला

5 साल का होगा कार्यकाल; पुणे में जन्मे, अहमदाबाद से एमबीए किया

वॉशिंगटन।

भारतीय मूल के अजय बंगा ने वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष पद का पदभार संभाल लिया है। इसके साथ ही वे दो ग्लोबल फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की अध्यक्षता करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति बन गए हैं। 3 मई को 63 साल के अजय बंगा को वर्ल्ड बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स ने अपने 14वें अध्यक्ष के रूप में चुना था। उनका कार्यकाल 5 साल का रहेगा। फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें इस पद के लिए नॉमिनेट किया था। बंगा वर्ल्ड बैंक की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी हैं। वे डेविड मालपास की जगह पर आए हैं, जिन्होंने फरवरी में इस्तीफा देने का फैसला किया था।

नए अध्यक्ष के रूप में अजय बंगा का स्वागत: वर्ल्ड बैंक - वर्ल्ड बैंक ने बंगा की हेडक्वार्टर में प्रवेश करते हुए फोटो पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, हमारे साथ मिलकर वर्ल्ड बैंक ग्रुप के नए अध्यक्ष के रूप में अजय बंगा का स्वागत करें। हम गरीबी से मुक्त दुनिया बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर ने अजय बंगा को दी बधाई - आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने ट्वीट कर कहा, मैं अजय बंगा को शुभकामनाएं देती हूं, क्योंकि वे वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष के रूप में अपनी नई भूमिका ग्रहण कर रहे हैं। मैं अच्छा करने और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए हमारे संस्थानों के बीच गहरी साझेदारी जारी रखने की आशा करती हूं।

मास्टरकार्ड के सीईओ रह चुके हैं अजय बंगा - मास्टरकार्ड के सीईओ रह चुके बंगा वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। अजय बंगा प्राइवेट इक्विटी फंड जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन हैं।

2016 में भारत सरकार ने बंगा को पद्मश्री से सम्मानित किया था - अजय बंगा का जन्म पुणे में 10 नवंबर 1959 को हुआ था। उनके पिता हरभजन सिंह बंगा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट जनरल थे। उन्होंने जालंधर और शिमला से से ग्रेजुएशन और आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए किया है। 2016 में भारत सरकार उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित कर चुकी है।

भारत में पिज्जा हट-केएफसी खोलने में बड़ी भूमिका निभाई - अजय उस भारतीय-अमेरिकी पीढ़ी के हैं, जिन्होंने पढ़ाई भारत में की और अमेरिका में अपनी काबिलियत की धाक जमा दी। उनकी जिंदगी मेहनत, संघर्ष और सफलता की कहानी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद 1981 में उन्होंने नेस्ले इंडिया में बतौर मैनेजमेंट ट्रेनी जॉइन किया और 13 साल में मैनेजर बन गए।

इसके बाद वे पेप्सिको के रेस्टोरेंट डिवीजन का हिस्सा बने। यह उदारीकरण का दौर था, जब बंगा ने भारत में पिज्जा हट के लॉन्च में बड़ी भूमिका निभाई।

फॉर्च्यून ने शक्तिशाली उद्योगपति-2012 चुना - बंगा 1996 में सिटी ग्रुप के मार्केटिंग हेड बने। 2000 में सिटी फाइनेंशियल के प्रमुख नियुक्त किए गए। 2009 में मास्टरकार्ड के सीईओ बने और अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटजी से मास्टरकार्ड को युवाओं में इतना लोकप्रिय बना दिया कि यह स्टेटस सिंबल बन गया। 2016 में बंगा को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। मशहूर पत्रिका फॉर्च्यून ने 2012 में बंगा को 'शक्तिशाली उद्योगपति-2012' के तौर पर चुना था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 589.14 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 मई को समाप्त सप्ताह में 4.34 अरब डॉलर घटकर 589.14 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह, देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.05 अरब डॉलर घटकर 593.48 अरब डॉलर रह गया था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाओं के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए के बचाव के लिए मुद्रा भंडार के उपयोग से इसमें गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 26 मई को समाप्त सप्ताह में, मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा, विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.01 अरब डॉलर घटकर 520.93 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 22.5 करोड़ डॉलर घटकर 44.90 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.19 अरब डॉलर रह गया।

मैंने फिल्म द केरल स्टोरी न देखी है, न देखूंगा : नसीरुद्दीन शाह

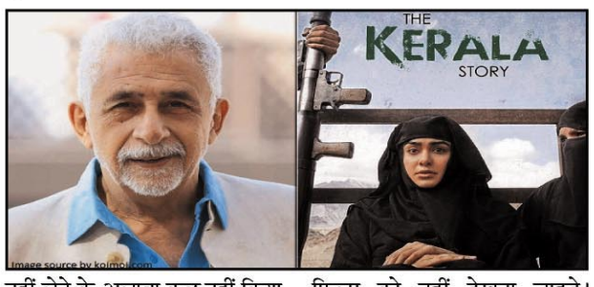

मुंबई (ईएमएस)। नसीरुद्दीन शाह बॉलीवुड के वो कलाकार हैं, जिन्होंने अपने अलग-अलग किरदारों से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। अपने रोल्स के साथ वह अक्सर अपने बयानों को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। स्वरा भास्कर के बाद नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड के ताजा हालातों के बारे में बात की है। इसके साथ ही उन्होंने द केरल स्टोरी को लेकर अपनी राय रखी और दो टूक कह दिया कि मैंने फिल्म न देखी है, न देखूंगा। नसीरुद्दीन शाह ने खुलकर अपनी राय रखी उन्होंने कहा कि बॉलीवुड हाल ही में मुश्किल दौर से गुजर रहा है, इसे देख ऐसा लगता है जैसे पूरा बॉलीवुड लगातार डर के साए में जी रहा है। 72 साल के हो चुके नसीरुद्दीन ने कहा कि इन दिनों चुप रहने और किसी भी प्रचार में भाग नहीं लेने के अलावा कुछ नहीं किया जा सकता है। स्वरा भास्कर के बाद उन्होंने भी आगे इस बात को दोहराया कि आजकल कलाकार आवाज उठाने से डरते हैं।

कहीं लोगों के गुस्से का शिकार वो न हो जाए या उनकी फिल्मों का बहिष्कार किया जा सकता है। फिल्ममेकर विपुल शाह की द केरल स्टोरी पर भी नसीरुद्दीन शाह ने बात की। उनका कहना है कि वह इस फिल्म को नहीं देखना चाहते। नसीरुद्दीन शाह का कहना है कि अफवाह, भीड़ और फराज जैसी बेहतरीन फिल्मों ने बॉक्स-ऑफिस पर दम तोड़ दिया, लेकिन द केरल स्टोरी जैसी फिल्म बड़े पर्दे पर धमाल मचा रही है। उनका कहना है कि लोग इस फिल्म को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं, लेकिन ना तो उन्होंने अभी तक इस फिल्म को देखा है और न ही उन्हें देखने का मन है।

स्लो क्राइम थ्रिलर दहाड़ के अपने फेवरेट सीन को सोनाक्षी सिन्हा ने किया याद

दिलचस्प कहानी को दर्शकों और आलोचकों से सामान रूप से प्यार मिला

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा में दहाड़ के दमदार डायलॉग्स ने ताकत भर दी। एक्ट्रेस ने कहा कि इन लाइन्स ने असल में मुझे एम्पावर किया है। स्लो क्राइम थ्रिलर दहाड़ अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में रही है। इसकी दिलचस्प कहानी को दर्शकों और आलोचकों द्वारा सामान रूप से प्यार मिला, वहीं इसे बेहतरीन एक्टिंग, जबरदस्त सस्पेंस और इंटेनसिटी के लिए भी सराहा गया। इस सीरीज में बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा भी नजर आई हैं और इंस्पेक्टर अंजली भाटी के अपने किरदार के साथ उन्होंने दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ी। हाल में इस सीरीज से अपने फेवरेट सीन के बारे में बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा नोस्टैल्जिक हो गईं। सोनाक्षी ने सीरीज के अपने फेवरेट सीन के बारे में बात करते हुए कहा कि मेरा पसंदीदा सीन वह है जहां हम आनंद के पिता के घर पर छापा मारने जाते हैं और वह अंजली को अंदर नहीं आने देता क्योंकि वह कहता है कि वह एक निचली जाति से है और वह ऐसे लोगों को घर में आने की अनुमति नहीं देगा। जिस तरह से उस सीन को लिखा गया था- डायलॉग इतना दमदार था, वह वास्तव में दिलों को छूने वाला था। एक एक्टर के रूप में यह मेरे लिए वास्तव में सशक्त था कि मैं उन लाइन्स को कह सकूं और अपने लिए खड़ी हो सकूं। मैं अपनी हड्डियों में उस एक लाइन की ताकत को महसूस कर सकती थी जो कहती थी- यह आपके पुश्तों का समय नहीं है। यह कायदा-कानून का समय है, संविधान का समय है।

और एक पुलिस वाले के रूप में संविधान ने मुझे आपके घर में घुसने का अधिकार दिया है। और अगर आपने कोशिश की और मुझे रोका, तो मैं अपनी जांच को रोकने की कोशिश करने के लिए आप पर केस करूंगी। तो मुझे लगता है कि वे वास्तव में बहुत पावरफुल शब्द लिखे गए थे और राइटर्स ने शानदार काम किया है और एक एक्टर के रूप में मेरे लिए इसे एग्जीक्यूट करना बेहद खास था। रीमा कागती और रुचिका ओबेरॉय द्वारा निर्देशित दहाड़ का निर्माण एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी द्वारा किया गया है, जिसमें रितेश सिधवानी, जोया अख्तर, फरहान अख्तर और रीमा कागती एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इस सीरीज में विजय वर्मा, गुलशन देवैया और सोहम शाह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 8-एपिसोड की यह सीरीज अब दुनिया भर के 240 अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

स्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स नौ भारतीय भाषाओं में हुई डब

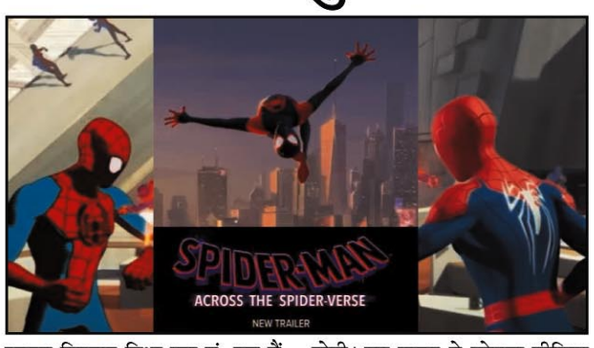

मुंबई (ईएमएस)। दर्शक स्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स में स्पाइडर-मैन उन्माद देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, फिल्म ने अभूतपूर्व शुरूआती समीक्षाओं के साथ विश्व स्तर पर बड़े पैमाने पर चर्चा शुरू कर दी है। भारतीय दर्शक पहले भारतीय स्पाइडर-मैन, पवित्र प्रभाकर और डेडपूल फेम की विशेष एंट्री से खुश हैं। वहीं, अब पवित्र प्रभाकर को आवाज देने वाले करण सोनी ने इस लेकर अपनी प्रतिक्रिया शेयर की है। प्रभाकर के लिए अपनी आवाज देने और फिल्म को नौ भारतीय भाषाओं में डब किए जाने पर लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में बोलकर करण सोनी ने बताया कि मुझे लगता है कि यह बहुत रोमांचक है कि फिल्म को नौ भारतीय भाषाओं में डब किया जा रहा है। मैं भारत में पला-बढ़ा हूं, और हम स्पाइडर-मैन से बहुत प्यार करते हैं। जब यह घोषणा की गई कि मैं उनका किरदार निभा रहा हूं, तब मैं आपको बता नहीं सकता कि मुझे लोगों के कितने संदेश मिले। सबसे पहले, वे बस उत्साहित थे, और फिर कुछ और गंभीर संदेश थे, मुख्य रूप से कह रहे थे, इसे गड़बड़ मत करो। मुझे नहीं लगता कि हमने किया! निमार्ताओं ने हाल ही में घोषणा की थी कि फिल्म के हिंदी और पंजाबी संस्करण में भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल की आवाज पवित्र प्रभाकर होगी। इस खबर ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया और प्रशंसकों को फिर से स्पाइडर-मैन यूनिवर्स में तल्लीन होने के लिए और भी उत्साहित कर दिया। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया ने स्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, मराठी, पंजाबी और बंगाली में 1 जून 2023 को केवल सिनेमाघरों में रिलीज की।

चमकीला में दोसांझ पहली बार बिना पगड़ी के नजर आएंगे

अपकमिंग फिल्म चमकीला में पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ पहली बार बिना पगड़ी के नजर आएंगे। मेकर्स ने टीजर जारी कर दिया है। स्ट्रीमिंग जायंट नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीजर साझा किया। टीजर को देख ऐसा लग रहा है कि दिलजीत ने विग पहनी हुई है। उन्होंने फिल्म में पंजाब के हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग आर्टिस्ट अमर सिंह चमकिला की भूमिका निभाई है। टीजर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखाः जो नाम सालों से आपके दिल और दिमाग पर छाया है वो अब आपके सामने आया है। देखिए पंजाब के हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग आर्टिस्ट अमर सिंह चमकिला की अनकही कहानी, जल्द ही सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। चमकीला में परिणीति चोपड़ा ने उनकी साथी अमरजोत कौर की भूमिका निभाई है।

दीपिका पादुकोण को अपनी प्रेरणा मानती अभिनेत्री ज्योति सक्सेना

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, अक्सर उभरते हुए अभिनेता प्रसिद्ध अभिनेताओं को अपना इंडियल मानते है। इस तरह ही ज्योति सक्सेना भी दीपिका पादुकोण को अपना प्रेरणा मानती हैं। ज्योति का मानना है दीपिका पादुकोण जिस तरह की फिल्मों का चुनाव करती हैं और अपने कैरैक्टर को निभाती हैं, वहां काबिले तारीफ है। दीपिका से ही प्रेरणा लेकर वह भी अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत दिखाना चाहती हैं। ज्योति कहती है,दीपिका की अपने काम को लेकर डेडिकेशन और अपने किरदार को निभाने की क्षमता ने उन्हें अधिक प्रेरित किया है। दीपिका एक ऐसी अभिनेत्री हैं जिसने फिल्मी दुनिया को एक नई दिशा दी है और अपने बेहतरीन अभियन से लोगों के दिलों में जगह बनाई है। दीपिका की निडरता ने मुझे ऐसी भूमिकाओं की तलाश करने के लिए प्रेरित किया, जो लोगों के मन में एक सार्थक प्रभाव डाल सके और दर्शकों के दिलों में जगह बना सके।

दीपिका ने जिस ढंग से अपने करियर और अपनी पर्सनल लाइफ को बैलेंस किया है वो हर एक लड़की के लिए प्रेरणादायक है। अभिनेत्री ने कहा कि दीपिका की अपने किरदारों को निभाने की कला, उन्हें भी अपने किरदारों की चुनाव को लेकर प्रेरणा देती है। ज्योति को लगता है कि दीपिका एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो याद दिलाती हैं कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और निरंतर सुधार के प्रयास के साथ, वह भी लोगों के दिलों में एक स्थायी प्रभाव बना सकती हैं। निश्चित रूप से, हम कह सकते हैं कि ज्योति सक्सेना वास्तव में दीपिका पादुकोण की बहुत प्रशंसा करती हैं और हम ज्योति सक्सेना को अपने प्रदर्शन से दर्शकों के दिलों में एक स्थिर छाप छोड़ते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकते।

बोल्ड ड्रेस को लेकर ट्रोल हुईं साक्षी चोपड़ा

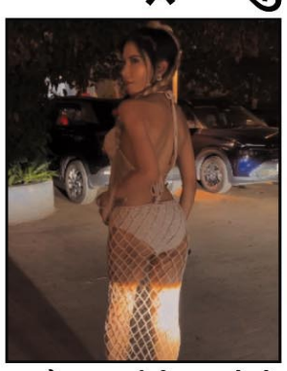

लोकप्रिय टीवी सीरियल रामायण बनाने वाले रामानंद सागर की परपोती काफी चर्चा में हैं। उनका नाम साक्षी चोपड़ा है। वह अपने कलरफुल आउटफिट्स और बोल्ड अवतार को लेकर चर्चा में रहती हैं। साक्षी की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें उन्होंने नेट की ड्रेस पहनी हुई है। पेपराजी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर साक्षी चोपड़ा का एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में वह नेट की ड्रेस में अपना फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को पोनीटेल में स्टाइल किया और इस लुक के साथ हाई हील्स पहनी थीं। उनका ये वीडियो इस समय काफी चर्चा में है। साथ ही उनके लुक्स को लेकर नेटिजेंस ने उन्हें काफी ट्रोल भी किया है। नेटिजेंस ने कहा, ये उर्फी की बहन कुल्फी, एक उर्फी बर्दाश्त नहीं होती, अब दूसरी आ गई। हर कोई बनना चाहता है उर्फी, उर्फी को टक्कर देने के लिए बाजार में नया कार्टून आ गया है। जैसे कमेंट्स किए, उर्फी ने यह ड्रेस उससे पहले पहनी थी। लोग इस देश में ध्यान आकर्षित करने के लिए ये चीजें पहनते हैं, कुछ ने नाराजगी व्यक्त की है। साक्षी चोपड़ा एक सिंगर भी हैं और अपना यूट्यूब चैनल चलाती हैं। उनके कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। वह रामायण के निमार्ता रामानंद सागर की परपोती हैं। वह रामानंद सागर के बेटे मोती सागर की बेटी मीनाक्षी की बेटी हैं।

कियारा ने खरीदी नई लक्जरी कार

बालीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने एक नई लग्जरी कार खरीदी है, जिसके बाद वह सुर्खियों में आ गई हैं। एक्ट्रेस को नई अल्ट्रा-लक्जरी स-डान के साथ मुंबई की सड़कों पर देखा गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें, कियारा आडवाणी से पहले बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने अपनी बेटी के ऑडी क्यू7 खरीदी है और जिम सर्भ ने एक बीएमडब्ल्यू 6-सीरीज जीटी खरीदी है। कियारा आडवाणी ने खुद के लिए मर्सिडीज-मेबैक एस-क्लास खरीदी है, जिसकी कीमत 2.69 करोड़ रुपये है। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कियारा ने ब्लैक कलर की मर्सिडीज खरीदी है, जो बेहद ही शानदार है। गाड़ी से बाहर निकलने के बाद वह बेहद खुश नजर आती हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक जबरदस्त पोज देती हैं।

भोजपुरी फिल्म 'सास भी कभी बहु थी' का ट्रेलर रिलीज

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन कृत मैडज मूवी प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म "सास भी कभी बहु थी" का ऑफिसियल ट्रेलर आज बी4यू भोजपुरी के यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ, जो सास-बहु के बीच के द्वंद्व को दर्शाने वाली फिल्म है। इस फिल्म के निमार्ता प्रदीप सिंह, समीर आफताब व प्रतीक सिंह वर्ल्डवाइड फिल्म प्रोडक्शंस हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन अजय कुमार झा ने किया है। फिल्म 'सास भी कभी बहु थी' प्योर फैमली ड्रामा है। फिल्म के ट्रेलर में सास के किरदार में किरण यादव और बहु के रूप में संचिता बनर्जी प्रमुख रूप से नजर आ रही हैं। फिल्म निमार्ता प्रदीप सिंह ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती हैं। यह अक्सर कहने-सुनने को मिलता रहा है, लेकिन ये क्यों होती है, इस फिल्म में दर्शक उस बात को महसूस कर पाएंगे। महिला प्रधान फिल्म होकर भी समाज की सभी वर्गों को ध्यान में रख कर इस फिल्म का निर्माण हमने किया है। फिल्म की मेकिंग अत्याधुनिक तकनीक और उच्च मानदंड के साथ किया गया है। यह फिल्म के ट्रेलर में देखा जा सकता है। फिल्म जब बॉक्स ऑफिस पर आएगी तो सभी लोग इसे सिनेमा घरों में जाकर देखें और अपनी प्रतिक्रिया भी दे। यही मैं कहना चाहूंगा। फिल्म को लेकर निर्देशक अजय कुमार झा ने कहा कि फिल्म सास भी कभी बहु थी की कहानी समाज और परिवार के बीच से है। हमारी भोजपुरी की आत्मा आज भी हमारे समाज-परिवार और संस्कार में बसती है। इसलिए हमने मनोरंजन के साथ महत्वपूर्ण संदेश लेकर आ रहे हैं। फिल्म तकनीकी और स्टोरी टेलिंग के लेवल पर बेहद खास बनी है। गाने कर्ण प्रिय हैं। संवाद फिल्म के प्रति आकर्षण पैदा करने वाले हैं।

'टाइगर-3' की शूटिंग के दौरान का वीडियो हुआ लीक, शाहरुख-सलमान का लुक वायरल

अभिनेता सलमान खान की आने वाली फिल्में काफी चर्चा में हैं। उनके फैंस कई महीनों से टाइगर-3 का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा के बाद से ही उनके प्रशंसकों का ध्यान इस फिल्म की ओर खींचा गया है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ शाहरुख खान कैमियो करते नजर आएंगे। सोशल मीडिया पर टाइगर-3 की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो लीक हो गया है। वायरल वीडियो में पहले सलमान खान और फिर शाहरुख खान नजर आ रहे हैं। लंबे बाल और हल्की दाढ़ी वाले शाहरुख खान पठान लुक में नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान ने भूरे रंग की टी-शर्ट और काली कार्गो पैंट पहनी हुई है और उनके चेहरे पर चोट के निशान बता रहे हैं कि यह एक एक्शन सीन है। सलमान खान ब्राउन टी-शर्ट और ब्लैक पैंट पहने दबंग अंदाज में चलते नजर आ रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि टाइगर-3 के मेकर्स शाहरुख-सलमान के एक्शन सीन के लिए 30 करोड़ रुपये तक खर्च करेंगे। मेकर्स ने अभी तक इस शूटिंग के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। टाइगर-3 का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। इस फिल्म में सलमान के साथ कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 2012 में रिलीज हुई सलमान की एक था टाइगर के बाद 2017 में टाइगर जिंदा है रिलीज हुई। अब इस टाइगर सीरीज का तीसरा भाग प्रदर्शनी की राह पर है। फिल्म टाइगर भी यश-राज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है।

इंटरनेट पर तेजी पर ट्रेंड कर रही सोफिया की फोटो

हाल ही में सोफिया अंसारी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं जो कि इंटरनेट पर तेजी से ट्रेंड कर रही है। सोफिया अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। बोल्डनेस के मामले में सोफिया बॉलीवुड, टीवी और भोजपुरी एक्ट्रेसेस को भी टक्कर देती हैं। यही वजह है को लोग उन्हें बोल्डनेस क्वीन कहते हैं। सोफिया की यह फोटोज इंटरनेट की दुनिया में वायरल हो गई हैं। बता दें कि सोशल मीडिया स्टार सोफिया अंसारी की लोकप्रियता दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं।

सूडोकु नवताल- 6451

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6450 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्दजाल - 7198

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी	
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी	
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल	
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे	
ज	र	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे	
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे	
न	टी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स	
क	रि	र	र	य	र	प	म	ज	म	न	
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म	
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प	
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल	

शब्दजाल में 'मुमताज' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

सेहरा, मेरे सनम, हमराज, सूरज, पत्थर के सनम, रोटी, राम और श्याम, अनपढ़, आग, लड़का लड़की

शब्दजाल - 7197 का हल

रं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी	
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा	
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्को	म	
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र	
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प	
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ	
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़	
श	एं	वा	ई	ला	ब	र्ड	डू	ए	श	व्हा	
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ	
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द	
वि	ज	अ	ग्नि	खू	ब	सू	र	त	प	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6151

3		4	6	7		
2	33		36		27	
	6	5		3	2	1
4	30		27		31	6
	2		4			7
6	36	6	32	4	34	
5		7			3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6150 का हल

3	7	6	1	2	4	5
2	33	1	23	6	33	6
5	7	2	4	1	6	3
4	28	4	27	4	36	4
1	2	3	4	5	6	7
6	37	7	38	7	33	2
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

महिला जूनियर एशिया कप में भारत की धमाकेदार शुरुआत, पहला मैच 22-0 के अंतर से जीता, अन्नू की डबल हैट्रिक

ककामिघरा।
महिला जूनियर एशिया कप में भारतीय टीम ने विशाल जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। पहले मैच में टीम इंडिया ने उजबेकिस्तान को 22-0 के अंतर से हराया। अन्नू ने डबल हैट्रिक लगाई और वह टीम के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। उनके अलावा वैष्णवी, मुमताज, सुनेलिता, मंजू चौरसिया, दीपका सोरेंग, दीपिका और नीलम ने भी गोल दागे।

अन्नू ने 13वें, 29वें, 30वें, 38वें, 43वें और 51वें मिनट में गोल किए। वहीं, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के ने तीसरे और 56वें, मुमताज खान ने छठे, 44वें, 47वें और 60वें, सुनेलिता टोप्पो ने 17वें, मंजू चौरसिया ने 26वें, दीपिका सोरेंग ने 18वें, 25वें, दीपिका ने 32वें, 44वें, 46वें और 57वें और नीलम ने 47वें मिनट में गोल किया।

भारत ने शुरुआत से ही उज्बेकिस्तान पर हमला करना शुरू कर दिया और वैष्णवी ने मैच के तीसरे मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल करके शुरुआती बढ़त बना ली। मुमताज ने तीन मिनट बाद फील्ड स्ट्राइक से भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। अन्नू ने गोल करके टीम की तालिका में इजाफा किया और शुरुआती क्वार्टर में भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली थी।

दूसरा क्वार्टर भी भारतीय टीम के नाम रहा। भारत ने मैच में अपना दबदबा कायम रखा और सुनीलिता, मंजू, दीपिका और अनु ने गोल किए, इस तरह हाफ-टाइम में टीम इंडिया ने 10-0 की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ में छोर बदलने के बाद भी कहानी वही रही, जिसमें दीपिका ने पेनल्टी कार्नर पर एक गोल किया जबकि अनु ने दो और गोल कर भारत को 13-0 की बढ़त दिला दी। मुमताज और दीपिका ने तीसरे क्वार्टर के अंतिम क्षणों में गोल कर स्कोर 15-0 कर दिया। यह एक तरफा मैच था क्योंकि भारत ने अंतिम तिमाही में सात और गोल किए। भारत का अगला पूल मैच पांच जून को मलेशिया के साथ होगा।

न्यूज ब्रीफ

डब्लूटीसी फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा तगड़ा झटका, ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने कर दी संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाना है। दोनों टीमें इंग्लैंड पहुंच गई हैं और तैयारियां शुरू कर दी है। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वॉर्नर पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने आगामी घरेलू सीरीज के दौरान टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। वॉर्नर इस समय इंग्लैंड में भारत के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। उसके तुरंत बाद इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की एशेज सीरीज में भाग लेने की संभावना है। गौरतलब हो कि इसी साल के अंत में भारत में होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप पर भी वॉर्नर की निगाहें हैं। वार्नर ने आगे कहा, मैं शायद इसका श्रेय अपने और अपने परिवार को देता हूं, अगर मैं यहां रन बना सकता हूं और ऑस्ट्रेलिया में वापस खेलना जारी रख सकता हूं - तो मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि मैं वेस्टइंडीज सीरीज नहीं खेलूंगा। पाकिस्तान सीरीज के बाद मैं निश्चित रूप से अपना टेस्ट करियर समाप्त कर दूंगा। बता दें कि डेविड वॉर्नर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1 दिसंबर 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था। अभी तक 102 टेस्ट मैच की 187 पारी में वॉर्नर ने 45.58 की औसत से 8158 रन बनाए हैं। वॉर्नर ने इस दौरान 25 शतक और 3 दोहरा शतक लगाए। डेविड वॉर्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी (335*) खेली है।

एशिया कप से पहले शाहीन अफरीदी का कमाल, एक ओवर में मारे 4 छक्के

नई दिल्ली। शाहीन अफरीदी ने एशिया कप के पहले ही अपनी बल्लेबाजी से कमाल दिखा दिया है। वे अपनी धारदार गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। 23 साल का पाकिस्तानी खिलाड़ी अब बल्ले से भी कोहराम मचा रहा है। वे अभी इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट में उतर रहे हैं। एक मुकाबले में उन्होंने एक ओवर में 4 छक्के जड़े। उनके ओवरऑल टी20 के रिकॉर्ड को देखें, तो वे अब ससुर शाहिद अफरीदी की राह पर चल पड़े हैं। वे चौके से अधिक छक्के लगा चुके हैं। सितंबर में एशिया कप होना है। उससे पहले उन्होंने सभी विरोधी टीमों को मैसेज भेज दिया है कि वे बल्ले से भी मैच का रुख बदल सकते हैं। शाहीन अफरीदी नॉटिंघमशायर की ओर से खेल रहे हैं। हालांकि उनकी टीम को वूस्टरशायर के खिलाफ 56 रन से बड़ी हार मिली। मैच के 16 वें ओवर में अफरीदी ने ऑफ स्पिनर मिचेल ब्रेसवेल की गेंद पर 4 छक्के जड़े। वे अंत में 11 गेंद पर 29 रन बनाकर आउट हुए। एक चौका और 4 छक्का जड़ा। मैच में वूस्टरशायर ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 226 रन बनाए थे। जवाब में नॉटिंघमशायर की टीम 18.2 ओवरों में 170 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। शाहीन अफरीदी के ओवरऑल टी20 रिकॉर्ड के अनुसार वे चौके से अधिक छक्के जड़ चुके हैं। उन्होंने अब तक 148 मैच में 364 रन बनाए हैं। 25 चौका और 26 छक्का लगाया है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 21 की औसत से 206 विकेट भी लिए हैं। 19 रन देकर 6 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है।

धमाकेदार जीत के साथ लक्ष्य सेन ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, हार के साथ थमा थाईलैंड ओपन में किरण का सफर

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने थाईलैंड ओपनर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। लक्ष्य साल 2023 में पहली बार किसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल हुए हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने मलेशिया के लियोंग जुन हाओ को सीधे गेम में 21-19, 21-11 से मात दी। लक्ष्य सेन मैच की शुरुआत से ही बेहतरीन लय में नजर आए और उन्होंने लियोंग जुन को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। हालांकि, पहले गेम में मलेशिया के खिलाड़ी ने लक्ष्य को कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय स्टार प्लेयर 21-19 से बाजी मारने में सफल रहा। दूसरे सेट में लक्ष्य अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर पूरी तरह से हावी दिखाई दिए और उन्होंने लियोंग को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही लक्ष्य इस सत्र में पहली बार अंतिम चार में पहुंचे हैं। वह इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर फाइनल में हार गए थे। अब सेमीफाइनल में सेन का सामना चीन के पांचवें वरीय लु गुआंग जु और थाईलैंड के दूसरे वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

आईपीएल खेलने में बिजी रहे भारत के 14 खिलाड़ी

कंगारुओं ने हफ्तों पहले इंग्लैंड में शुरू कर दी थी डब्लूटीसी फाइनल की तैयारी, प्रैक्टिस मेक्स मैन परफेक्ट

नई दिल्ली।

लगता है टीम इंडिया ब्रूस ली के इस वाक्य को भुला चुकी है। शायद यही कारण है कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले टीम मैनेजमेंट ने आईपीएल के चक्कर में प्रैक्टिस के लिए बहुत कम टाइम निकाला। लिहाजा, टीम को 7 से 11 जून के बीच लंदन के द ओवल मैदान पर फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना किसी प्रैक्टिस मैच के उतरना पड़ेगा। इतना ही नहीं, टीम के धुरंधर भी गिनती के दिन ही प्री-मैच प्रैक्टिस कर सकेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलियन इसे करो या मरो का मुकाबला मानकर तैयारी कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के आधा दर्जन दिग्गजों ने आईपीएल से किनारा किया, भारत से सिर्फ एक - डब्लूटीसी फाइनल के प्रति क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की सीरियसनेस का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम के कप्तान पैट कमिंस समेतत करीब आधा दर्जन खिलाड़ियों ने आईपीएल से किनारा कर लिया। कप्तान और टीम के अधिकांश खिलाड़ी अपने ही देश में इंग्लैंड के ओवल जैसी पिच बनाकर अभ्यास करते रहे, जबकि भारतीय खेमे से चेतेश्वर पुजारा ही आईपीएल से जुदा होकर काउंटी क्रिकेट में पसीना बहाते नजर आए।

इसका दूसरा पहलू इंग्लैंड में चल रही काउंटी क्रिकेट लीग में नजर आता है। फर्स्ट क्लास फॉर्मेट के इस कॉम्पिटिशन में 3 कंगारू खिलाड़ी खेलते नजर आए, जबकि भारतीय दल से सिर्फ चेतेश्वर पुजारा ने हिस्सा लिया। शेष 14 भारतीय खिलाड़ी आईपीएल

खेलने में व्यस्त रहे।

फाइनल से पहले एक साथ इंग्लैंड पहुंचे कंगारू, भारतीय किस्तों में गए - फाइनल से पहले कंगारू टीम के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में लाल गेंद से प्रैक्टिस करने के बाद 26 मई को एक साथ लंदन पहुंचे और वहां काउंटी खेल रहे टीम के अन्य खिलाड़ी भी टीम से जुड़ गए। जबकि बीसीसीआई ने आईपीएल के कारण तीन से चार किस्तों में अपने खिलाड़ी भेजे। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों को आपस में प्रैक्टिस करने के अलावा कोई विकल्प नहीं मिला। गौर करने वाले बात यह है कि आईपीएल में दिल्ली कैपिल्स के कप्तान रहे डेविड वॉर्नर भी पहले स्वदेश लौटे, फिर टीम के साथ लंदन रवाना हुए।

लंदन पहुंचने से पहले आईपीएल और काउंटी क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों के अलावा करीब एक दर्जन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने अपने ही देश में अभ्यास किया, वहीं भारतीय टीम के खिलाड़ी तीन से चार किस्तों में इंग्लैंड पहुंचे। पुजारा को छोड़कर टीम इंडिया का पहला जत्था 23 मई को इंग्लैंड के लिए रवाना हुआ। पॉइंट्स में देखिए कौन कब रवाना हुआ

(कौन कब लंदन पहुंचा) लंदन पहुंचने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

पहला बैचः काउंटी क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी अप्रैल महीने से इंग्लैंड में हैं। इनमें स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और मार्कस हैरिस शामिल रहे।

दूसरा बैचः नॉन काउंटी प्लेयर्स 26 मई को ऑस्ट्रेलिया से इंग्लैंड पहुंचे। इस बैच में आईपीएल खेलकर स्वदेश लौटे डेविड वॉर्नर भी शामिल थे। इस बैच के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड जैसी पिच की कंडीशन में प्रैक्टिस कर रहे थे, जबकि कप्तान पैट कमिंस सिडनी में तैयारी कर रहे थे।

किस्तों में रवाना हुई टीम इंडिया

पहला बैचः 23 मई अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव।

दूसरा बैचः 27 मई सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल।

तीसरा बैचः 30 मई को शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत और मोहम्मद शमी।

प्रैक्टिस के अभाव में ढाई दिन में हारे थे पिछला फाइनल - डब्लूटीसी फाइनल से पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट ने पिछले फाइनल से भी सीख नहीं ली। 2021 में जब भारतीय टीम डब्लूटीसी फाइनल हारी थी, तब भी हमारे प्लेयर्स आईपीएल खत्म होने के बाद इंग्लैंड पहुंचे थे। टीम ने प्रैक्टिस मैच भी नहीं खेला, जिस कारण भारत ढाई दिन में ही टेस्ट मैच हार गया। तब न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियन प्लेयर्स की तरह कई दिन पहले इंग्लैंड पहुंच गए थे, उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज भी खेली थी। जिसका फायदा उन्हें डब्लूटीसी फाइनल में मिला।

कंगारुओं पर भारी पड़े पुजारा - काउंटी लीग में प्रदर्शन की बात करें तो भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अकेले ही कंगारू बल्लेबाजों पर भारी पड़े। पुजारा ने ससेक्स की ओर से खेलते हुए 6 मैचों की 8 पारियों में 545 रन बनाए। इनमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने ससेक्स टीम की कप्तानी भी की, इसी टीम में कंगारू खेमे से स्टीम स्मिथ ने 3 मैचों में 122 रन बनाए। वहीं बाकी कंगारू प्लेयर्स में मार्नस लाबुशेन ने 5 मैचों में 502 और मार्कस हैरिस ने 5 मैचों में 457 रन बनाए।

शास्त्री ने बताया डब्लूटीसी फाइनल में विकेटकीपर कौन

2 स्पिनर्स के साथ उतरे तो भरत और 4 पेसर्स पर किशन बेहतर; प्लेइंग-11 भी बताई

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल से पहले टीम इंडिया के विकेटकीपर की समस्या सुलझाने की कोशिश की है। उन्होंने बतौर विकेटकीपर ईशान किशन और केएस भरत पर अलग-अलग राय दी। पिछले डब्लूटीसी फाइनल में टीम इंडिया के चीफ कोच रहे शास्त्री ने विकेटकीपिंग में अपनी पसंद बताते हुए कहा है कि विकेटकीपर के चयन में बॉलिंग अटैक अहम भूमिका निभाएगा। टीम इंडिया को अपनी गेंदबाजी के अनुसार विकेटकीपर चुनना चाहिए। 61 साल के इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने फाइनल के लिए अपनी प्लेइंग-11 भी दी है।

पिछले डब्लूटीसी फाइनल से सीखने की जरूरत

शास्त्री ने कहा, सबसे अहम ये है कि आप अपने पिछले डब्लूटीसी फाइनल मैच से कुछ सीखें। आपको इस तरह की टीम का चयन करना चाहिए, जो इंग्लैंड की कंडीशन के हिसाब से हो। पिछली बार मौसम की वजह से टीम को नुकसान हुआ था। शास्त्री ने अपनी बात रखते हुए दो टीम कॉम्बिनेशन बताए हैं। इनमें पहले में भरत को मौका दिया है, जबकि दूसरे में किशन को खिलाया है। अगर 2 स्पिनर और 3 पेसर खेलते हैं तो केएस भरत को टीम में शामिल किया जाना चाहिए चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर खेलता है तो फिर ईशान किशन को टीम में चुना जा सकता है। शास्त्री ने अलग-अलग पोजिशन पर भी अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा, टीम में ओपनर रोहित शर्मा, शुभमन गिल, नंबर तीन पर चेतेश्वर पुजारा, चार पर विराट कोहली और नंबर पांच पर अजिंक्य रहाणे होंगे।

एफआईएच प्रो लीग 2022-23 में भारत ने किया उलटफेरः ओलिंपिक चैंपियन बेल्जियम को 5-1 से हराया; कप्तान हरमनप्रीत ने किए दो गोल

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लंदन में खेले जा रहे एफआईएच प्रो लीग 2022-23 में ओलिंपिक चैंपियन बेल्जियम को 5-1 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने यूरोपीय लेग में लगातार हार के बाद शानदार वापसी की। इससे पहले, भारतीय टीम को यूरोपीय लेग के शुरुआती मैच में 26 मई को बेल्जियम से 1-2 से हार मिली और फिर अगले दिन उसे ब्रिटेन से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के बाद भारत एफआईएच प्रो लीग 2022-23 पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर खिसक गया।

बेल्जियम की ओर से एकमात्र गोल विलियम घिसलेन ने किया - भारत की ओर से विवेक सागर प्रसाद (पहले मिनट), हरमनप्रीत सिंह (20, 29वें मिनट), अमित रोहिदास ने (28वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह ने (60वें मिनट) में गोल किए। जबकि बेल्जियम की तरफ से विलियम घिसलेन ने 45वें मिनट में एकमात्र गोल किया। एफआईएच प्रो लीग 2022-23 में अबतक खेले गए मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया है। उनके नाम 11 मैचों में 15 गोल हैं।

पॉइंट्स टेबल में भारत दूसरे स्थान पर - भारत अब अंक तालिका में 22 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। वहीं, ग्रेट ब्रिटेन 25 अंकों के साथ

पहले पायदान पर मौजूद है।

लीग का यह चौथा सीजन - एफआईएच प्रो लीग का आयोजन इंटरनेशनल हॉकी करता है। यह 2019 में मेंस और विमेंस संस्करण के साथ शुरू हुआ था। एफआईएच प्रो लीग में दुनिया भर की नौ सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं। लीग का यह चौथा सीजन है। यह सीजन 28 अक्टूबर 2022 से शुरू हुआ और पांच जुलाई 2023 तक चलेगा।

इस लीग के मुकाबलों का आयोजन भुवनेश्वर और राउरकेला के अलावा ऑस्ट्रेलिया में न्यूकासल और होबार्ट, अर्जेन्टीना में मेंडोजा और सेंटियागो डेल, बेल्जियम में एंटवर्प, इंग्लैंड में लंदन, नीदरलैंड के आइंडहोवेन और एम्सटर्डम तथा न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में हो रहा है।

दुनिया की तीसरे नंबर की पेगुला को मर्टेंस ने किया बाहर, सबालेंका पहली बार चौथे दौर में पहुंचीं

पेरिस।

दुनिया की तीसरी नंबर की महिला टेनिस खिलाड़ी अमेरिका की जेसिका पेगुला का पहला ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में 6-1, 6-3 की उलटफेर भरी जीत के साथ तोड़ दिया। वहीं, दुनिया की दूसरे नंबर की महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। तीसरे दौर के मुकाबले में उन्होंने रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से पराजित किया। पुरुष वर्ग में पिछली बार के उपविजेता कैस्पर रूड ने इटली के क्वालिफायर गियूलियो जेपिरी को 6-3, 6-2, 4-6, 7-5 से पराजित किया। रूड की टक्कर अब चीन के झांग झिझेन से होगी जिन्होंने अर्जेंटीना के क्वालिफायर थियागो अगस्टिन को 7-6, 6-3, 6-4 से हराया। वह 1937 के बाद रोलां गैरो के तीसरे दौर में पहुंचने वाले चीन के पहले खिलाड़ी बन गए। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी तीसरे दौर में पहुंच गए।

पेगुला के पास नहीं था मर्टेंस का जवाब

महिला वर्ग में 29 साल की पेगुला के पास

मर्टेंस के विविधता भरे खेल का जवाब नहीं था। युगल में दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मर्टेंस ने बेहतरीन फोरहैंड, ड्रॉप शॉट, दमदार ग्राउंडस्ट्रोक लगाए। दुनिया में 28वीं रैंकिंग पर मौजूद बेल्जियम की खिलाड़ी ने पहले सेट में दो ब्रेक प्वाइंट के साथ 5-0 की बढ़त बना ली और 26 मिनट में पहला सेट जीत लिया था। दूसरे सेट में पेगुला ने ब्रेक प्वाइंट लिया लेकिन अगले ही गेम में मर्टेंस ने बराबरी कर ली। पेगुला के बैकहैंड नेट पर उलझ रहे थे। मर्टेंस ने 5-3 की बढ़त बना ली और मैच अपने कब्जे में कर लिया। अब उनकी टक्कर 2021 की उपविजेता अनासतासिया पेवलियूचेनकोवा से होगा, जिन्होंने चोट से वापसी करने के बाद 24वीं वरीयता की अनासतासिया पोतापोवा को 4-6, 6-3, 6-0 से हराया। अन्य मुकाबले में फिलिप्स चैटरियर कोर्ट पर सबालेंका ने खुली धूप के बीच अपनी मजबूत सर्विस के दम पर शुरुआती सेट में ब्रेक प्वाइंट के साथ 3-0 की बढ़त बना ली। अब उनकी टक्कर अमेरिका की स्लोने स्टीफंस और यूलिया पुतिनत्सेवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगी। पिछले महीने दुनिया की नंबर एक इगा स्वियातेक को मैडिड ओपन में हराने वालीं सबालेंका ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है। इससे पहले वह कभी रोलांगैरो में तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ी थीं। पिछली तीन बार से वह यहां तीसरे दौर में बाहर होती रही हैं। उनका मैच पर पूरी तरह नियंत्रण दिखाई दिया, बस एक बार ब्रेक प्वाइंट की नौबत आई थी लेकिन उन्होंने दूसरी सर्विस में ऐस लगाते हुए उसे बचा लिया। ब्रिटेन की एमा रादूकानू अब अपने कोच सेबेस्टियन साच के साथ ट्रेनिंग नहीं करेंगी। दो साल पहले यूएस ओपन चैंपियन बनीं रादूकानू ने कहा कि मैंने सेबेस्टियन की कोचिंग के दौरान काफी कुछ सीखा और खेल का लुत्फ उठाया लेकिन अब हालात ऐसे हो गए हैं कि हम दोनों के लिए आगे एक साथ काम करना मुश्किल होगा।

सचिन के टेस्ट रनों का रिकॉर्ड जल्द तोड़ेंगे रूट

32 ही उम्र, 11,000 रन पूरे; 33 मैचों में 12 शतक भी लगा दिए

नई दिल्ली।

इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जो रूट ने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट में 56 रन बनाए। इसी के साथ अपने 130वें टेस्ट में वह 11 हजार रन पार कर गए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने। उनसे पहले इंग्लैंड के ही एलेस्टेयर कुक ने 31 साल 357 दिन की उम्र में 11 हजार रनों का आंकड़ा पार किया था। रूट पिछले ढाई साल में ही 12 शतक भी लगा चुके हैं। अगर वे अपना फॉर्म जारी रखते हैं तो अगले साढ़े तीन से 4 साल में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रनों के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। सचिन के नाम 200 टेस्ट में 15921 रन हैं। आगे इस स्टोरी में हम जानेंगे कि रूट कितनी पारियों में सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकेंगे और इसके लिए उन्हें 4 साल का ही टाइम क्यों लगेगा।

आयरलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाई - लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर एक से 4 जून के बीच इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट जारी है। पहले बैटिंग करते हुए आयरलैंड 172 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 524 रन बनाकर घोषित की।

रूट ने 59 गेंद पर 56 रन बनाए। उन्होंने दोहरा शतक बनाने वाले ओली पोप के साथ महज 124 बॉल पर 146 रन की पार्टनरशिप की।

11 हजार रन बनाने वाले दूसरे इंग्लिश प्लेयर - रूट ने अपनी पारी में 52वां रन बनाते ही टेस्ट क्रिकेट में 11 हजार रन पूरे कर लिए। उनके अभी 11,004 रन हैं, वे 238वीं पारी में इस मुकाम तक पहुंचे। ऐसा करने वाले वह इंग्लैंड के दूसरे ही खिलाड़ी बने। उनसे पहले पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक 12472 रन बना चुके हैं।

कुक ने 31 साल 357 दिन की उम्र में 11 हजार टेस्ट रन का आंकड़ा पार किया था। उनके बाद 32 साल 154 दिन के रूट ही इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। ओवरऑल रूट 11 हजार टेस्ट रन बनाने वाले 11वें ही खिलाड़ी बने। पारियों के लिहाज से श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 208 पारियों में 11 हजार टेस्ट रन के आंकड़े को पार कर लिया था। इस मामले में रूट 8वें नंबर पर हैं।

9 साल में 17 शतक लगाए - 13 दिसंबर 2012 को भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले रूट ने 2020 तक 97 टेस्ट में 17 शतक और 49 फिफ्टी लगाई। इस दौरान उन्होंने करीब 48 के औसत से 7,829 रन बनाए।

ढाई साल में लगाए 12 शतक - 2020 तक 17 शतक लगाने के बाद पिछले ढाई साल के 33 टेस्ट में ही रूट ने 12 शतक और 9 फिफ्टी लगा दीं। इस दौरान उन्होंने 3 हजार से ज्यादा रन भी बनाए। यानी 2020 तक रूट करीब 6 टेस्ट में एक शतक लगाते थे, लेकिन पिछले ढाई साल में उन्होंने औसतन हर तीसरे मैच में एक शतक लगाया।

सचिन से करीब 5000 रन पीछे हैं रूट - सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट के करियर में 15,921 रन बनाए, जो टेस्ट में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड है। उनके और दूसरे नंबर के खिलाड़ी रिकी पोंटिंग में 2,543 रन का बड़ा अंतर है। यानी कि 2013 में रिटायरमेंट लेने के बाद 10 साल तक कोई भी खिलाड़ी उनके आस-पास नहीं भी आया। अब रूट जिस तरह के फॉर्म में बैटिंग कर रहे हैं, वह जल्द ही इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

रूट अभी 32 साल के हैं। उनके अभी 11,004 रन हैं, यानी सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें 4,918 रनों की जरूरत है। 1 जनवरी 2021 से 33 मैचों में रूट ने 3,181 रन बनाए हैं। यानी वे एक मैच में औसतन 96 रन बना रहे हैं। इस स्पीड से उन्हें सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने में करीब 52 मैच लगेंगे।

4 साल में कैसे तोड़ेंगे सचिन का रिकॉर्ड - इंग्लैंड की टीम ने 2021 और 2022 में 15-15 टेस्ट खेले। कोरोना टाइम को छोड़ दें तो इंग्लैंड हर साल 12 से 16 टेस्ट खेलता है। अगर एक साल में इंग्लैंड के औसतन 13 टेस्ट लें, तो रूट 4 साल में 52 टेस्ट खेल लेंगे। यानी 2027 तक अगर वे इसी फॉर्म को जारी रखें तो सचिन के सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे। अगर इंग्लैंड हर साल 15 टेस्ट खेले तो रूट 2026 अंत तक ही करीब साढ़े 3 साल में 16 हजार टेस्ट रन बना सकते हैं।

माइलेज को बढ़ा देगा यह इंजन

चीन की कारमेकर कंपनी कोरोस ने कम्फ्री मोटर के साथ मिलकर एक नया कमलेस नाम का इंजन विकसित किया है जो इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक अक्टुअटर्स की मदद से पॉवर और माइलेज को 12 से 17 प्रतिशत तक बढ़ा देगा। यह इंजन कार को कंट्रोल करने के मामले में भी बेहतर साबित होगा। इंजन को फ्री वेव ऐबी तकनीक से बनाया गया है जो मॉडर्न डायरेक्ट इंजेक्शन सिस्टम पर काम करती है। कंपनी ने बताया कि इस इंजन से कारें ज्यादा पॉवरफुल होने के साथ-साथ पहले से कॉम्पैक्ट पैकेज में मिलेंगी, लेकिन इसके रिलीज और प्रोडक्शन डेट के बारे में कुछ नहीं बताया गया, सिर्फ इतना ही कहा गया कि आने वाले समय की कारों में इस इंजन को उपलब्ध किया जाएगा।

मक्खियों से ऐसे पाए छुटकारा

खमीर वाली चीजों पर मक्खियां बहुत आती हैं। इसका एक कप गर्म करके बोतल में डाल लें। अब इस बोतल को उस जगह पर रखें जहां पर ज्यादा मक्खियां आती हैं क्योंकि इसकी खुशबू मक्खियों को अपनी और आकर्षित करती है। बाद में कागज की एक कीप बना कर बोतल के मुंह पर लगा दें। ऐसा करने से सारी मक्खियां इस बोतल में चली जाएगी और वापिस उड़ नहीं पाएगी।

अमृत से कम नहीं गौमूत्र कई बीमारियों में फायदेमंद

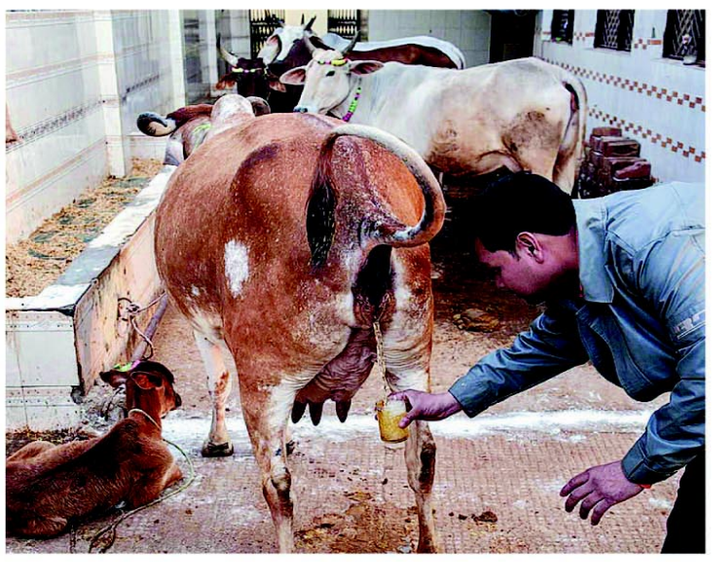

हिंदू धर्म और शास्त्रों में गाय को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए इसके गोबर और मूत्र को भी पवित्र माना जाता है। आयुर्वेद में गौमूत्र के प्रयोग रामवाण औषधी के रूप में किया जाता है। इससे दवाइयां भी तैयार की जाती हैं। गौमूत्र के नियमित सेवन से बड़े-बड़े रोग तक दूर हो जाते हैं। गाय का मूत्र विष नाशक, जीवाणु नाशक, शक्ति से भरा और जल्द ही पचने वाला होता है। गौमूत्र से लगभग 108 रोग ठीक होते हैं। गौमूत्र के प्रयोग से बड़े-बड़े रोग जैसे, दिल की बीमारी, मधुमेह, कैंसर, टीबी, मिर्गी, एड्स और माइग्रेन आदि को भी ठीक किया जा सकता है। तो अब गाय से प्राप्त दूध, दही, मठ्ठा आदि सेवन करने के साथ साथ गौमूत्र का भी सेवन करके खतरनाक बिमारियों को दूर भगाएं।

किस गाय का गौमूत्र करें प्रयोग

बूढ़ी, अस्वस्थ व गाभिन गाय का मूत्र नहीं लेना चाहिए। गौमूत्र को कांच या मिट्टी के बर्तन में लेकर साफ सूती कपड़े के आठ तहों से छानकर चौथाई कप खाली पेट पीना चाहिए।

खून की कमी

अगर गौमूत्र, त्रिफला और गाय का दूध एक साथ मिक्स कर के सेवन किया जाए तो शरीर में एनीमिया की कमी दूर होती है। साथ ही खून भी साफ होता है।

कीटाणु नाशक

गौमूत्र शरीर में घुसे कई किस्म के कीटाणुओं का खात्मा करता है। आयुर्वेद अनुसार शरीर में तीनों दोषों की गड़बड़ी की वजह से बीमारियां फैलती हैं, लेकिन गौमूत्र पीने से बीमारियां दूर हो जाती हैं।

लिवर बने मजबूत

गौमूत्र पीने से लिवर मजबूती से काम करता है जिससे खून शुद्ध बनता है और बीमारियां दूर होती हैं।

दिमाग से मिटाए तनाव

दिमागी टेंशन की वजह से नर्वस सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। लेकिन गौमूत्र पीने से दिमाग और दिल दोनों को ही ताकत मिलती है और उन्हें किसी भी किस्म की कोई बीमारी नहीं होती।

जोड़ों का दर्द दूर करे

अगर दर्द वाली जगह पर गौमूत्र से सेकाई की जाए तो आराम मिलता है। सर्दियों में आप गौमूत्र को सोंठ के साथ पिए तो लाभ मिलेगा।

पेट की गैस दूर करे

सुबह अगर आधे कप पानी में गौमूत्र के साथ नमक और नींबू का रस मिला कर पिया जाए तो गैस नहीं बनती।

मोटापा करे कम

एक गिलास पानी में चार बूंद गौमूत्र के साथ दो चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस मिला कर रोजाना पीने से लाभ मिलता है।

इम्युनिटी बढ़ाए

इसे नियमित पीने से शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है और काई भी बीमारी जल्दी नहीं लगती।

कीटनाशक के रूप में

गौमुत्र कीटनाशक के रूप में भी उपयोगी है। देसी गाय के गौमूत्र को पानी में मिला फसलों पर कीटनाशक के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

सौंदर्य और सेहत दोनों में लाभकारी है गुलाब

गुलाब के फूल को भला कौन नहीं जानता हैं। फूलों का राजा माना जाने वाला गुलाब एक जाना पहचाना फूल है। यह फूल होने के साथ-साथ एक जड़ी-बूटी भी है। गुलाब का हमारे जीवन में अपना ही महत्व है। सौंदर्य अपील और सुखदायक खुशबू के अलावा, गुलाब का फूल हमें कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता हैं।

आंखों की देखभाल

गुलाब जल थकी हुई आंखों को तुरंत राहत प्रदान करने में बहुत कारगर होता है। आंखों में गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों में नई चमक आती है, और वह स्वस्थ लगती हैं। अगर आप कंप्यूटर के सामने बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो गुलाब जल आपका दोस्त साबित हो सकता है।

एस्ट्रिंजेंट

गुलाब के तेल में एस्ट्रिंजेंट के अद्भुत गुण होने के कारण यह मसूड़ों और बालों की जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करता है। साथ ही यह त्वचा की देखभाल, मांसपेशियों में मजबूती, आंतों और रक्त वाहिकाओं में भी मदद करता है। गुलाब के तेल का रक्त वाहिकाओं से अनुबन्ध होने के कारण यह घाव और चोट से निकलने वाले रक्त के प्रवाह को रोकने में बहुत कारगर होता है।

त्वचा की देखभाल

त्वचा के लिए फायदेमंद विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराने के कारण गुलाब जल त्वचा की देखभाल के लिए बहुत लोकप्रिय है। गुलाब जल के इस्तेमाल का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह एक सर्वश्रेष्ठ टोनर भी है। गुलाब जल में प्राकृतिक एस्ट्रिंजेंट होने के यह एक सर्वश्रेष्ठ टोनर भी है।

बालों की देखभाल

गुलाब जल का एक और आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ है इसमें बालों की देखभाल के प्रभावी गुण होते है। बालों की जड़ों में ब्लड के सर्कुलेशन में सुधार करता है जिससे बालों के स्वस्थ विकास में मदद मिलती है। इसके अलावा यह बालों को

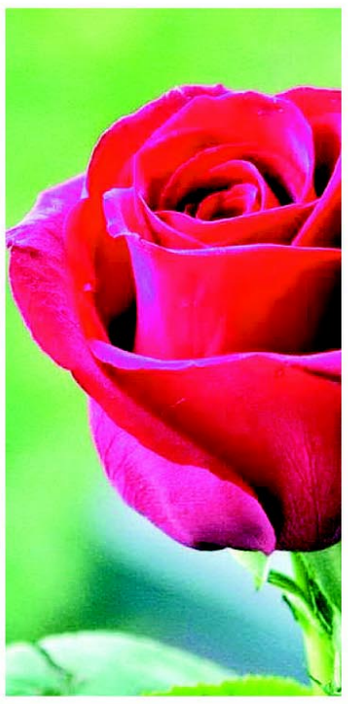

मजबूत और लचीला बनाने के लिए एक प्रभावी और प्राकृतिक कंडीशनर भी है।

एंटीडेप्रेसेंट

हालांकि गुलाब आपके चेहरे पर एक प्यारी से मुस्कान ला सकता है, लेकिन इसका तेल भी कम नहीं है। इसका तेल आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति बढ़ा सकता हैं। गुलाब का तेल अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता हैं। यह गुलाब का तेल अवसाद को कम करने के लिए एक कारगर उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि यह सकारात्मक विचारों और भावनाओं को आह्वान करता है।

गुलाब का फल

गुलाब के फल विटामिन ए, बी 3, सी, डी और ई से भरपूर होता है। इसमें उच्च मात्रा में मौजूद विटामिन सी के कारण डायरिया के इलाज के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। गुलाब के फल में फ्लवोनोइड्स, बायोफ्लवोनोइड्, सिट्रिक एसिड, फ्रुक्टोज, मैलिक एसिड, टैनिन और जिंक भी होता है।

एंटी फ्लॉजिस्टिक

बुखार आने से रोकना भी गुलाब के तेल का एक अन्य स्वास्थ्य लाभ है। इसमें मौजूद एंटी इंफ्मेंटेरी तत्व सूक्ष्म जीवाणु संक्रमण के कारण सूजन, रसायन, अपच और निर्जलीकरण को कम करने में मदद करता हैं।

हर्बल चाय

गुलाब जल का इस्तेमाल एक हर्बल चाय के रूप में किया जाता है। यह पेट के रोगों और मूत्राशय में होने वाले संक्रमण को दूर करने के काम आती है। हर्बल गुलाब जल चाय एक शांत प्रभाव प्रदान करती है। इस सुखदायक चाय को घूंट आप कभी भी भर सकते हैं यह आपको आराम महसूस कराने में मदद करेगी।

एंटीसेप्टिक

घावों के इलाज के लिए गुलाब का तेल बहुत अच्छा उपाय है। गुलाब के तेल में मौजूद एंटीसेप्टिक गुण घावों को भरता है और इसकी खुशबू से आपको रिलैक्स महसूस होता है। घाव पर गुलाब के तेल के इस्तेमाल से सेप्टिक बनने और संक्रमण के विकास से बचाने में मदद मिलती है।

गर्भावस्था में क्यों जरूरी है सहजन खाना

हर गर्भवती महिला को गर्भावस्था के दौरान अपने और बच्चे दोनों के लिए सही आहार खाना चाहिए ताकि दोनों ही स्वस्थ रहें। इसलिए आज हम आपको सहजन के बारे में बताएगें जिसे गर्भवती महिला को गर्भावस्था के दौरान जरूर खाना चाहिए।

सहजन में कैल्शियम, फास्फोरस कैरोटीन और विटामिन सी होता है, जिसके कारण डॉक्टर गर्भवती को सहजन का जूस पीने का सलाह देते है। इसके सेवन से डिलवरी में होने वाली समस्या और डिलवरी के बाद होने वाली तकलीफ कम होती है। तो आइए जानते है गर्भवती महिला को सहजन से होने वाले फायदों को बारे में।

प्रसव

गर्भावस्था में सहजन खाने से प्रसव के समय महिला को दर्द से आराम मिल जाता है। इसे खाने से प्रेगनेंट महिला मे खून की कमी नहीं होती और मां बनाने के बाद होने वाली समस्याए कम हो जाती है। इसलिए प्रेगनेंट महिला को सहजन का सेवन करना जरूरी चाहिए।

सुबह के समय सिकनेस

गर्भवती महिला को सहजन का सेवन करने से सुबह के समय होने वाली मतली, और चक्कर आना जैसी मोरिंग सिकनेस भी कम हो जाती है।

स्वस्थ हड्डियां

सहजन में आयरन कैल्शियम और विटामिन भरपूर मात्रा में होता है,

जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं और खून साफ होता है इसलिए गर्भवती महिला को सहजन का सेवन करना चाहिए।

इन्फेक्शन से बचाता है

कुछ न कुछ गलत खाने और एंटीबैक्टीरियल होने की वजह गर्भवती महिला को गले, त्वचा और छाती में इन्फेक्शन हो जाती है। इस इन्फेक्शन को सहजन खाने से दूर किया जा सकता है।

पेट संबंधी परेशानी

अगर आपको पेट संबंधी कोई परेशानी है तो सहजन और नारियल पानी को साथ में खाने से दस्त और पीलिया ठीक हो जाता है।

मधुमेह

अगर गर्भावस्था में महिला को सहजन की पत्तियां दी जाए तो उनका ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखा जा सकता है, जिसके कारण वह मधुमेह से बच सकती है।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

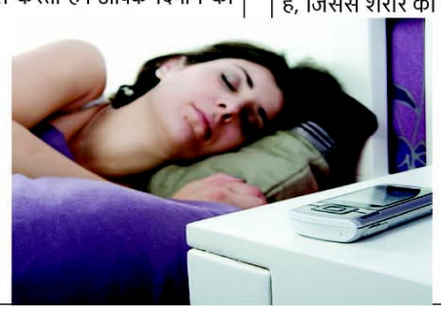

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट में बेहतर कॅरियर

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमैंट का मकसद है जोखिम, दुर्घटना और उससे लगने वाली चोटों व नुकसान को कम करना और इसके लिए सुरक्षा प्रबंधन के तमाम सिद्धांतों व तकनीकों पर अमल किया जाना जरूरी है । कर्मचारी की तंदरुस्ती से लेकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी व मजबूती तक इसी मकसद को हासिल करने में मदद करते हैं। इस क्षेत्र में आपके लिए बेहतर कॅरियर है।

कहां-कहां है अवसर: इंडस्ट्रीयल सेफ्टी मैनेजमैंट का कोर्स करने के बाद फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर, सिस्टम सेफ्टी इंजीनियर, कंस्ट्रक्शन सेफ्टी इंजीनियर, रिस्क मैनेजमैंट, कंसल्टैंट, ट्रांसपोर्टेशन, सेफ्टी सुपरवाइजर, इंडस्ट्रियल हाइजीन मैनेजर, एन्वायरनमेंट सेफ्टी मैनेजर, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन, हैल्थ एक्सपर्ट्स जैसे पदों पर नियुक्ति मिल सकती है।

योग्यता/कोर्स...

जो लोग इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमैंट से जुड़ना चाहते हैं उन्हें संबंधित पाठ्यक्रम करना होगा, जिसके लिए उनका स्नातक या स्नातकोत्तर होना जरूरी है। औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम में इंजीनियरिंग कंट्रोल और एप्लिकेशन, परमाणु ऊर्जा संयंत्र, पेट्रोलियम इंडस्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आपात स्थिति पर नियंत्रण करना, औद्योगिक उपकरणों की निगरानी करना, मेडिकल विजीलेंस, चोट-नुकसान और जानलेवा स्थितियों को रोकना, खराब उपकरणों की सूची बनाना इत्यादि को जानना-समझना पड़ता है। औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और डिग्री जैसे कोर्स उपलब्ध हैं। वैसे तो इंजीनियरिंग के छात्रों को प्राथमिकता मिलती है, लेकिन कुछ संस्थानों में 12वीं पास विद्यार्थी भी सर्टीफिकेट और डिप्लोमा जैसे कोर्स कर सकते हैं।

वेतनमान...

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमैंट करने के बाद यह देखना होता है कि आप किस पद पर हैं। उसी के तहत सैलरी तय होती है। साथ ही आपने डिग्री की है या डिप्लोमाधारी हैं। इस आधार पर 10 हजार रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक की तनख्वाह मिल सकती है। जैसे-जैसे पद बड़ा होता जाता है कंपनी के प्रोफाइल के हिसाब से वेतन में भी बढ़ोतरी होती रहती है।

रेसिपी

बची हुई रोटी का उपमा

सामग्री

रोटियां 4, प्याज बारीक कटा हुआ 1, टमाटर बारीक कटा हुआ 1, हरी मिर्च बारीक कटी हुई 2, शिमला मिर्च बारीक कटी हुई, राई आधा चम्मच, मटर के दाने आधा कप , मूंगफली दाने भुने हुए 1 चम्मच , धनिया पाउडर 1 चम्मच , लाल मिर्च पाउडर आधा चम्मच , नींबू का रस 1 आधा चम्मच , स्वादानुसार नमक, तेल, बारीक कटी हुई हरी धनिया पत्तियां।

विधि

उपमा बनाने के लिए सबसे पहले रोटियों के छोटे-छोटे टुकड़ें कर लें। इसके बाद में एक पैन में तेल डालकर गर्म करें और राई का तड़का लगाएं। बाद में हरी मिर्च और प्याज डालकर मध्यम आंच पर पकाएं। जब प्याज सुनहरा हो जाए तो इसमें टमाटर, शिमला मिर्च और मटर डालें और 3 मिनट तक पकाएं। बाद में एक पैन लेकर उसमें धनिया, लाल मिर्च पाउडर और मूंगफली के दाने डालकर पकाएं। जब मूंगफली के दाने पक जाए तो उसमें रोटियों के टुकड़े और नमक डालकर मिक्स करें। अब इसे 2 मिनट तक पकाएं और बाद में गैस को बंद कर दें। अब बची हुई रोटी का उपमा बन कर तैयार हो गया है। इस पर आप हरी धनिया पत्तियों को गार्निश करके सर्व कर सकते हैं।

बादाम की कुल्फी

सामग्री

दूध 3 लीटर
चीनी 3/4 कप
बादाम भूना और कटा हुआ आधा कप
इलायची पाउडर 1 चम्मच

विधि

बादाम की कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन लें। अब इसमें सारा दूध डाल कर गैस पर तब तक चलाते रहें जब तक आधा न हो जाएं। आधा होने पर गैस को बंद कर दें। गैस से उतार कर दूध में चीनी, बादाम और इलायची पाउडर को डाल कर अच्छे से मिक्स कर दें। अब इस मिश्रण को सांचों में डालकर 5-6 घंटों के लिए फ्रिज में जमने के लिए रख दें। 5-6 घंटों को बाद देखे कि कुल्फी जम गई है कि नहीं। अगर कुल्फी जम गई है तो इसे निकाल कर सबको सर्व कर दें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**